जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने के कारण खपत में आई तेजी
- 10

एसबीआई को पांच छह साल तक इक्विटी पूंजी की जरूरत नहीं : शेट्टी
- 10

भारत-इंडोनेशिया मुक्त, शांतिपूर्ण व समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए प्रतिबद्ध
- 11

दीप्ति शर्मा तीन करोड़ 20 लाख रुपये में यूपी वारियर्स में लौटी
- 12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष अष्टमी 12:15 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 28 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 4, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

दिव्यांगों का अपमान रोकने को बने एससी-एसटी जैसा सख्त कानून

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को दिया विचार करने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने दिव्यांगजनों की गरिमा की रक्षा के लिए एक सख्त कानून की आवश्यकता पर जोर दिया और बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह दिव्यांगजनों के खिलाफ उनका मजाक उड़ाने वाले और अपमानजनक बयान देने वालों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट जैसा दंडनीय कानून बनाने पर विचार करे।

एससी/एसटी एक्ट, 1989 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के लोगों के खिलाफ किए जाने वाले जातिसूचक अपशब्दों, भेदभाव, अपमान और हिंसा को अपराध मानता है तथा इस कानून के तहत ऐसे मामले गैरजमानती होते हैं। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, एससी-एसटी अधिनियम में जातिसूचक टिप्पणियों को अपराध माना गया है और सजा का प्रावधान है, उसी तरह का कठोर कानून आप दिव्यांग लोगों के लिए क्यों नहीं ला सकते। मेहता ने इस टिप्पणी की सराहना की और कहा कि मजाक उड़ाकर किसी की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचाया जाना चाहिए।

पीठ को सूचना प्रसारण मंत्रालय ने बताया कि दिव्यांग व्यक्तियों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों और उनका मजाक उड़ाने जैसे मामलों से निपटने के लिए कुछ दिशा-निर्देश तैयार किए जा रहे हैं। पीठ ने मंत्रालय से कहा कि वह दिशा-निर्देशों को चर्चा के लिए सार्वजनिक करे। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट दुर्लभ 'स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी' रोग से पीड़ित व्यक्तियों के लिए काम करने वाले 'मेसर्स एसएमए क्योर फाउंडेशन' की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के होस्ट समय रैना और उसके सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर साथियों की ओर से किए गए मजाकिया बयानों को उठाया गया है।

दंड : दिव्यांगों की सफलता पर करने होंगे प्रोग्राम

पीठ ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को भविष्य में आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश देते हुए दिव्यांगजनों की सफलता की कहानियों के बारे में हर महीने दो कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया, ताकि दिव्यांगों, विशेषकर एसएमए से पीड़ित लोगों के उपचार के लिए धन जुटाया जा सके। पीठ ने कहा कि यह सामाजिक दंड का हिस्सा है और उन्हें अन्य दंडात्मक उपायों से छूट दी गई है। उन्हें दिव्यांगों के बारे में उनके असंवेदनशील चुटकुलों के लिए क्षतिपूर्ति के रूप में ऐसा करने के लिए कहा गया है। सीजेआई ने कहा कि इन्फ्लुएंसर्स एसएमए जैसी दुर्लभ बीमारियों के पीड़ितों को समय पर उपचार प्रदान करने के मकसद से धन जुटाने के लिए अपने मंचों पर सक्षम व्यक्तियों को आमंत्रित कर सकते हैं।

क्या आधार रखने वाले घुसपैठियों को भी वोटर बनाना चाहिए

नई दिल्ली। एसआईआर की वैधता पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूछा, क्या ऐसे लोग जो गैरकानूनी तरीके से भारत में आए हैं और जिनके पास आधार कार्ड हैं, उन्हें भी वोट देने का हक होना चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अलग-अलग राज्यों की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल और केरल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस तर्क के बाद यह टिप्पणी की कि आधार होने के बावजूद मतदाताओं को बाहर रखा जा रहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने साफ किया कि आधार का मकसद कानून के तहत योजनाओं का लाभ पाने तक सीमित है। बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर जताई गई चिंताओं पर सीजेआई ने कहा कि अगर दूरदराज के इलाकों के लोगों को जानकारी थी कि नई लिस्ट आ रही है तो क्या कोई कह सकता है कि उन्हें पता नहीं था।

पहली बार 86,000 पर पहुंचा सेंसेक्स

मुंबई। आईटी, निजी बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों में लिवाली के बीच गुरुवार को बीएसई का सेंसेक्स पहली बार 86,000 अंक के अपने शिखर तक पहुंचा। निफ्टी भी पहली बार 26,300 अंक तक पहुंचने में कामयाब रहा।

बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई और बीच कारोबार में एक समय सेंसेक्स 446 अंक उछलकर 86,055.86 अंक पर पहुंच गया था। अंत में यह 110.87 अंक की बढ़त में 85,720.38 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 सूचकांक भी बीच 105 अंक चढ़कर 26,310.45 अंक पर पहुंचा, लेकिन अंत में 10.25 अंक ऊपर 26,215.55 अंक पर बंद हुआ।

विश्व विजेता बेटियों को सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को हाल ही में पहला टी-20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम की सदस्यों से मिले। इस दौरान मोदी ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी, इसके बाद उनके लिए एक गेंद पर हस्ताक्षर भी किए।

सड़क हादसे में महिला, बेटा-बेटी समेत छह की मौत

कार्यालय संवाददाता,संभल

- पति और दूसरे बेटे की भी हालत गंभीर, हायर सेंटर रेफर किया गया
- संभल में निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस वे पर हुई कार-पिकअप की टक्कर

अमृत विचार: निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस वे पर कार और सब्जी भरी एक पिकअप की भिड़ंत में छह लोगों की मौत हो गई। इनमें एक महिला और उसके बेटा-बेटी शामिल हैं। महिला का पति और दूसरा बेटा भी गंभीर रूप से घायल हो गए। भीषण टक्कर से कार के परखचे उड़ गए और उसमें सवार लोग फंस गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को निकालकर अस्पताल भेजा।

अमरोहा के कस्बा आदमपुर के रहने वाले रोहित के भतीजे डेविड का नामकरण बहजोई के गांव बिसारु में था। रोहित के परिवार के लोग इस कार्यक्रम में शामिल होकर कार से लौट रहे थे। बहजोई से निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस वे के रास्ते गुजरते हुए धतरा गांव के निकट सामने से गलत साइड पर तेज रफ्तार आ रही सब्जी से लदी पिकअप ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में कार चकनाचूर हो गई। जानकारी मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के साथ आसपास थानों की पुलिस पहुंची और ग्रामीणों के साथ कार में फंसे लोगों को निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया जहां रोहित की 32 वर्षीय पत्नी रेनू, 9 साल के बेटे भास्कर और 7 साल की बेटी रिया के साथ 29 साल की भाभी गीता पत्नी सुनील, 12 साल के भांजे कपिल पुत्र किशन पाल निवासी चंदौसी तथा 34 वर्षीय देववती पत्नी सत्यपाल को मृत घोषित कर दिया गया। रोहित और दूसरा पुत्र जय भी गंभीर घायल हुए जिन्हें दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

हादसे के बाद बुरी तरह क्षतिग्रस्त कार।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

इप्सेफ ने पीएम को दोबारा भेजा पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र ने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया है कि देशभर के सरकारी कर्मचारी-शिक्षकों की समस्याओं का मिल बैठकर समाधान निकाला जाए। कर्मचारियों में निरंतर असंतोष बढ़ता जा रहा है। पढ़े-लिखे युवा वर्ग को आउटसोर्सिंग के माध्यम से रोजगार तो दिया जा रहा है, परंतु उन्हें जीने लायक वेतन व अन्य जीवन-यापन सुविधा नहीं मिल पा रही हैं। इप्सेफ की ओर से प्रधानमंत्री को दोबारा पत्र भेजा गया है। इप्सेफ अध्यक्ष ने गुरुवार को पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी से मांग की है कि यूपीएस-एनपीएस को समाप्त कर पुरानी पेंशन बहाल की जाए।

17 जिलों में 50 प्रतिशत काम पूरा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के 17 जिलों में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इन जिलों में औरैया, पीलीभीत, सहारनपुर, अमरोहा, मुरादाबाद, बस्ती, रामपुर, सिद्धार्थनगर, बरेली, आजमगढ़, फिरोजाबाद और एटा आदि शामिल है, जहां 50 प्रतिशत से अधिक डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है।

किसानों को अनुदान पर दिए जाएंगे सोलर पंप

40521 सोलर पंप का होगा वितरण, 15 तक करें आवेदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य सरकार पीएम कुसुम योजना के तहत प्रदेश के किसानों को अनुदान पर 40521 सोलर पंप उपलब्ध कराने जा रही है। इसका लाभ लेने के लिए किसानों को 15 दिसंबर तक कृषि विभाग की वेबसाइट www.agriculture.up.gov.in पर आवेदन करना होगा। अनुदान पर सोलर पंप उन्हीं किसानों को मिलेगा, जो विभाग की इस वेबसाइट पर पंजीकृत होंगे। किसानों का चयन ई-लॉटरी के जरिए होगा।

इस योजना में किसानों को 9 प्रकार के सोलर पंप पर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अनुदान के रूप में बड़ी राशि की छूट मुहैया कराई जा रही है। इसमें केंद्र व राज्य सरकार का अलग-अलग अंश भी होगा। 2 एचपी डीसी, एसी सरफेस पंप पर राज्य सरकार द्वारा 56737 रुपये व केंद्र सरकार द्वारा 41856 रुपये का अनुदान मुहैया कराया जायेगा। दोनों पंपों पर कुल 98593 रुपये अनुदान स्वरूप किसानों को प्रदान मिलेंगे। 2 एचपी डीसी सबमर्सिबल पंप पर केंद्रांश व राज्यांश के रूप में किसानों को 1,00,215 रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। 2 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप 99,947 रुपये का अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा 1,40,780 व केंद्र सरकार द्वारा 1,14,203 रुपये का अनुदान पंजीकृत किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा व उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) के अंतर्गत योगी सरकार ने किसानों से 15 दिसंबर तक आवेदन करने की अपील की है।

सत्यापन में बोरिंग न मिली तो धनराशि होगी जब्त

कृषि विभाग के मुताबिक, किसानों द्वारा बैंक से ऋण लेकर किसान अंश जमा करने पर कृषि अवस्थापना निधि (एआईएफ) के अंतर्गत केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा तीन-तीन फीसदी (कुल छह फीसदी) की छूट ब्याज में प्रदान किए जाने का प्रावधान है। विभाग के मुताबिक 2 एचपी के लिए 4 इंच, 3 व 5 एचपी के लिए छह इंच व 7.5 एचपी व 10 एचपी के लिए 8 इंच की बोरिंग अनिवार्य है। यह बोरिंग स्वयं किसान की होगी। सत्यापन के समय बोरिंग न पाए जाने पर टोकन मनी की धनराशि जब्त होगी और आवेदन निरस्त माना जा सकता है।

एक करोड़ मुआवजे की मांग, सपा देगी 2 लाख रुपये

लखनऊ, अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर कार्य में लगातार दिए जा रहे असंभव लक्ष्य को प्राप्त करने में बीएलओ कर्मचारियों में मानसिक दबाव बढ़ रहा है और कई कर्मचारी गंभीर स्थिति में पहुंच रहे हैं। भारी दबाव कर्मचारियों को जान देने को मजबूर कर रहा है। इसलिए चुनाव आयोग से अपेक्षा है कि मृतक के परिवारजनों को एक-एक करोड़ का मुआवजा मिले, साथ ही सपा दो-दो लाख रुपये का आर्थिक सहयोग पीड़ित परिवार को देगी। मतदाता सूची में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया पर लगातार सवाल उठा रहे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को स्वयं एसआईआर फॉर्म भर दिया और दूसरों को भी फॉर्म भरने की सलाह दी। फार्म भरने की जानकारी सोशल मीडिया इंस्ट्राग्राम पर साझा करते हुए उन्होंने जनमानस से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपना-अपना एसआईआर कराएं, कुछ भी समस्या या गड़बड़ी दिखाई दे तो हमें सूचित करें।

जंबूरी में देश-विदेश की लड़कियों ने दिखाया हुनर, बनी वैश्विक पहचान

लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में आयोजित गतिविधियों में शामिल प्रतिभागी। ● अमृत विचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **लड़कियों की भागीदारी आयोजन की उपलब्धि के तौर पर दर्ज की जा रही**

अमृत विचार: राजधानी के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में एशिया-प्रशांत देशों व देश के कोने-कोने से 32,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। इस दौरान लड़कियों की भागीदारी भी खास रही जो इस आयोजन की उपलब्धि के तौर पर दर्ज की जा रही है।

प्रतिभागी लड़कियों ने अभूतपूर्व आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व किया, जो भारत की स्काउटिंग और गाइडिंग के लिए एक सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है। आयोजन के दौरान, युवा स्काउट्स और गाइड्स ने हाई रोप चैलेंजेस, ग्राउंड-लेवल साहसिक गतिविधियों, रचनात्मक कला क्षेत्रों और आधुनिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए डिजाइन की गई कई वर्कशॉप्स में उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवाचार, नेतृत्व और प्रौद्योगिकी के सत्रों में प्रतिभागी लड़कियों ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की। जंबूरी को वैश्विक आयाम प्रदान करते हुए, सऊदी अरब, मालदीव, श्रीलंका, पोलैंड, अमेरिका, बांग्लादेश, मलेशिया और नेपाल से आये प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुए हैं। जिनमें से कई देशों की लड़कियों की मजबूत टुकड़ियां भी शामिल रहीं।

दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

JYOTI COLLEGE of Management Science & Technology

Estd. 2000

NAAC B+ Accredited College

B.Sc. Nursing
M.Sc. Nursing
P.B.B.Sc. Nursing
College Code : 2430244
M.Ed.
B.Ed
G.N.M.
A.N.M.
D.P.T.
D.R. Optometry
D.M.L.T.
D.Pharma

Campus: Mudia Ahmad Nagar, Near Airport Gate, Pilibhit Road, Bareilly

Email: Contact@jyoticollege.com | Web: www.jyoticollege.com

Ph.: 9219459111, 6395711513, 9837028420

प्रतिबंधित दवाओं का व्यापार करने वाली 87 फर्मों के निरस्त होंगे लाइसेंस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **कोडीन युक्त कफ सिरप एवं नारकोटिक्स के अवैध व्यापार के खिलाफ एफएसडीए की कार्रवाई**

अमृत विचार : मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) उप्र. ने राज्य में कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य नारकोटिक एवं प्रतिबन्धित श्रेणी की दवाओं के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय और वितरण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। राज्यव्यापी छापेमारी के दौरान सबसे ज्यादा वाराणसी में 28 फर्मों के साथ कुल 87 फर्मों एवं व्यक्तियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई, इन सभी के लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उप्र. आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने गुरुवार को बताया कि सूचना मिलने पर औषधि विभाग की टीमों ने राज्यभर में औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खुलासा हुआ कि कई फर्में अस्तित्व में ही नहीं हैं, केवल अवैध बिलिंग पॉइंट के रूप में संचालित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि कई प्रतिष्ठानों में भंडारण की पर्याप्त और मानकनुरूप व्यवस्था ही नहीं थी, क्रय-विक्रय अभिलेख नहीं मिले। आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने बताया कि पकड़ी गई फर्मों में वाराणसी की राधिका इंटरप्राइजेज, हरी फार्मा के अमित जैसवाल समेत कुल 28 फर्में शामिल हैं, इसके अलावा जौनपुर की 12, कानुपर नगर की आठ, राजधानी लखनऊ की तीन इसके अलावा चंदौली, बहराइच, सुल्तानपुर, भदोही, प्रयागराज व गाजीपुर आदि जिलों से कुल 36 फर्मों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गयी है।

गांवों में लगने वाले मेलों को भव्य बनाएगा बजट

लखनऊ, अमृत विचार : ग्रामीण मेलों के लिए ग्राम पंचायतों को बजट देने की तैयारी है, ताकि आयोजनों और भव्य तरीके से मनाया जा सके। पंचायती राज निदेशालय ने प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों से ऐसे 50 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने वाले पारंपरिक मेलों की रिपोर्ट मांगी है, जो शासन को भेजी जाएगी।

ग्राम पंचायतों में गंगा स्नान मेला, महाशिवरात्रि एवं श्रावण मास मेला, जन्माष्टमी मेला, दशहरा मेला समेत अन्य पारंपरिक मेले आयोजित होते हैं। इनके लिए ग्राम पंचायतों के पास बजट नहीं होता। न ही वित्तीय संसाधन जुटा पाते हैं। वर्षों से चंदा व अन्य स्रोत से आयोजन होते आ रहे हैं। इन मेलों के लिए कोई बजट व प्राविधान नहीं है। जबकि नगर के नियम हैं और बजट की व्यवस्था है। ठीक नगर की तरह ग्राम पंचायतों में मेला के लिए बजट और नियम सरकार बना रही है। ताकि चंदा न करके बजट से पारंपरिक आयोजन भव्य तरीके से कराए जा सकें।

फर्जी अंकपत्र मामले में पूर्व रजिस्ट्रार की भूमिका संदिग्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **मंडलायुक्त बस्ती की जांच में खुलासा शासन को भेजी गई रिपोर्ट**

अमृत विचार: मदरसा शिक्षा परिषद में वर्ष 2014 के आलिम और कामिल अरेबिक परीक्षाओं से जुड़े फर्जी अंकपत्र प्रकरण में मंडलायुक्त बस्ती की जांच रिपोर्ट ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा कर दिया है। इस मामले में तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। मंडलायुक्त बस्ती अखिलेश सिंह ने शासन को इसकी विस्तार से रिपोर्ट भेजी। जिसमें मदरसा गौसिया फैजुल उलूम मइहरवा कुशीनगर द्वारा पेश की गई टेबुलेशन रजिस्टर-2014 में केवल 45 परीक्षार्थियों के नाम व अनुक्रमांक दर्ज थे। जिसमें साबिर अली अंसारी का नाम और उनका अनुक्रमांक 4050266 मौजूद नहीं था। कामिल अरेबिक तृतीय वर्ष में भी जाकिर हुसैन का नाम तो दर्ज मिला, लेकिर परिणाम में फेल दर्शाया गया था। रजिस्ट्रार कार्यालय की प्रस्तुत टेबुलेशन रजिस्टर में उसे पास दिखाया गया।

रजिस्ट्रार कार्यालय से उपलब्ध टेबुलेशन रजिस्टर (टीआर) पर न किसी सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर थे, न पेज नंबरिंग, न प्रमाणीकरण था। लगता है कि यह दस्तावेज किसी आधिकारिक प्रक्रिया से गुजरा ही न हो। इसके विपरीत मदरसा प्रधानाचार्य द्वारा भेजी गई टीआर पूरी तरह हस्ताक्षरित और सत्यापित थी। प्रस्तुत अंकपत्रों पर भी परिषद कर्मियों के हस्ताक्षरों के बजाय मदरसा लिपिक अनवर हुसैन और प्रधानाचार्य अब्दुल शकूर के हस्ताक्षर मिले। इससे साफ है कि अंकपत्र कूटरचित थे। इन्हें मदरसे के भीतर ही तैयार किया गया। इस पूरे मामले में संदिग्ध पहलू तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट की कार्यशैली रही। 8 जुलाई 2022 को उनके कार्यालय द्वारा दोनों अंकपत्रों को असत्य बताते हुए पत्र जारी किया गया। मात्र 18 दिन बाद 26 जुलाई 2022 को वहीं रजिस्ट्रार ने इन अंकपत्रों को सत्य घोषित कर दिया। संबंधित कनिष्ठ सहायक ने टिप्पणी बदलकर इसे टंकण त्रुटि बताया, लेकिन न तो इस बदलाव के पीछे कोई तथ्य थे और न कोई कारण। तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट ने इस असंगति पर कोई सवाल उठाना तो दूर, बिना किसी जांच-पड़ताल के संशोधित सत्यापन आख्या पर हस्ताक्षर कर दिए।

Gangasheel School of Nursing Bareilly

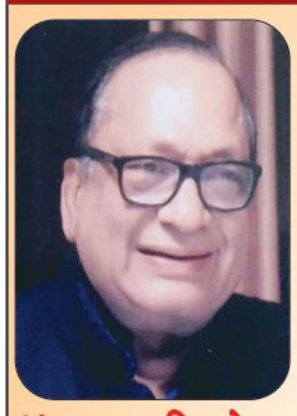

दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. नवल किशोर गुप्ता

डॉ. शशि बाला राठी

Direct Admission in GNM

For admission to GNM Course (3 Years) for all Private Institutions/Colleges affiliated with UP State Medical Faculty running GNM Program

For More Information

9359064697, 9389723945

अखिलेश दुबे को 43 में से 37 मामलों में क्लीनचिट

संवाददाता, कानपुर

अखिलेश दुबे।

अमृत विचार: भाजपा नेता रवि सतीजा को फंसाकर 50 लाख की रंगदारी मांगने के आरोप में जेल गए वकील अखिलेश दुबे को राहत मिली है। उसके खिलाफ 43 शिकायतों में से 37 में एसआईटी ने क्लीनचिट दी है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने छह मामलों में डिजिटल साक्ष्य, गवाहों के बयान और अन्य तकनीकी सबूत एकत्रित करने के निर्देश दिए हैं।

छह अगस्त को भाजपा नेता रवि सतीजा ने बर्रा थाने में अखिलेश दुबे, लवी मिश्रा, टोनू यादव, विमल यादव, अभिषेक बाजपेई समेत अन्य पर विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने अखिलेश दुबे और लवी मिश्रा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। इसके बाद अखिलेश दुबे और उसके साथियों पर दो किदवईनगर, कोतवाली में अन्य मामलों में रिपोर्ट दर्ज की गई, जबकि जूही क्षेत्र के 15 साल पुराने मामले में फिर से जांच शुरू हो गई। यह कार्रवाई एसआईटी की जांच के बाद हुई थी। तत्कालीन पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने सितंबर में ऑपरेशन महाकाल लांच कर दिया, जिसमें अखिलेश दुबे के अलावा कई जमीन पर कब्जा करने और अन्य भू-माफियाओं के खिलाफ शिकायतें आईं थीं।

शहीद की विधवा की दुर्दशा पर हाईकोर्ट व्यथित

प्रयागराज, अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1971 के युद्ध में शहीद हुए सैनिक की विधवा के मामले पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के लिए बलिदान देने वाले सैनिक की पत्नी को आधी सदी से न्याय और अधिकार के लिए भटकना पड़ रहा है। मामले में तात्कालिकता को रेखांकित करते हुए न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने राज्य सरकार को तुरंत निर्देश प्राप्त करने और शहीद की विधवा के दावे के त्वरित निपटारे के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया, साथ ही संबंधित प्राधिकारियों को सुनवाई की अगली तारीख तक यानी 8 दिसंबर 2025 तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए गए।

मेरठ जेल की बैरक नंबर 12ए में भेजी गई मुस्कान, बेटी

मेरठ, एजेंसी

- **अब तक किसी पक्ष ने बच्ची के डीएनए टेस्ट की मांग नहीं की**

अमृत विचार: मेरठ में अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या के मामले में जेल में बंद मुस्कान को मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से छुट्टी दिए जाने के बाद नवजात बेटी के साथ मेरठ जेल की बैरक संख्या 12ए में भेज दिया गया है। जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा ने गुरुवार को बताया कि मुस्कान और उसकी बेटी पूरी तरह स्वस्थ हैं तथा बच्ची का टीकाकरण जेल परिसर में ही कराया जाएगा।

अधीक्षक के अनुसार, अब तक किसी भी पक्ष की ओर से बच्ची के डीएनए परीक्षण की लिखित मांग नहीं की गई है, इस कारण जेल प्रशासन ने डीएनए जांच की कोई प्रक्रिया शुरू नहीं की है। जेल सूत्रों ने बताया कि नियमित चिकित्सा जांच के दौरान मुस्कान के गर्भवती होने का पता चला था। उन्होंने बताया कि सोमवार शाम करीब 6:50 बजे उसने मेडिकल कॉलेज में सामान्य प्रसव से बेटी को जन्म दिया था। सूत्रों ने बताया कि बेटी के जन्म के बाद भी मुस्कान से मिलने कोई परिजन जेल नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि मुस्कान के पिता प्रमोद रस्तोगी और मां कविता उसकी पहली बेटी पीहू की देखभाल कर रहे हैं, लेकिन नवजात राधा को देखने नहीं आए। सौरभ राजपूत नामक व्यक्ति की हत्या करने के आरोप में उसकी पत्नी मुस्कान और मुस्कान के प्रेमी साहिल शुक्ला को गिरफ्तार किया गया था।

कफ सिरप तस्करी में मास्टरमाइंड का करीबी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **एसटीएफ ने लखनऊ के ग्वारी चौराहे से पकड़ा**
- **आरोपी से जुड़ी है झारखंड की फर्म देवकृपा**

अमित सिंह

अमृत विचार : फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी मामले में सिंडिकेट के फरार मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल का करीबी अमित सिंह टाटा लखनऊ से गिरफ्तार हो गया। एसटीएफ के एएसपी लालप्रताप सिंह की टीम ने आरोपी को ग्वारी चौराहे के पास से दबोचा। झारखंड की देवकृपा फर्म आरोपी की बताई जा रही है। इसके पिता अशोक सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। सिरप कांड में उसकी तलाश एसटीएफ काफी लंबे समय से कर रही थी। गिरोह का मास्टरमाइंड वाराणसी का शुभम जायसवाल है, जो वर्तमान में दुबई भाग गया है। इस गिरोह का खुलासा सोनभद्र पुलिस ने 18 अक्टूबर को किया। इसके बाद 4 नवंबर को गाजियाबाद से सौरभ त्यागी गिरफ्तार किया गया। इसकी जानकारी होते ही शुभम विदेश भाग गया।

एसटीएफ के एएसपी लाल प्रताप सिंह के मुताबिक, अमित सिंह टाटा मूलतः जौनपुर के सुरेरी स्थित सीटूपुर गांव का रहने वाला है। वर्तमान में उसने वरूणा इंक्लेव सिकरौल कैंट में अपना ठिकाना बनाया रखा था। आरोपी के पास से मोबाइल, फार्च्युनर, आधार कार्ड व नकदी समेत कई अहम दस्तावेज बरामद किये गये हैं। फेन्सेडिल कफ सिरप व कोडीन युक्त अन्य दवाओं को नशे के रूप में प्रयोग करने हेतु इनका अवैध भंडारण एवं व्यापार करने तथा उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार, झारखण्ड, असम, पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश में आपूर्ति करने की सूचना एसटीएफ को मिल रही थी। इस पर टीम ने साक्ष्य जुटाने शुरू किये। गिरोह का सरगना कायस्थ टोला प्रह्लाद घाट वाराणसी का शुभम जायसवाल है। वह देश छोड़कर भाग चुका है।

जांच में खुलती गई तस्करी गिरोह की परतें

एएसपी लाल प्रताप सिंह ने बताया कि 12 नवंबर को सहारनपुर के सदर बाजार स्थित शास्त्री नगर निवासी विभोर राणा व विशाल सिंह को गिरफ्तार किया गया था। उनसे पूछताछ के बाद अमित कुमार सिंह उर्फ अमित टाटा का नाम सामने आया था। जांच में सामने आया कि आजमगढ़ के नरवे निवासी विकास सिंह के जरिए वाराणसी के कायस्थ टोला प्रहलाद निवासी शुभम जायसवाल से उसकी जान-पहचान हुई थी। विकास सिंह ने बताया था कि शुभम जायसवाल का एबॉट कंपनी की फेंसेडिल कफ सीरप का शैली ट्रेडर्स के नाम से बड़ा कारोबार रांची, झारखंड में है। कोडीन युक्त फेंसेडिल कफ सीरप नशे के रूप में प्रयोग होता है, जिसकी काफी डिमांड पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में है। धनबाद में देवकृपा मेडिकल एजेंसी के नाम से जनवरी 2024 में फर्म बनवाई थी। फर्म का सारा लेन-देन शुभम जायसवाल, उसके पार्टनर व सीए देखता था। धनबाद के बिजनेस में उसने पांच लाख रुपये लगाए थे। उसे इन लोगों ने लगभग 20-22 लाख रुपये दिए। इस दौरान धनबाद दो से तीन बार ही गया था।

- जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने के कारण खपत में आई तेजी
- 10

- एसबीआई को पांच छह साल तक इक्विटी पूंजी की जरूरत नहीं : शेट्टी
- 10

- भारत-इंडोनेशिया मुक्त, शांतिपूर्ण व समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए प्रतिबद्ध
- 11

- दीप्ति शर्मा तीन करोड़ 20 लाख रुपये में यूपी वारियर्स में लौटी
- 12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष अष्टमी 12:15 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 28 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 4, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

अंतरिक्ष क्षेत्र में नई उम्मीदें जगा रहे हैं 300 से ज्यादा स्टार्टअप

मोदी ने स्काईरूट के रॉकेट का अनावरण किया, जेन जी की सराहना की

हैदराबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट के पहले ऑर्बिटल रॉकेट का अनावरण किया और नई प्रौद्योगिकियां तैयार करने के लिए जेन जी पेशेवरों की तारीफ की। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हैदराबाद में 'स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस' का उद्घाटन किया। कंपनी का 'आर्बिटल रॉकेट विक्रम-1' उपग्रहों को कक्षा में स्थापित कर सकेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जेन जी इंजीनियर, डिजाइनर, कोडर और वैज्ञानिक नई प्रौद्योगिकियां तैयार कर रहे हैं। मोदी ने अपने संबोधन में सरकार के ऐतिहासिक अंतरिक्ष सुधारों को रेखांकित करते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने के परिणामस्वरूप स्काईरूट और अन्य इकाइयां इस तरह के नवाचारों के साथ सामने आई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान में भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र तेजी से उभर रहा है। 300 से ज्यादा अंतरिक्ष स्टार्टअप इस क्षेत्र को नई उम्मीदें दे रहे हैं। उन्होंने कहा, इन्फिनिटी कैंपस भारत की नई सोच, नवाचार और विशाल युवा शक्ति का प्रतिबिंब है। युवाओं का नवाचार, जोखिम उठाने की क्षमता और उद्यमिता नई ऊंचाइयों को छू रही है।

अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी है स्काईरूट

स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस एक अत्याधुनिक केंद्र है, जिसमें लगभग 2,00,000 वर्ग फुट का कार्यक्षेत्र है और बहु-प्रक्षेपण यान के डिजाइन, विकास, एकीकरण और परीक्षण के लिए हर महीने एक आर्बिटल रॉकेट बनाने में सक्षम है। स्काईरूट भारत की अग्रणी निजी अंतरिक्ष कंपनी है, जिसकी स्थापना पवन चंदना और भरत ढाका ने की है, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के पूर्व-छात्र, इसरो के पूर्व वैज्ञानिक और अब उद्यमी हैं। नवंबर 2022 में, स्काईरूट ने अपना सब-ऑर्बिटल रॉकेट, विक्रम-एस का प्रक्षेपण किया, जिससे वह अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी बन गई।

मोदी ने कहा, भारत की निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया में अलग पहचान बना रही है। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण बन रहा है। दुनिया में छोटे उपग्रहों की मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि साइकिल पर रॉकेट के पुर्जे ढोने से लेकर दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्रक्षेपण यान विकसित करने तक भारत ने साबित किया है कि सपनों की ऊंचाई संसाधनों से नहीं बल्कि दृढ़ संकल्प से तय होती है। उन्होंने बदलते समय के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र का विस्तार स्पष्ट है, क्योंकि यह संचार, कृषि, समुद्री निगरानी, शहरी योजना, मौसम पूर्वानुमान और राष्ट्रीय सुरक्षा का आधार बन गया है।

मेडिकल कॉलेजों से जुड़े मामले में 10 राज्यों में ईडी के छापे

नई दिल्ली। ईडी ने बृहस्पतिवार को देश के कुछ मेडिकल कॉलेजों से जुड़े रिश्वतखोरी और नियामक ढांचे में हेरफेर के मामले में दस राज्यों में एक साथ छापेमारी की। मामला राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय समेत कई सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने के आरोपों से संबंधित है।

ईडी ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में 15 स्थानों पर एक साथ छापे मारे। इस मामले में सीबीआई पहले केस दर्ज कर रिश्वत लेने वाले आठ अधिकारियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

आंवला में 36 गोवंशीय पशुओं की हत्या लापरवाही पर 4 पुलिसकर्मी निलंबित

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : आंवला क्षेत्र में गोतस्करों ने गुरुवार को फिर तीन दर्जन गोवंशीय की हत्या कर दी और उनका मांस लेकर फरार हो गए। हिंदू संगठनों के गुस्सा जताने के बाद पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। एसएसपी ने लापरवाही साबित होने पर हल्के के दरोगा, हेड कांस्टेबल और दो पीआरवी कर्मियों को निलंबित कर दिया है।

राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष पवन श्रीवास्तव के मुताबिक गुरुवार की सुबह संगठन के कार्यकर्ता चम्पतपुर गांव निवासी बॉबी चौहान ने सूचना दी कि ढिलवारी गांव में एक खेत के पास कई गोवंशीय पशुओं के अवशेष पडे. हैं। कार्यकर्ताओं के साथ वह मौके पर पहुंचे। वहां खेतों के साथ पास के पक्के तालाब में भी अवशेष पडे.मिले। जिलाध्यक्ष ने दावा किया कि मौके पर करीब 3 दर्जन गोवंशीय पशुओं की हत्या की गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर इस मामले में आठ नामजद और कई अज्ञात गोतस्करों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

- हिंदू संगठनों ने जताया गुस्सा, 8 पर दर्ज कराई एफआईआर
- निलंबित कर्मियों में दरोगा, हेड मोहर्रिर और दो पीआरवी कर्मी

सीओ आंवला नितिन कुमार ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। इसी के साथ एसएसपी ने गोकशी रोकने में लापरवाही बरतने के आरोप में हल्का में तैनात उपनिरीक्षक राजकुमार, मुख्य आरक्षी शमशेर अली, डायल 112 पर तैनात पीआरवी कर्मी मोहम्मद इमरान और पंकज कुमार निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। डायल 112 के चालक होमगार्ड आस मोहम्मद के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिला कमांडेंट होमगार्ड को रिपोर्ट भेजी है।

असम में बहुविवाह अब अपराध दस साल की कैद का प्रावधान

गुवाहाटी। असम विधानसभा ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक बृहस्पतिवार को पारित किया, जिसके तहत इसे अपराध माना जाएगा और कुछ अपवादों को छोड़कर इसके लिए अधिकतम 10 वर्ष की कैद हो सकती है। विधेयक में एसटी श्रेणी के लोगों और छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को कानून के दायरे से बाहर रखा गया है।

असम बहुविवाह निषेध विधेयक, 2025 के पारित किए जाने के दौरान

- मुख्यमंत्री ने कहा- ये कानून धर्म से परे, इस्लाम के खिलाफ नहीं

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह कानून धर्म से परे है और इस्लाम के खिलाफ नहीं है जैसा कि एक वर्ग द्वारा माना जा रहा है।

उन्होंने कहा, हिंदू भी बहुविवाह से मुक्त नहीं हैं। यह हमारी भी जिम्मेदारी है। इस विधेयक के दायरे में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई समेत सभी लोग आएंगे।

प्रदेश में रोहिंग्या-बांग्लादेशियों की पहचान को चलेगा अभियान

लखनऊ। राज्य सरकार ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जारी निर्देश में खासतौर पर बरेली, पीलीभीत, बदायूं और शाहजहांपुर जिलों का जिक्र किया गया है और अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की पहचान को लेकर सर्च अभियान चलाने को कहा गया है।

बीते दिनों मुख्यमंत्री ने घुसपैठियों

- बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत और बदायूं में सर्च ऑपरेशन के निर्देश

की तलाश करके उन्हें वापस भेजने और सत्यापन होने तक हिरासत केंद्र में रखने का निर्देश दिया था। अस्थाई हिरासत केंद्र बनाने के भी निर्देश दिए थे। ताजा निर्देश इसी क्रम में जारी किए गए है। संवेदनशीलता की नजर से बरेली के कमिश्नर और मंडल के सभी डीएम को खासतौर पर इस बारे में निर्देश जारी किए गए हैं।

ब्रीफ न्यूज

वारपोरा में जामिया इस्लामिया इंस्टीट्यूट पर पुलिस का छापा

श्रीनगर। प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े सदस्यों और संगठनों के खिलाफ गुरुवार को की गई कार्रवाई के तहत हंदवारा पुलिस ने वारपोरा में जामिया इस्लामिया इंस्टीट्यूट पर छापा मारा। पुलिस के मुताबिक तलाशी के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, दस्तावेज और रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। ऑपरेशन का मकसद संस्थान के कार्यों की जांच करना और प्रतिबंधित जमात से इसके संभावित जुड़ाव की पुष्टि करना है। पुलिस ने कहा, आतंकवाद के तंत्र को तोड़ने के लिए भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

दिल्ली विस्फोट: मुख्य आरोपी बिलाल वानी 7 दिन की रिमांड पर

श्रीनगर। एनआईए ने गुरुवार को दिल्ली विस्फोट के मुख्य आरोपी जसीर बिलाल वानी को 7 दिन की रिमांड पर ले लिया। दिल्ली की एक विशेष कोर्ट ने वानी को 7 दिन की हिरासत में भेजने का फैसला किया। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड के रहने वाले वानी को एनआईए ने 17 नवंबर को श्रीनगर से गिरफ्तार किया था। एजेंसी का दावा है कि वानी ने आतंकवादी गतिविधियों के लिए ड्रोन में टेक्निकल बदलाव किए और रॉकेट बनाने की भी कोशिश की ताकि उनका इस्तेमाल हमलों में किया जा सके।

हुलिये के साथ धर्म बदला, फिर भी 38 साल बाद पकड़ा गया हत्यारोपी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : भाई की हत्या के आरोप में जेल गया आरोपी पैरोल पर रिहाई के बाद दुबारा जेल जाने से बचने के लिए गायब हो गया। इसके बाद उसने अपना ठिकाना ही नहीं बदला, बल्कि हुलिया और धर्म भी बदल लिया। हाईकोर्ट ने जब इस मामले में सख्ती की तो पुलिस सक्रिय हुई और 38 साल बाद प्रदीप सक्सेना से अब्दुल रहीम उर्फ सक्सेना ड्राइवर बन चुके हत्यारोपी को दबोच लिया। उसे सीजेएम कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

शाही कस्बे के रहने वाले प्रदीप कुमार सक्सेना को 1987 में भाई संजीव सक्सेना की चाकू से गोदकर हत्या के आरोप में जेल भेजा गया था। वह 1989 में पैरोल पर जेल से बाहर आया और इसके बाद लापता हो गया। पुलिस ने कुछ समय तक उसकी तलाश की और फिर हाथ झाड़कर बैठ गई। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए 16 अक्टूबर को आदेश दिया था कि आरोपी को चार सप्ताह के अंदर गिरफ्तार करके सीजेएम बरेली के समक्ष पेश किया जाए। आदेश के बाद एसएसपी अनुराग आर्य ने सीओ नगर प्रथम आशुतोष शिवम की निगरानी में विशेष टीम बनाई। इसके बाद पुलिस ने दोबारा आरोपी की तलाश करते हुए कड़ी से कड़ी जोड़नी शुरू की। परिवार वालों से लेकर परिचितों तक से पूछताछ की गई मगर सबने यही कहा कि सालों से उसे किसी ने नहीं देखा।

इस बीच, साहूकारा में रहने वाले प्रदीप के भाई सुरेश से पुलिस को अहम सुराग मिला। सुरेश ने बताया कि भाई को सालों से नहीं देखा मगर इतना पता चला था कि वह मुरादाबाद में रहकर वह ड्राइवरी कर रहा है। शाही पुलिस मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र के करूला पहुंची तो पता चला कि प्रदीप वहां अब्दुल रहीम उर्फ सक्सेना ड्राइवर के नाम मशहूर है। लोगों ने बताया कि करीब 30 साल से वह यहीं है। ट्रांसपोर्ट नगर मुरादाबाद में पता चला कि अब्दुल रहीम उर्फ सक्सेना ड्राइवर बरेली के लिए निकला है। इसके बाद प्रेमनगर पुलिस ने डेलापीर मंडी से अब्दुल रहीम उर्फ सक्सेना ड्राइवर यानी हत्यारोपी प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया।

- भाई की हत्या का आरोपी पैरोल पर छूटकर हो गया था लापता
- धर्म परिवर्तन कर प्रदीप से बन गया अब्दुल रहीम उर्फ सक्सेना ड्राइवर

पुलिस ने गिरफ्तार किया आरोपी।

35 की उम्र में फरार हुआ, 70 पार पर पकड़ा

प्रदीप सक्सेना के बदले हुलिया चेहरे पर लंबी दाढ़ी और शरीर पर कुर्ता-पायजामा देखकर पुलिस भी हैरान थी। उसे आसानी से पहचानना मुश्किल था। प्रदीप ने पुलिस को बताया कि 1987 में पैरोल पर छूटकर आने के बाद वह कोर्ट की कार्रवाई से बचने के लिए वह पहचान बदलकर रहने लगा। पहचान छिपाने के लिए मजहब की आड़ ली और साल 2002 में अपना धर्म बदलकर प्रदीप कुमार सक्सेना से अब्दुल रहीम बनकर मुरादाबाद में ड्राइवरी करने लगा। जब फरार हुआ था तब उसकी उम्र लगभग 35 साल थी आज वह 70 साल से अधिक का हो चुका है।

उद्गार | मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद के तरुण सागरम् तीर्थ मुरादनगर में गुफा मंदिर का किया शुभारंभ

भारत की परंपरा संतों के त्याग-बलिदान की गाथा

- बोले- राम मंदिर में पूरी दुनिया ने भारत के सनातन वैभव को देखा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की परंपरा संतों, ऋषि-मुनियों व महापुरुषों के त्याग-बलिदान की महागाथा है। भारत के अंदर आज भी पवित्र उपासना विधियां श्रद्धाभाव के साथ कार्य करते हुए इस व्यवस्था को बढ़ा रही हैं।

कहा, तीन दिन पहले अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण कार्य को पूरा करने के महायज्ञ की पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ भगवा ध्वज का आरोहण संपन्न हुआ। देश के साथ पूरी दुनिया ने भारत के इस सनातन वैभव को देखा और अनुभव किया।

सीएम योगी गुरुवार को तरुण सागरम् तीर्थ, मुरादनगर (गाजियाबाद) पहुंचे। उन्होंने यहां पंचकल्याणक महामहोत्सव के अंतर्गत 100 दिन में निर्मित गुफा मंदिर का उद्घाटन किया। योगी ने भगवान पार्श्वनाथ जी और संत तरुण सागर जी महाराज का स्मरण किया। सीएम ने 'मेरी बिटिया' व 'अंतर्मना दिव्य मंगल पाठ' पुस्तक का विमोचन भी किया। योगी ने कहा कि ऋषि-मुनि परंपरा ने जो संदेश दिया है, हम उसे आत्मसात करते हैं तो यह विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज व उपाध्याय मुनि पीयूष सागर जी महाराज की दिनचर्या को देखा। 557 दिन की कठोर साधना, 496 दिन का निर्जल उपवास, तप, अनुशासन व आत्मसंयम का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला है। यह चीजें दिखाती हैं कि यदि हम संकल्प ले लें तो जो कुछ हमें बाहर दिखाई दे रहा है, वह सब कुछ इस शरीर में अनुभव होते हुए भी दिखाई देगा। प्रसन्न सागर जी महाराज की साधना के माध्यम से यह देखने व अनुभव करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तरुण सागरम् तीर्थ में गुफा मंदिर का किया शुभारंभ।

जेवर में निर्माणाधीन एयरपोर्ट देखने पहुंचे

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गौतम बुद्ध नगर के जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने शीघ्रातिशीघ्र सिक्योरिटी क्लियरेंस प्राप्त करने के साथ संबंधित एजेंसियों को उद्घाटन समारोह की तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने पाया कि एयरपोर्ट को अभी तक एयरोड्रम लाइसेंस प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने निर्देश दिया कि ब्यूरो आफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी और सीआईएसएफ अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर सभी सुरक्षा मानक तत्काल पूरा किए जाएं।

अमृत विचार

बरेली , शुक्रवार,28 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

एसआईआर फार्म को लेकर ग्रामीण-बीएलओ आमने-सामने

बहेड़ी, अमृत विचार : गिरधरपुर गांव में एसआईआर फार्म सत्यापन को लेकर ग्रामीण और बीएलओ के बीच विवाद की स्थिति पैदा हो गई। घटना मतदाता सूची सत्यापन प्रक्रिया को लेकर हुई। ग्रामीण सद्दाम हुसैन ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपना एसआईआर फॉर्म ऑनलाइन भरा था लेकिन बीएलओ ने उसे स्वीकृत नहीं किया। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस होने लगी। बीएलओ रमन पाल का कहना है, कि संबंधित फार्म उनके पोर्टल पर दिखाई नहीं दे रहा हैइससे उसे अप्रूव करना संभव नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि तकनीकी खामियों के कारण मतदाता सूची में सही जानकारी अपडेट नहीं हो पा रही है।

एफसीआई मजदूर की दुर्घटना में मौत

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : ट्यूलिया अंडरपास के पास बुधवार देर रात परसाखेड़ा एफसीआई गोदाम से मजदूरी करके गांव रहपुरा जागीर निवासी बाबूराम (55) बुधवार रात टेम्पो से घर लौट रहे थे। झुमका तिराहे के पीछे टेम्पो बाइक को बचाने के चक्कर में पलट गया वह उसके नीचे दब कर गंभीर घायल हो गये। ईलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

कुंडे पर फंदा लगाकर युवक ने की आत्महत्या

मकान से मिलीं शराब की भरी बोतलें,भाई ने रंजिश से किया इंकार

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी,

- **पिता का आठ साल पहले निधन मां 15 साल पहले छोड़ चली गई**

अमृत विचार : गांव बल्लियां पश्चिमी में बुधवार देर रात एक युवक ने कमरे में छत के कुंडे पर फंदा लगाकर जान दे दी।ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। युवक घर में अकेला था। मौके से शराब के क्वार्टर पुलिस ने बरामद किए है।

पुलिस के मुताबिक गांव बल्लियां पश्चिमी निवासी सुनील कुमार(22) ने बुधवार देर रात कमरे की छत के कुंडे से फंदा लगाकर जान दे दी। उसके पिता का आठ साल पहले निधन हो गया है। मां 15 साल पहले ही परिवार को छोड़कर चली गई है। भाई पंकज लुधियाना में रहता है। बहन मामा के घर रहती है। घर में कोई परिजन नहीं होने के कारण ग्रामीणों की सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक कुमार की अगुवाई में पहुंची फोर्स ने शव को उतारकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। कमरा अंदर से बंद नहीं था। फील्ड यूनिट की टीम ने भी जांच पड़ताल की है। घटना स्थल से पुलिस को दो शराब क्वार्टर मिले है। पुलिस मामला संदिग्ध बता रही है। चर्चा है कि यदि युवक को फांसी लगानी थी तो उसने कमरा अंदर से बंद क्यों नहीं किया। शराब का आदी था लेकिन क्वार्टर शराब से भरे हुए मिले है। लुधियाना से पहुंचा उसका भाई किसी से रंजिश होने की बात से इनकार कर रहा है।

दबंगों ने कब्जाई जमीन, दो पक्षों में चलीं लाठियां रिपोर्ट दर्ज

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : कोर्ट का आदेश होने के बाबजूद दबंग के द्वारा कब्जाई जमीन नहीं छोड़ने को लेकर दोनों पक्षों में लाठी डंडे चलने से दोनो पक्षों के लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनो तरफ से रिपोर्ट दर्ज कर ली है।गांव रहपुरा जागीर निवासी डोरीलाल ने बताया गांव में उनकी जमीन के कुछ हिस्से पर चाची सुखदेवी और उनके बेटों ने कब्जा कर लिया। जिसको लेकर वह कोर्ट चले गए। कोर्ट ने उनके पक्ष में आदेश कर दिया। इसके बाबजूद उनकी चाची और उनके लड़कों ने खेत का कब्जाया गया हिस्सा नहीं छोड़ा। इसको लेकर कई बार वार्ता भी हुई लेकिन बात नहीं बनी और विवाद शांत नहीं हो सका। गुरुवार को वही विवाद अचानक बढ़ गया।

बेटियां जनने पर निकाला, छह लोगों पर रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : दहेज लोभियों ने बेटियां जनने पर महिला को घर से निकाल दिया। इससे पहले कई बार गर्भ में भ्रूण की जांच करवा कर गर्भपात करके भ्रूण हत्या करवाई। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

आरए बाजार निवासी बरखा कोहली पुत्री स्वर्गीय राजकुमार ने बताया, कि उसकी शादी फर्रुखाबाद निवासी चनजीत कोहली के साथ 9 साल पहले हुई थी। महिला ने एक बेटी को जन्म दिया। बेटी पैदा होते ही ससुराल वाले ज्यादा प्रताड़ित करने लगे।

महिला कई बार गर्भवती हुई। गर्भ में ही भ्रूण जांच करवा कर तथा जांच में बेटी होने पर गर्भपात कराकर भ्रूण की हत्या करवा देते। महिला ने दूसरी बेटी को जन्म दिया। इसके बाद उपरोक्त ससुराल वालों ने महिला को पीटकर तथा 10 लाख रुपए की मांग करते हुए घर से निकाल दिया। महिला ने मामले की शिकायत की एसएसपी के आदेश पर कैंट पुलिस ने पति चनजीत, सास बीना, देवर जयसपाल उर्फ जस्सी, गीता, रेनू व सूरी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पहले भी आ चुके गौकशी के मामले

थाने में शिकायत लेकर पहुंचे हिंदू संगठन के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

घटनास्थल पर छानबीन करते पुलिस अधिकारी।

संवाददाता, आंवला

- **घटनास्थल के पास ही देर रात तक लगता है ठेला, खड़ी रहती है पीआरवी**
- **लगातार हो रही घटनाओं से हिन्दू संगठनों ने जताया रोष**

अमृत विचार : आंवला रामनगर रोड से रेवती गांव को जाने वाले मार्ग पर 87 दिन पूर्व एक सितंबर को 7 से 8 गौवंश की हत्या कर तस्कर मांस लेकर फरार हो गये थे। अवशेष मिलने पर हिंदू संगठनों ने घटना का विरोध जताया था। पुलिस ने राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष की ओर से अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी।

राष्ट्रीय बजरंग दल जिलाध्यक्ष पवन श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि गुरुवार को हुई घटनास्थल के कुछ दूरी पर सड़क किनारे रेवती गांव निवासी शहजादे देर रात तक ठेला लगाता है और वहीं 112 पुलिस की गाड़ी खड़ी होती है। बताया कि घटनास्थल के पास 45 से 50 गोवंश रहते थे। अब मात्र 10 बचे हैं। लगातार हो रही गोवंश की हत्याओं से हिन्दु संगठनों में रोष है। उन्होंने इसे पुलिस की निष्क्रिता से घटनाएं होना बताया है।

इन गोतस्करों के खिलाफ दर्ज की गई रिपोर्ट

पुलिस ने इस्लाम, साविर निवासी चम्पतपुर, नन्हे चौधरी, आसिफ, नसरुद्दीन निवासी रेवती, आसिफ, बबूआ निवासी फूटा दरवाजा कस्वा आंवला, सुल्तान निवासी बिसौली अड्डा कस्वा आंवला, और लक्ष्मीपुर थाना बिसौली जिला बदायूं, ग्राम महमूदपुर, मऊचन्दपुर, रेवती, मनौना, केसरपुर थाना सिरौली के अज्ञात गौतस्करों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

पेड़ काटे , दी धमकी शिकायत करोगे तो मार देंगे

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम सैदूपुर में जमीन को लेकर पुरानी रंजिश ने एक बार फिर हिंसक रूप ले लिया। हरिनंदन की 5 बीघा खाली भूमि में लगाए गए यूकेलिप्टस के लगभग 1 वर्ष पुराने 100 पेड़ों को बीती रात काट दिया गया। पता करने पर पेड़ काटने वालों से विरोध जताया तो आरोपी आग बबूला हो गये और उन्होंने धमकी दी है कि बचे पेड़ भी काट लेंगे कहीं शिकायत की तो जान से मार देंगे। हरिनदंन ने मामले की नामजद रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

पेड़ों में आग लगाने का विरोध किया तो घर पर धावा

सिरौली, अमृत विचार : खेत में खड़े यूकेलिप्टस के पेड़ों में गांव के लोगोंने नुकसान पहुंचाने के लिए उसमें आग लगा दी। इसका विरोध करने पर आरोपी तमंचा लेकर घर पर घुस आए। शोर मचाने पर पड़ोसियों के पहुंचने पर वह लोग भाग गये। धर्मपुरा गांव के मुनेश कुमार ने एसएसपी को दिए पत्र में बताया कि पृथ्वीपुर में खेत में लिपटिस के दो सौ पेड़ खड़े थे। गांव के ही गंगा सहाय,अनुज ने उन्हें नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से उसमें आग लगा दी जब वह खेत पर गए और आग लगाने का कारण पूंछा तब उनके साथ गाली गलौज की गई। इसके बाद यह लोग तमंचे लाठियां लेकर उनके घर पर चढ़ आए। आरोप है कि वह 23 नवंबर को थाने में शिकायत की। उन्होंने जानमाल का खतरा बताया है।

हरिनंदन ने बतायाकि बीती रात उसके पांच बीघा खेत में एक साल पहले लगाए 200 में से 100 पेड़ों को काट दिया। सुबह घटना की जानकारी होने पर आरोपियों की तलाश शुरू की तो पता चला कि पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही चेतराम और राजकुमार निवासीगण सैदूपुर ने उसके बाग के पेड़ काटे हैं। जब हरिनंदन ने उनसे पेड़ काटने का कारण पूछा तो दोनों आरोपी आग बबूला हो गए और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। आरोप है कि उन्होंने कहा, अभी तो सौ पेड़ काटे हैं, बाकी भी जल्दी काट देंगे, जो करना है कर ले। ज़्यादा शिकायत की तो तुझे भी पेड़ की तरह काट देंगे। सरेआम मिली धमकी से भयभीत होकर हरिनंदन ने अपनी जान-माल को खतरा बताते हुए थाने में शिकायत दी। कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव ने जांच शुरू कर दी है।

धोपेश्वर नाथ में विश्रामगृह का लोकार्पण

संवाददाता, कैंट

अमृत विचार : धोपेश्वर नाथ मंदिर परिसर में नवनिर्मित यात्री विश्रामगृह का लोकार्पण गुरुवार को प्रधान निदेशक रक्षा मंत्रालय मध्य कमान भावना सिंह एवं कैंट विधायक संजीव अग्रवाल के द्वारा सामूहिक रूप से फीता काटकर किया गया।

भावना सिंह ने कैंट विधायक एवं पर्यटन विभाग का आभार जताते हुए कहा, कि यह विश्राम गृह न केवल यात्रियों को सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि छावनी क्षेत्र के पर्यटन एवं सांस्कृतिक महत्व को भी नई दिशा देगा। कैंट विधायक ने बताया कि सरकार पूरे देश में धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासतों के संरक्षण और विकास हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कहा कि बरेली नाथ नगरी के समग्र विकास और एवं जन सेवा हेतु निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। विधायक व प्रधान निदेशक ने कैंट बोर्ड की सीईओ डा. तनु जैन के द्वारा इतने कम समय में दिए गए दूरदर्शी सोंच, निर्णय एवं परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने हेतु सतत प्रयासों एवं परिश्रम को सराहनीय एवं उल्लेखनीय बताया।सीईओ ने कहा कि यात्री विश्रामगृह केवल एक भवन नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक भावना और जन सुविधा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। इस अवसर पर शिल्पा ग्वाल रक्षा संपदा अधिकारी,कैंट बोर्ड सदस्य डॉ वैभव जायसवाल, अशोक गोयल, श्रीधर शुक्ला,आदि रहे।

अतिथि विश्राम गृह का उद्घाटन करती भावना सिंह व विधायक संजीव अग्रवाल।

78 आपरेटरों को दो माह से नहीं मिला वेतन

आंवला, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के 78 पम्प आपरेटरों ने कम्पनी अधिकारियों पर दो माह से वेतन न देने का आरोप लगाकर एसडीएम विदुषी सिंह के कार्यालय में शिकायती पत्र सौंपा है।

तहसील क्षेत्र के गांवों में जल निगम द्वारा बनवाए गये ओवरहेड टैंक पर कार्यरत पम्प आपरेटरों ने बताया कि वह लोग कंट्रक्शन कंपनी में वर्ष 2021-से काम कर रहे हैं। बीते दो माह से कम्पनी की ओर से उन्हें वेतन नहीं दिया है। शिकायती पत्र में एलकार गौतम, दिनेश, अरुण कुमार, राधेश्याम, मानसिंह, निरंजन कुमार, विपिन कुमार, दयाशंकर, पुष्पेंद्र, अमरपाल, अभिषेक सिंह, भानुप्रताप, सुनील वर्मा, सुरेन्द्र पाल, हरिओम आदि लोगों के नाम दर्ज हैं।

सभासद को पकड़ा, मंत्री के निर्देश पर छोड़ा

आंवला, अमृत विचार बूथ निरीक्षण के दौरान एडीएम प्रशासन और नगर पालिका के सभासद के बीच कहासुनी के बाद पुलिस ने सभासद को हिरासत में ले लिया। जानकारी पर नगर पालिका चेयरमैन एवं अन्य सभासद थाने पहुंचकर विरोध जताने लगे। कैबिनेट मंत्री तक मामला पहुंचने पर उनके निर्देश पर पुलिस ने सभासद को छोड़ दिया। वार्ड संख्या 9 के सभासद राधेश्याम मौर्य ने बताया कि गुरुवार को वह नगर पालिका कार्यालय पहुंचे थे। तभी अधिशासी अधिकारी ने उन्हें बूथ पर बुलाया। वे जब वहां पहुंचे तो एक महिला अधिकारी मौजूद थीं। उन्होंने सभासद से बीएलओ का सहयोग न करने की शिकायत की। यह सुनकर महिला अधिकारी नाराज हो गईं और पुलिसकर्मियों से सभासद को थाने भेजने के निर्देश दे दिए। बाद में पता चला कि वह महिला अधिकारी एडीएम बरेली थीं। सूचना पाकर नगरपालिका चेयरमैन सैय्यद आबिद अली, पूर्व चेयरमैन संजीव सक्सेना, सचिन गुप्ता, संजय अग्रवाल उर्फ बॉबी, दिनेश मौर्य, प्रवीन सिंह, रामपाल गुप्ता, राम बहादुर, रामवीर प्रजापति आदि थाने पहुंच गए और कार्रवाई का विरोध किया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सभासदों का अपमान निंदनीय है। मामले की जानकारी कैबिनेट मंत्री तक पहुंची तो उन्होंने अधिकारियों से नाराजगी जताते हुए सभासद को तत्काल रिहा करने के निर्देश दिए।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

वेदांशी निधि लिमिटेड, बदायूं में यदि आपका कोई खाता है तो भुगतान हेतु एक माह के भीतर सदस्यता रसीद, पासबुक और मूल जमा रसीदें कार्यालय में जमा करें। एक महीने बाद कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा और कम्पनी को बन्द कर दिया जायेगा। -प्रबंधक

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमने अपने पुत्र राहुल गुप्ता व उसकी पत्नी श्रीमती श्रेया गुप्ता को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। हमारा व हमारे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **प्रमेन्द्र नाथ गुप्ता व श्रीमती कल्पना गुप्ता निवासीगण 15 जवाहर नगर जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अजीम को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **रेहाना पत्नी मो. नफीस निवासी मोहल्ला 238 स्वालेनगर, नवदिया थाना किला तह. व जिला बरेली।**

आवश्यकता है

दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की

संपर्क करें

कंपटीशन बुक हाउस कॉलेज बुक हाउस

5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट बरेली

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

कहासुनी को लेकर मारपीट, मुकदमा दर्ज

भमोरा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम कैमुआ में पुरानी कहासुनी को लेकर एक महिला पर लाठी-डंडों से हमला किया गया। इस हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। ग्राम कैमुआ निवासी कुसुम पत्नी नेमचंद्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 22 नवंबर की दोपहर करीब 12:30 बजे वह चारा लेकर घर लौट रही थी। तभी गांव की हरप्यारी पत्नी नरेश ने उसे रास्ते में रोक लिया और पुरानी कहासुनी को लेकर गाली-गलौज करने लगी। कुसुम के विरोध करने पर हरप्यारी, उसके पति नरेश और उनके बच्चों ने मिलकर उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई।

बाइक की टक्कर से दो घायल, चालक फरार

नवाबगंज, अमृत विचार : रास्ते में खराब हुई बाइक को किनारे लगाकर देख रहे देवर भाभी को तेज रफ्तार आई बाइक ने टक्कर मार दी। इससे दोनों घायल हो गये। टक्कर मारकर बाइक सवार फरार हो गया है। ग्राम लावा खेड़ा तालिब हुसैन निवासी राजेश कुमार शाम को अपनी भाभी के साथ बाइक से नवाबगंज जा रहे थे। चंदुआ-चमरुआ पुलिया के पास उनकी बाइक खराब हो गई तो दोनों सड़क के किनारे कच्चे में खड़े होकर बाइक को देखने लगे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आई बाइक ने उन दोनों के टक्कर मार दी। हादसे में राजेश और उनकी भाभी गंभीर रूप से घायल हो गई। उनके पैर की हड्डी टूटी है। दुर्घटना के बाद आरोपी बाइक सवार मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने घायलों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें बरेली रेफर कर दिया गया। लोगों ने फरार बाइक का नंबर भी नोट कर लिया।

चोरी से खेत की मिट्टी बेचने पर मुकदमा

शीशगढ़, अमृत विचार : ग्रामीण ने अपने सगे भाई पर चोरी से खेत की मिट्टी बेचने का आरोप लगाकर पुलिस से शिकायत की है। पुलिस मुकद्दमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कस्बा निवासी असलम ने बताया कि उनके व भाई के बीच पुश्तैनी जमीन का बटवारा हो चुका है। पीड़ित ग्रामीण ने आरोप लगाया है कि उनके भाई शखावत ने उन्हें बिना बताए उनके हिस्से के खेत की मिट्टी बेच दी। मिट्टी बेचने का पता चलने पर पीड़ित ग्रामीण ने विरोध किया। विरोध करने पर सदाकत, इंजमाम, रिफाकत ने गालियां देकर पिटाई कर जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया।

बिना लाइसेंस चल रहा अस्पताल,पशुओं को खतरा

झोलाछाप पर उठे सवाल तो सीवीओ ने थाना प्रभारी को भेजा पत्र

संवाददाता, नवाबगंज/हाफिजगंज

- सेंथल के पशु चिकित्साधिकारी को जांच के निर्देश

अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम टांडा शाहदात में बिना पंजीकरण और वैध लाइसेंस के संचालित किए जा रहे एक पशु चिकित्सालय एवं मेडिकल स्टोर का मामला सामने आया है, इस संबंध में इनायत हुसैन निवासी वस्ती सेथल, टांडा शाहदात ने पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. धीरज पाल गंगवार को शिकायत सौंपी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उक्त पशु चिकित्सालय में बिना किसी सरकारी पंजीकरण व लाइसेंस के खुलेआम दवाइयों का विक्रय एवं पशुओं का इलाज किया जा रहा है, जिससे पशुओं के स्वास्थ्य और पशुपालकों की आजीविका पर खतरा मंडरा रहा है। मामले में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने सेंथल के पशु चिकित्साधिकारी को जांच के निर्देश देते हुए थाना प्रभारी को समन्वय बनाकर जांच करने को पत्र भेजा है।

शिकायतकर्ता ने कहा है कि 18 मार्च को विभाग द्वारा झोलाछाप के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

शिकायतकर्ता इनायत हुसैन ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरेली, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी और थाना प्रभारी हाफिजगंज को भी लिखित प्रार्थना पत्र भेजकर निष्पक्ष जांच एवं विधिक कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि बिना डिग्री व लाइसेंस के पशुओं का इलाज कानूनन अपराध होने के साथ-साथ पशुओं की जान के लिए भी घातक हो सकता है। इस में डॉ. जिलानी ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि वह डिग्री होल्डर डॉक्टर हैं । कुछ लोग उनके पीछे बेवजह पड़े हैं। अपने सभी दस्तावेज विभाग के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

मुख्य पशुचिकित्साधिकारी मनमोहन पांडेय ने सेंथल के पशु चिकित्साधिकारी को मामले की जांच के निर्देश दिये हैं।

विवाद को देख रही महिला पर हमला कर किया घायल

नवाबगंज, अमृत विचार : घटना किसी और के विवाद की थी, लेकिन गुस्से का शिकार एक बेगुनाह महिला बन गई, मारपीट में दरवाजे पर खड़ी महिला को ही घसीटकर पीट दिया गया। इससे पीड़िता और परिवार सदमे में है।

थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़िया भीकमपुर में मेहमानी में आई चमन कुमारी ने बताया हैकि वह कुछ दिनों से अपने मायके में थी। गुरुवार सुबह पड़ोसी बाबूराम उर्फ हरीश का अपने चचेरे भाई राजू के परिवार से झगड़ा चल रहा था। वह अपने दरवाजे पर खड़ी होकर केवल स्थिति को देख ही रही थी, तभी बाबूराम, जयप्रकाश, मुन्ना उर्फ गुड्डू तथा उनकी मां नन्ही देवी ने उसे गालियां देना शुरू कर दिया। आरोपियों ने उसे खींचकर लाठी-डंडों व ईंट-पत्थरों से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। उसे बचाने बहन, पिता मदन गोपाल और मां रुकूम देई को भी बुरी तरह पीट दिया

दो घरों के ताले काटकर लाखों की चोरी

संवाददाता, शीशगढ़

अमृत विचार : बीती रात्रि थाना शीशगढ़ के ग्राम नरसुआ में दो घरों को अज्ञात चोरो ने निशाना बनाया। चोर दोनों मकानो के ताले काटकर लाखों के ज़ेवर, बर्तन, कीमती कपड़ों के साथ हजारों रुपए की नगदी ले गए। गृहस्वामी परिवार सहित रुद्रपुर में रहकर नौकरी करते हैं। गृहस्वामी ने पुलिस को तहरीर दी है।

पीड़ित हरीश बाबू पुत्र प्रेमराज ने बताया कि वह पत्नी व बच्चों के साथ रुद्रपुर (उत्तराखंड) की एक कम्पनी में काम करता है। बीती रात्रि अज्ञात चोरो ने घर के ताले काटकर संदूक में रखे ज़ेवर सोने की चैन, झुमकी, झाले, दो अंगूठी व चांदी की दो जोड़ी जेवरी, गुच्छा बिछुआ, बर्तन व दो हजार रूपए की नगदी आदि चोरी कर लिया।पिता गाँव में ही दूसरे मकान में रहते हैं। जिन्होंने मकान के ताले टूटे देखकर सूचना दी।

दूसरे पीड़ित होमगार्ड समीर खान पुत्र शब्बीर खान ने बताया कि वह रुद्रपुर में होमगार्ड की नौकरी करते हैं।वहीं किराए का कमरा लेकर रहते हैं। हफ्ते में गाँव आता जाता रहता है। बीती रात्रि चोरो ने बन्द घर के ताले काटकर एक सोने का पैडिल, चांदी के ज़ेवर, कीमती कपड़े व बर्तन चोरी कर लिए।

एक माह में चार घरों के ताले टूटे

नरसुआ गाँव में एक माह के भीतर चार बन्द घरों के ताले टूटने से ग्रामीण दहशत में है।इससे पहले 28 अक्टूबर की रात्रि चोर गाँव के ही बलबीर व कंचनवती के मकानों के ताले काटकर लाखों के ज़ेवर व नगदी चोरी कर चुके हैं।दोनों घटनाओ का अब तक पुलिस खुलासा भी नहीं कर पाई हैं अब फिर दो घरों में फिर चोरी की घटना को चोरो ने अंजाम दे दिया।

बेहटा बुजुर्ग गांव में चोरी, रिपोर्ट दर्ज

बिशारतगंज : बेहटा बुजुर्ग गांव में बीते सोमवार की रात हुई चोरी के मामले में पीड़ित चुन्ना खां ने पुलिस को तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि वह रात में अपने कमरे में सो रहे थे, तभी अज्ञात चोर उनके कमरे से मोबाइल फोन चोरी कर ले गए। उन्होंने बताया कि पास ही दूसरे कमरे में सो रहे छोटे भाई के कमरे से चोर संदूक उठा ले गए, जिसमें कुछ रुपये और जेवर रखे थे। सुबह जागने पर चोरी का पता चला तो तलाश के दौरान पीड़ित का संदूक पास के खाली प्लॉट में पड़ा मिला, जिसमें से नकदी और सामान गायब था। पुलिस ने मौके का मुआयना कर अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है।

ब्राह्मण समाज पर अभद्र भाषा का प्रयोग, जांच के आदेश

फरीदपुर,अमृत विचार : ब्राह्मण समाज के लिए आपत्तिजनक भाषा में वीडियो पोस्ट करने के मामले में फरीदपुर पुलिस को मामले में जांच के निर्देश दिए। ग्राम सिंसैइया मगनपुर निवासी बंटी सागर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो बनाया जिसमें डा. अंबेडकर का फोटो दिखाते हुए अभद्र भाषा बोलते हुए ब्राह्मण को समर्पित किया है इस पर ब्राह्मण समाज में रोष व्याप्त है।

विवाहिता को घर से निकाला, सात पर मुकदमा

संवाददाता, भमोरा

अमृत विचार : दहेज में सोने की चेन की मांग पूरी न होने पर ससुरालीजनों ने विवाहिता को पीटकर घर से निकाल दिया।

पुलिस ने पति सहित सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

थाना क्षेत्र के गांव सिंघा निवासी अनीता देवी ने बताया कि चार साल पहले उनका विवाह थाना क्षेत्र के कोठा मक्खन गांव निवासी संजीव कुमार के साथ हुआ था। कुछ महीने बाद से ही उन्हें कम दहेज लाने को लेकर ताने दिए जाते थे और विरोध करने पर गाली-गलौज व मारपीट की जाती थी।

आरोप है कि कुछ माह पहले पति संजीव कुमार ने जहरीला पदार्थ खिला दिया था। वह कई दिन तक अस्पताल में भर्ती रहीं। एक महीने पहले पति ,ससुर हरिप्रसाद, सास ज्ञानवती,नंद रीना,किरन, सावित्री व देवर सुनील कुमार ने दहेज में सोने की चेन की मांग को लेकर उन्हें और मारपीट कर बेटे के साथ घर से बाहर निकाल दिया। पुलिस ने सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

महिला ने देवरों पर मारपीट का मुकदमा कराया

सिरौली, अमृत विचार : घर में अकेली महिला देखकर देवर घर में घुस गये और अश्लीलता करने लगे। विरोधकरने पर युवकों ने पीट दिया शोर मचा तो सास आ गई और उन्होंने देवरों के चंगुल से बचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने पुलिस को बताया कि वह घर में अकेली रहती है पति कोलकाता में मजदूरी करते हैं। इसके चलते उनके देवर गुड्डू ,और मोनिश गलत नीयत से घर में घुस आए और उसके अश्लीलता करने लगे। विरोध किया तो दोनों ने पीट दिया। शोर मचाने पर महिला की चचिया सास आ गई तो उन्होंने उसे बचाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कराकर कारवाई की बात कही है ।

बीएलओ प्रगति की समीक्षा, तेजी लाने के निर्देश

आंवला, अमृत विचार: विधानसभा आंवला में एसआईआर के तहत सबसे कम प्रगति वाले बीएलओ की अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह ने समीक्षा की और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। एडीएम ने संबंधित बीएलओ से बूथवार प्रगति की जानकारी लेते हुए समयबद्ध लक्ष्य पूरा करने पर जोर दिया और उन्हें प्रोत्साहित किया।

बैठक में एडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एसआईआर कार्य को प्राथमिकता पर लेकर शिथिलता बरतने वाले बीएलओ के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर उप जिलाधिकारी आंवला विदुषी सिंह, तहसीलदार आंवला ब्रजेश कुमार वर्मा, नायब तहसीलदार दीप्ति पाल, खंड शिक्षा अधिकारी रामनगर, मझगवां और आलमपुर जाफराबाद मौजूद रहे। अमन वर्मा और खंड विकास अधिकारी रामनगर तथा अन्य लोग मौजूद रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने पर बीएलओ सम्मानित

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन बीएलओ को एसडीएम ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। गुरुवार को एसडीएम आलोक कुमार, नायब तहसीलदार अरविंद कुमार ने उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रशंसा कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इसमें प्राथमिक विद्यालय गनेशपुर के रामविलास, रोजगार सेवक, प्राथमिक विद्यालय पहाड़पुर के अनुज कुमार सिंह, शिक्षामित्र, कम्पोजिट विद्यालय नगरिया सोबरनी, मोहित शंखधार, सहायक अध्यापक है।

बताया कि मीरगंज विधानसभा के प्राथमिक विद्यालय गनेशपुर पर बूथ संख्या 54 पर तैनात रामविलास द्वारा 1420 मतदाताओं वाले बूथ पर सबसे अधिक 1128 गणना पत्रों की फीडिंग की गयी है, अनुज कुमार सिंह एवं मोहित शंखधार द्वारा

मीरगंज के बीएलओ सम्मानित।

आयोग द्वारा निर्धारित विशेष गहन पुनरीक्षण की निर्धारित तिथियों के पूर्व ही अपने बूथ के सभी गणना प्रपत्रों की फीडिंग कर शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसके अलावा सुपरवाइजर क्षेत्र में गणना पत्रों की फीडिंग 50 प्रतिशत से कम कराने वाले 05 सुपरवाइजरों को फटकार लगाते हुए चेतावनी दी । इनमें अरूणोदय पाराशरी, आदित्य कुमार, विकास सागर, हरीश कुमार, अभिषेक पटेल लेखपालों को फीडिंग में सुधार कराने हेतु चेतावनी दी।

दैनिक अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

गुप्ता पैकर्स

मिठाई डिब्बा, भाजी बॉक्स, मिठाई कटोरी, आइसक्रीम प्लेट, डोंगे, चाऊमीन प्लेट आदि के निर्माता

राजीव गुप्ता डायरेक्टर 9412288098

सूर्यांश गुप्ता डायरेक्टर 7983420848

268, निकट बिहारीपुर कसगरान मठिया, बरेली

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने खनन में लगे कई वाहन सीज किए

अवैध वाहनों के साथ मौजूद ज्वाइंट मजिस्ट्रेट। ● अमृत विचार

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार: अवैध खनन पर शिकंजा कसने के लिए प्रशासन ने बुधवार तड़के बड़ी कार्रवाई की। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ईशिता किशोर के नेतृत्व में सुबह 4 से 7 बजे तक तहसील क्षेत्र में उत्तराखंड-उत्तर प्रदेश सीमा पर विशेष अभियान चलाया । लंबे समय से नदी किनारे बसे नारायण नगला में चल रहे अवैध खनन की शिकायतों के बाद टीम ने अचानक छापेमारी की और मौके से एक ट्रॉली, चार डनलप व एक पिकअप वाहन कब्जे में लिए। वाहनों को सीज कर खनन विभाग को आगे की विधिक कार्रवाई हेतु अवगत करा दिया गया है।

अभियान में तहसीलदार भानु प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार दिवाकर सिंह और लेखपाल हिमांशु गौड़ भी मौजूद रहे। तीन घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान खनन से जुड़ी गतिविधियों की गहन जांच की गई।

अलीगंज में सप्त शक्ति संगम का भव्य आयोजन

अलीगंज, अमृत विचार : सरस्वती शिक्षा/विद्या मंदिर हरिनगर में बुधवार को सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम किया गया। इसकी अध्यक्षता ऊषा सतीजा ने की। मुख्य अतिथि आरती यादव तथा मुख्य वक्ता दीपा काला रहीं। इस अवसर पर लगभग 300 माता-बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और विभिन्न सांस्कृतिक एवं प्रबोधनात्मक गतिविधियों से कार्यक्रम को सफल बनाया।

विधायक ने वित्तमंत्री का किया अभिनंदन

सर्किट हाउस पर कैंट विधायक ने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का स्वागत किया।

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सर्किट हाउस पहुंचने पर गुरुवार को वित्तमंत्री सुरेश खन्ना का कैंट विधायक एवं भाजपा प्रदेश सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल समेत अन्य भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। इस दौरान वित्तमंत्री ने विधायक से बरेली में हो रहे विकास कार्यों के संबंध में जानकारी ली। एसआईआर पर चर्चा की। इस अवसर पर अनुपम कपूर, अतुल कपूर, डॉ विनोद पागरानी, सोनू कालरा, अमरीश कठेरिया, अशोक ठाकुर एवं महेंद्र मौजूद रहे।

HAYATT

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

★ Latest Fashion ★ Latest Styles

HAYAAT RETAILS

● MENS WEAR
● LADIES WEAR
● KIDS

60% OFF

E Block Butler Plaza, Civil Lines Bareilly 243001 (U.P.)

+91 7505327044

दैनिक अमृत विचार के

6वें स्थापना दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

SIL

Superior Industries Limited

मनोज अग्रवाल

डायरेक्टर

रामपुर रोड, सी.बी. गंज, बरेली

अपमानजनक टिप्पणी के आरोप में सपा प्रवक्ता पर मामला दर्ज

लखनऊ, एजेंसी: समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रवक्ता मनोज कुमार यादव पर एक टेलीविजन चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। यह मामला हिंदू रक्षा सेना के राष्ट्रीय संयोजक राघवेंद्र सिंह राजू की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यादव ने मुख्यमंत्री, हिंदू संगठनों के नेताओं और सवर्ण समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत तथा भाजपा प्रवक्ताओं को धमकियां दीं।

सात सौ किलो दूषित पनीर किया दफन

हरिद्वार। यूपी-उत्तराखंड बॉर्डर पर मंगलौर पुलिस ने गुरुवार करीब 700 किलो दूषित पनीर बरामद कर उसे दफन कर दिया। पुलिस के अनुसार, यह पनीर देहरादून में विवाह-समारोहों के लिए सप्लाई किया जा रहा था। यह पनीर बिना नंबर प्लेट वाले वाहन में ले जाया जा रहा था।

परिवहन करने वालों के पास न तो कोई बिल मौजूद था और न ही फूड सेफ्टी सर्टिफिकेट। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा की गई प्राथमिक जांच में पनीर को मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया।

उत्तराखंड में भी बड़ी संख्या में मौजूद हैं घुसपैठिये

सरकार चला रही है व्यापक अभियान : पुष्कर धामी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को कहा कि उत्तराखंड में भी घुसपैठियों की बड़ी संख्या मौजूद है और उनकी सरकार घुसपैठियों की पहचान के लिए बड़े स्तर पर अभियान चला रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने यह बात गुरुवार को अपने नैनीताल दौरे में पत्रकारों से बातचीत में कही। मुख्यमंत्री बुधवार शाम को दो दिवसीय दौरे पर नैनीताल पहुंचे थे। गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री सरोवर नगरी की सैर पर निकले। उन्होंने लोगों से मुलाकात की और फीडबैक भी लिया। इस दौरान उन्होंने बिहार चुनाव को अप्रत्याशित बताते हुए कहा कि जहां-जहां भी विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, वहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) या राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बन रही है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल लंबे समय से तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति करते आए हैं और चुनाव के लिए झूठी कहानी गढ़ रहे हैं। जनता विपक्षी दलों की इस राजनीति को समझ चुकी है और विकास के मॉडल पर अपनी मुहर लगा रही है। मुख्यमंत्री ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर अपनी सहमति देते हुए कहा कि उत्तराखंड में भी घुसपैठियों की बड़ी संख्या मौजूद है और यहां की डेमोग्राफी के लिए खतरा बनती जा रही है।

उन्होंने कहा कि इन लोगों ने आधार कार्ड, वोटर कार्ड के साथ ही अन्य दस्तावेज भी बना लिए हैं। कहा कि घुसपैठियों की पहचान के लिए उनकी सरकार बड़े स्तर पर अभियान चला रही है। पिछले दस साल के रिकॉर्ड को खंगाला जा रहा है और जांच कर इनकी पहचान की जा रही है।

निर्माणाधीन नाले में भरे पानी में गिरकर बच्चे की मौत

कार्यालय संवाददाता,संभल

- ठेकेदार की लापरवाही से अधूरा पड़ा था नाला

अमृत विचार : बहजोई थाना क्षेत्र में जिला पंचायत द्वारा बनाए जा रहे निर्माणाधीन नाले में गिरकर तीन साल के बच्चे की मौत हो गई।

मृतक बच्चा।

गांव करीमपुर में जिला पंचायत ने प्रधान लाल सिंह के प्रस्ताव पर तीन वर्ष पहले नाले का निर्माण शुरू कराया था। ठेकेदार ने लापरवाही के चलते काम अधूरा छोड़ दिया। निर्माणाधीन नाले में पानी भरा था। गांव निवासी बिरलेश यादव का तीन साल का बेटा आदित्य यादव सुबह करीब नौ बजे खेलते-खेलते घर से बाहर निकल आया और निर्माणाधीन नाले में गिर गया। डूबने से उसकी मौत हो गई। काफी देर तक दिखाई नहीं दिया तो परिवार के लोगों ने तलाशना शुरू किया। बच्चा नाले में पड़ा दिखाई दिया तो उसे निकालकर जिंदगी की आस में डाक्टर के पास ले गए। डाक्टर ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक बच्चे की दादी प्रेमवती देवी ब्लॉक पंवासा क्षेत्र के करीमपुर वार्ड की क्षेत्र पंचायत सदस्य हैं। परिजनों व ग्रामीणों ने जिला पंचायत ठेकेदार को मौत का जिम्मेदार बताया है। हालांकि कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। इंस्पेक्टर संत कुमार ने बताया कि शिकायत मिलती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक
122, सिविल लाइन्स, बरेली।

सर्वसाधारण को सूचना

परिषद की जनकपुरी योजना सं. 3 बरेली में स्थित दु.आ. वर्ग भवन सं.-890 श्री महेश चन्द्र शर्मा पुत्र श्री मनोहर लाल को आवंटित किया गया। श्री महेश चन्द्र शर्मा पुत्र श्री मनोहर लाल द्वारा अपने पक्ष में विक्रय विलेख दिनांक 19.12.2000 को निष्पादित कराने के उपरान्त भवन का विक्रय श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व. श्री मुनीव प्रसाद व श्री विजय कुमार व श्री अजय कुमार पुत्रगण श्री मुनीव प्रसाद को संयुक्त रूप से कर दिया गया। अब श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व. श्री मुनीव प्रसाद व श्री विजय कुमार पुत्र श्री मुनीव प्रसाद द्वारा अवगत कराया गया है कि श्री अजय कुमार पुत्र श्री मुनीव प्रसाद की मृत्यु दिनांक 08.05.2023 को हो चुकी है तथा हमारे द्वारा काफी तलाशने के उपरान्त भी विक्रेता का कोई अता-पता नहीं चल पा रहा है जिस कारण हम उनके कोई भी प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत नहीं कर पा रहे हैं। हम हेतु परिषद नियमानुसार जो भी कार्यवाही हो हम कराने को तैयार हूँ तथा श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व. श्री मुनीव प्रसाद व श्री विजय कुमार पुत्र श्री मुनीव प्रसाद द्वारा उक्त भवन को संयुक्त रूप से अपने पक्ष में अन्तरण कराने हेतु ऑन लाईन प्रार्थना पत्र के माध्यम से परिषद नियमानुसार प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये है।

अतः एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनकपुरी योजना सं.-3 बरेली मे स्थित दु.आ. वर्ग भवन सं. 890 का अन्तरण श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व. श्री मुनीव प्रसाद व श्री विजय कुमार पुत्र श्री मुनीव प्रसाद के पक्ष में किया जाना है। दु.आ.वर्ग भवन सं. 890 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तथा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व. श्री मुनीव प्रसाद व श्री विजय कुमार पुत्र श्री मुनीव प्रसाद के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज्ञा से-सम्पत्ति प्रबन्धक

कार्यालय नगर पंचायत उसहैत, बदायूँ

पत्रांक : 531/न.पं.उ./2025-26/2025 दिनांक : 27.11.2025

अति अल्पकालीन कुटेशन आमन्त्रण सूचना

नगर पंचायत उसहैत के समस्त स्थानीय लकड़ी विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि नगर उसहैत में अलाव लगाये जाने हेतु सूखी लकड़ी की सप्लाई के लिए तत्काल आधार पर कुटेशन/भाव पत्र आमन्त्रित किये जाते हैं। अतः सूखी लकड़ी की आपूर्ति करने हेतु इच्छुक विक्रेता अपने-अपने कुटेशन/भावपत्र लकड़ी की प्रति कुन्तल भाव के साथ दिनांक 4.12.2025 अपरान्ह 3:00 बजे तक कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। न्यूनतम दर के प्राप्त कुटेशन को स्वीकृत कर आपूर्ति आदेश जारी किया जायेगा।

(त्रिवेन्द्र कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत उसहैत (बदायूँ)

(नवाब हसन)
अध्यक्ष
नगर पंचायत उसहैत (बदायूँ)

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक
122, सिविल लाइन्स, बरेली। E-mail ID : upavp.bly@rediffmail.com

सर्व साधारण को सूचना

परिषद की राजेन्द्र नगर यो.सं.-2 बरेली में स्थित भूखण्ड सं. ए-3/1 श्री उदयवीर सिंह पुत्र श्री खडक सिंह को आवंटित किया गया। श्री उदयवीर सिंह पुत्र श्री खड़क सिंह द्वारा अपना मुख्त्यारेआम श्री रवीन्द्र कुमार गुप्ता श्री रामेश्वर दयाल गुप्ता को नियुक्त कर दिया गया। श्री रवीन्द्र कुमार गुप्ता पुत्र श्री रामेश्वर दयाल गुप्ता द्वारा मुख्त्यारेआम के आधार पर भूखण्ड के आधे भाग का विक्रय श्री अशोक कुमार गुप्ता पुत्र श्री राम भरोसे लाल एवं आधा भाग श्रमती आशा गुप्ता पत्नी श्री अशोक कुमार गुप्ता को कर दिया गया। श्रीमती आशा गुप्ता पत्नी श्री अशोक कुमार गुप्ता की मृत्यु दिनांक 10.12.2013 को हो जाने के उपरान्त श्रीमती आशा गुप्ता द्वारा क्रय किये गये भाग को श्री अशोक कुमार गुप्ता, श्रीमती पल्लवी अभिषेक गोयल एवं श्रीमती प्रिया अग्रवाल द्वारा श्री अनूप कुमार गुप्ता पुत्र श्री अशोक कुमार गुप्ता को दान कर दिया गया तथा श्री अशोक कुमार गुप्ता द्वारा भी अपने भाग का दान श्री अनुप कुमार गुप्ता पुत्र श्री अशोक कुमार गुप्ता को कर दिया गया। इस प्रकार अब श्री अनूप कुमार गुप्ता पुत्र श्री अशोक कुमार गुप्ता भूखण्ड के सम्पूर्ण भाग के मालिक हो गये हैं तथा भूखण्ड को अपने पक्ष में अन्तरण कराने हेतु ऑन लाईन प्रार्थना पत्र के माध्यम से परिषद नियमानुसार प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं।

अतः एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजेन्द्र नगर यो.सं.2 बरेली में स्थित भूखण्ड सं. ए-3/1 का अन्तरण श्री अनूप कुमार गुप्ता पुत्र श्री अशोक कुमार गुप्ता के पक्ष में किया जाना है। भूखण्ड सं-ए-3/1 के अन्तरण में की यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तथा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण श्री अनूप कुमार गुप्ता पुत्र श्री अशोक कुमार गुप्ता के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

सम्पत्ति प्रबन्धक

अपर जिला एवं सत्र न्यायालय कक्ष सं. 9 बरेली
प्रकीर्ण वाद सं. 148/2025

मो. सिराज उम्र करीबन 45 वर्ष पुत्र मो. सलीम निवासी ग्राम करगैना पर. तह. व जिला बरेली. ...वादी अपीलार्थी बनाम

ईश्वर सरन उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र स्व. जंग बहादुर निवासी ग्राम करगैना तह. जिला बरेली हाल निवासी 265 मोहल्ला जकाती जिला बरेली (2) नायाब बानो उम्र लगभग 30 वर्ष पत्नी तकी अहमद निवासी ग्राम करगैना तह. व जिला बरेली.....विपक्षीगण

चुंकी मुसम्मी मो. सिराज ने आपके नाम एक नालिश वास्ते पुर्नस्थापना के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 28.11.25 अदालतन या मारफत किसी वकील के जो मुकदमा हाजा से बखूबी वाकिफ हो और जो मुकदमा हाजा को जवाबदेही कर सके मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैर हाजिरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा।

आज बतारीख 26.11.25 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया है।

मुन्सरिम
अपर जिला एवं सत्र
न्यायालय कक्ष नं. 9, बरेली।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य समेत नौ कर्मियों पर रिपोर्ट

कुशीनगर,एजेंसी : जिले में मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू वार्ड से नवजात गायब होने पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक समेत नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि मंगलवार को नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के बलकुड़िया गांव के मनिया छापर टोला निवासी रीना चौधरी नामक महिला ने सामान्य प्रसव के बाद बच्चे को जन्म दिया था, शाम करीब पौने सात बजे सांस लेने में तकलीफ की बात कही गई थी।

अंडे को रंग कर देसी बनाने का भंडाफोड़

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

गोदाम में कार्रवाई करती खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम। ● अमृत विचार

- काशीपुर रोड निकट रामपुर तिराहा बरवाड़ा मजरा स्थित अल्लाह खां के अंडा गोदाम पर हुई कारवाई

अमृत विचार : सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव के निर्देशन व मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी की टीम ने काशीपुर रोड निकट रामपुर तिराहा बरवाड़ा मजरा स्थित अल्लाह खां के अंडा गोदाम पर छापेमारी की। यहां सफेद अंडे को रंग कर उसे देसी अंडा बनाने के कारोबार का भंडाफोड़ हुआ। टीम ने 3,89,772 रुपए मूल्य का अंडा जब्त कर गोदाम को सील कर दिया। पुलिस आगे कारवाई के लिए टीम ने थाने में तहरीर दी।

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव की मौजूदगी में विभाग की टीम ने पुलिस बल और खाद्य सुरक्षा अधिकारी केके यादव और प्रजन सिंह के साथ बुधवार की देर रात में काशीपुर रोड निकट रामपुर तिराहा बरवाड़ा मजरा स्थित अल्लाह खां के अंडा गोदाम पर छापेमारी की। वहां पर सफेद अंडे को आर्टिफिशियल कलर द्वारा रंग कर देसी अंडे के रंग का बनाया जा रहा था। पुलिस दल के साथ छापेमारी में कुल अंडा मूल्य लगभग लगभग 3,89,772 रुपये के 45,360 रंगीन और 35,640 सफ़ेद अंडे जो रंगने के लिए रखे गए थे सीज कर दिए गए ऐसाथ में एडलट्रेंट को जब्त करते हुए अंडे के गोदाम को सील कर दिया। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा ने बताया कि छापेमारी की कारवाई रात तीन बजे तक चली।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक : आंकिक/क्षेत्र पं. टेण्डर/2025-26 दिनांक : नवम्बर 2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

एतद् द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग/जिला पंचाचत/राजकीय विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड बीसलपुर, पीलीभीत द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत पंचम राज्य वित्त आयोग/पंद्रहवां वित्त आयोग (टाइड एवं अनटाइड फन्ड्स) के अन्तर्गत निम्नलिखित विवरण के अनुसार निर्माण कार्य करवाने हेतु निविदायें दिनांक 13.12.2025 से 16.12.2025 तक (शासकीय कार्य दिवसों में) विकास खण्ड कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा विकास खण्ड बीसलपुर कार्यालय में सीलबन्द निविदायें दिनांक 17.12.2025 को समय 1:00 बजे तक सीलबन्द बाक्स में डाली जा सकती है जो उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं/उनके प्रतिनिधियों के समक्ष अपरान्ह 03:00 बजे निर्धारित कमेटी के द्वारा खोली जायेगी। प्रत्येक निर्माण कार्य कराये जाने हेतु पृथक-पृथक धरोहर धनराशि जमा करनी होगी, जिसकी जानकारी कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। निर्माण कार्यों का विवरण निम्नप्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का नाम	कार्य की ल. (मी.)/ सं.	अनुमानित लागत (रू.)	निविदा शुल्क (जी.एस.टी.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	धरोहर धनराशि (रू.) 2 प्रति
	पंचम राज्य वित्त					
1.	ग्राम भडरिया में सम्पर्क मार्ग पर हयूम पाइप पुलिया/रमटुआ निर्माण कार्य	4x1000 MM	998400	1200	3 माह	20000
2.	ग्राम पंचायत मलकपुर में नाले पर हयूम पाइप पुलिया/रपटुआ निर्माण कार्य	6x1000 MM	996700	1200	3 माह	20000
3.	ग्राम पंचायत बैरा में ख्र्रा नाला पर हयूम पाइप पुलिया/रपटुआ निर्माण कार्य	1x900 MM	122600	1200	3 माह	2500
	पन्द्रहवां राज्य वित्त					
4.	ग्राम चौसरा में गांव से तालाब की ओर नाला निर्माण कार्य	160M	998800	1200	3 माह	20000
5.	ग्राम सुजनी में तालाब से रपटुआ की ओर नाला निर्माण कार्य	120M	835400	1200	3 माह	17000
6.	ग्राम किशनी में तालाब से मन्दिर के आगे ट्रांसफार्मर तक नाला निर्माण कार्य	165M	905900	1200	3 माह	19000
	पन्द्रहवां वित्त अन्टाइड फण्ड					
7.	ग्राम पंचायत गुलैंदा गौटिया में भगवानदास के बाग से गुलैंदा सं. मार्ग पर खडण्जा निर्माण कार्य	245M	470600	1200	3 माह	10000
8.	ग्राम पंचायत चुर्रासकतपुर में नहर की पुलिया से धार्मिक स्थल की ओर सं. मार्ग पर खडण्जा निर्माण कार्य	540M	999800	1200	3 माह	20000
9.	ग्राम पंचायत सफौरा में गांव के रोड किनारे रिटेनिंग वाल का निर्माण कार्य	100M	918000	1200	3 माह	19000
10.	ग्राम पंचायत सफौरा में नहर वाले खडण्जे से सिरिया बाबा की ओर सं. मार्ग पर खडण्जा निर्माण कार्य	540M	995800	1200	3 माह	20000
11.	ग्राम पंचायत सफौरा में बाजर वाली इंटरलॉकिंग से नहर तक जाने वाले रास्ते पर इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	170M	993400	1200	3 माह	20000
12.	ग्राम पंचायत रूरिया में खडण्जे से बाग की ओ सं. मार्ग पर खडण्जा निर्माण कार्य	540M	999500	1200	3 माह	20000
13.	ग्राम पंचायत कासिमपुर में पीलीभीत मेनरोड (परशुराम फार्म) से चन्द्रसेन के खेत तक खडण्जा निर्माण कार्य	525M	998600	1200	3 माह	20000
14.	ग्राम पंचायत उगनपुर मरौरी गांव के बाहर शमशान से दौलतपुर हीरा की ओर जाने वाले सं. मार्ग पर खडण्जा निर्माण कार्य	540M	889400	1200	3 माह	20000

नियम व शर्तें :-

1. ठेकेदार का उक्त निविदा डाले जाने से पूर्व खण्ड विकास अधिकारी बीसलपुर में पंजीकृत होना अनिवार्य है।
2. निविदा प्रपत्र भरकर उसके साथ धरोहर राशि का दो प्रतिशत राष्ट्रीयकृत बैंक का एफ.डी.आर./एन.एस.सी. जोकि खण्ड विकास अधिकारी बीसलपुर के नाम बन्धक कराकर पृथक-पृथक देनी हागी, शेष धरोहर राशि 8 प्रतिशत की एन.एस.सी. अनुबन्ध गठन के समय प्रस्तुत करनी होगी।
3. निविदा शुल्क नकद/बैंक ड्राफ्ट जो खण्ड विकास अधिकारी, बीसलपुर के पक्ष में होगा, निविदा क्रय के समय प्रस्तुत करना होगा।
4. निविदादाता को निविदा के सथ अद्यतन हैसियत प्रमाण-पत्र, आयकर, चरित्र प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, लेबा पंजीकरण, जी.एस.टी. पंजीकरण एवं विकास खण्ड बीसलपुर का पंजीकरण प्रमाण पत्र की छायाप्रति की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
5. निविदादाता को निविदा के साथ 100 रू. के स्टाम्प पर स्वघोषणा-पत्र/शपथ पत्र/संल8ग्न करना होगा तथा निविदा स्वीकृति उपरान्त स्वयं के व्यय पर निर्धारित स्टांप पर अनुबन्ध गठित करना होगा, निविदा दाताओं को 100 रू. के स्टांप पर फोटो युक्त घोषणा-पत्र इन शर्तो के साथ कि वह किसी भी संस्था से ब्लैक लिस्टिड नहीं हुए है।
6. ठेकेदार/फर्म को निर्माण कार्य को नियत समय सीमा के अन्दर एवं लो.नि.वि. की विस्तृत विशिष्टियों/मानक के अनुरूप पूर्ण करना होगा।
7. समस्त निविदादाताओं को उक्त सभी निविदाओं के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी विभिन्न शासानादेशों/नियमों/आदेशों का अनुपालन करना अनिवार्य होगा।
8. उक्त निविदा से संबंधित किसी भी वाद विवाद की दशा में निस्तारण मा. न्यायालय पीलीभीत का ही मान्य होगा।
9. सशर्त निविदा/डाक से प्राप्त निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
10. निविदादाता/किसी भी जनप्रतिनिधि या कार्यालय स्टाफ से पारिवारिक सम्बन्ध नहीं रखता हो।
11. निविदा से सम्बन्धित कोई भी विवाद का निस्तारण जनपद पीलीभीत का मान्य होगा।
12. निविदा के स्वीकार करने अथवा निरस्त करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी बीसलपुर में निहित होगा।
13. उक्तानुसार 16 कार्य आईटम रेट पर किये जायेंगे।

प्रमुख
क्षेत्र पंचायत बीसलपुर

खण्ड विकास अधिकारी
बीसलपुर

क्षेत्र पंचायत मदनापुर वि.खं. मदनापुर, शाहजहांपुर

कोटशन टेण्डर

सूचित किया जाता है कि क्षेत्र पंचायत मदनापुर वि.खं. मदनापुर शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्य कराये जाने हेतु विभिन्न फर्मे सम्पर्क कर सकती है, जिसमें प्रथम श्रेणी ईट, रेता, बजरी, सीमेन्ट, सरिया, इंटरलॉकिंग ईट, मौरंग आदि क्रय की जानी है। जिसकी मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम
1.	ग्राम पंचायत सिकंदरपुर कला में जागेश्वर सिंह के खेत से सिद्ध बाबा की मणि तक मिट्टी व खडंजा कार्य।
2.	ग्राम पंचायत सिकंदरपुर कला में सिद्धबाबा के स्थान से ग्राम पंचायत फाजिलपुर के मजरा अमरोली मैन रोड तक इंटरलॉकिंग कार्य।
3.	ग्राम पंचायत चहारपुर तिलहर बरी खास संपर्क मार्ग से सत्यपाल सिंह के खेत तक खडंजा व मिट्टी कार्य

ब्लाक प्रमुख मदनापुर **खण्ड विकास अधिकारी मदनापुर**

आदि कैलाश व ओम पर्वत यात्रा 1 दिसंबर से बंद

पिथौरागढ़, अमृत विचार: चीन सीमा से सटे उच्च हिमालयी क्षेत्र में तापमान में आयी भारी गिरावट और बर्फबारी के चलते पिथौरागढ़ जिला प्रशासन ने प्रसिद्ध आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा मार्ग को पर्यटकों के लिये बंद करने का निर्णय लिया है।

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की ओर से भी अपनी रिपोर्ट में कहा गया है कि आदि कैलाश और ओम पर्वत मार्ग यात्रा के लिये सुगम नहीं है। आगामी एक दिसंबर से आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा दर्शन को तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्णय लिया गया है।

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-3, लो0नि0वि0, लखीमपुर-खीरी।

पत्रांक :- 2176/ ई-टेण्डर /2024-25 दिनाँक:- 18.11.2025

निविदा शुद्धि-पत्र

इस कार्यालय के निविदा सूचना पत्रांक-2139/ई-प्रोक्योरमेण्ट नोटिस/2025 दिनाँक-10.11.2025 के द्वारा निविदा आमंत्रित की गयी है, जिसमें निविदा डाउनलोड/सबमिट करने की अंतिम तिथि दिनाँक-25.11.2025 को 12:00 बजे तक तथा निविदा की तकनीकी बिड खोलने का दिनाँक 25.11.2025 को 12.30 बजे तक अंकित है।

अपरिहार्य कारणों से अब ये निविदाए दिनाँक-28.11.2025 से दिनाँक-05.12.2025 को 12:00 बजे तक निविदायें डाली जा सकेगी एवं दिनाँक 05.12.2025 को 12:30 बजे तकनीकी बिड खोली जाएगी।

शेष शर्ते पूर्ववत् पढ़ी जाये।

UP - 241495 **दिनांक:** 26/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

(अनिल कुमार यादव)
अधिशासी अभियन्ता,
निर्माण खण्ड-3, लो0नि0वि0, लखीमपुर-खीरी।

कार्यालय अधिषासी अभियन्ता,
निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0,
लखीमपुर-खीरी

पत्रांक- 2075/निविदा सूचना/2025 दिनांक- 19.11.2025

ई-प्रोक्योरमेण्ट नोटिस

1. अधिषासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, लखीमपुर-खीरी द्वारा महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग में मार्ग निर्माण श्रेणी के अन्तर्गत पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेडरिंग के माध्यम से जनपद लखीमपुर-खीरी में निम्नलिखित कार्य जिनकी निर्माण लागत सम्मुख अंकित है, प्रतिषत दर पर निविदा आमंत्रित करते है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	निविदा की लागत (रू0. लाख)	बिड सिक्योरिटी (रू0. लाख)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (समस्त करों सहित)(रू0.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	लखीमपुर खीरी	एस0आई0के0 के कि0मी0 12 से बडी टेरिया सम्पर्क मार्ग के कि0मी0 1 में रिटेनिंग वाल का निर्माण।	10.23	1.03	Rs.855.00	02 माह
2	लखीमपुर खीरी	बहालीपुरवा सम्पर्क मार्ग के कि0मी0 1 व कि0मी0 2 में विषेष मरम्मत का कार्य। (बाढ से क्षतिग्रस्त)	9.81	0.99	Rs.855.00	02 माह
3	लखीमपुर खीरी	सिसौरा सम्पर्क मार्ग के कि0मी0 3 से ग्रन्ट नं0 12 सम्पर्क मार्ग (बाढ से क्षतिग्रस्त) के विषेष मरम्मत का कार्य।	24.68	2.47	Rs.944.00	02 माह
4	लखीमपुर खीरी	जमदीपुरवा सम्पर्क मार्ग के किमी0-1(230) में विषेष मरम्मत का कार्य।	14.50	1.45	Rs.855.00	02 माह
5	लखीमपुर खीरी	(खगईपुरवा) पुल के पहुँच मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य। (बाढ से क्षतिग्रस्त)	10.30	1.03	Rs.855.00	02 माह

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 29.11.2025 से 05.12.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 05.12.2025 को समय मध्यान्ह 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(के0के0 झा)
अधिषासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1,लो0नि0वि0,
लखीमपुर-खीरी

UP - 241474 **दिनांक:** 26/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

बेकाबू कार तालाब में घुसी, नाविक ने बचाई जान

तालाब में गिरी कार। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : टनकपुर हाईवे पर स्थित गौहनिया तालाब में कार अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी। कार में पानी भरने से उसके गेट लॉक हो गए। जिससे कार सवार युवक फंस गया। कार को तालाब में देखकर मौके पर भीड़ लग गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। तालाब में पहले से नाव पर मौजूद युवक ने कार का शीशा तोड़कर उसे बाहर निकालने की कोशिश की तो उसकी नाव भी पानी में पलट गई। इस पर भीड़ में मौजूद एक युवक ने तालाब में छलांग लगा दी। जिसके बाद दोनों युवकों ने कार में फंसे युवक को खींचकर बाहर निकाला।

मामला गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे का है। पीलीभीत बरातघर की ओर से एक कार आ रही थी। जिसमें एक युवक सवार था। अचानक उसकी कार अनियंत्रित हो गई। जिसके बाद वह कार को नियंत्रित नहीं कर सका और तालाब की बेरिकेडिंग न होने की वजह से उस में जा गिरी।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अपनी अलग पहचान बना रहे बरेली के किसान

सिंदूर की फली

बरेली, जो कभी मुख्य रूप से गन्ना उत्पादक क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, अब एक महत्वपूर्ण कृषि क्रांति का साक्षी बन रहा है। यहां के किसान अब केवल पारंपरिक फसलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि केंद्र व राज्य सरकार की प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने वाली नीतियों के साथ-साथ खुद भी इनोवेशन को अपना रहे हैं। बरेली के किसानों ने ड्रोन तकनीक, आधुनिक सिंचाई प्रणालियों और जैविक खेती को अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। सबसे बड़ा बदलाव 'विविधीकरण' के क्षेत्र में आया है। अब यहां विदेशी 'ड्रैगन फ्रूट', वाइन ग्रेप्स और अन्य विदेशी प्रजाति की सब्जियाँ सफलतापूर्वक उगाई जा रही हैं। इस परिवर्तन में एक प्रेरक पहलू बड़े शहरों की बडे.पैकेज की नौकरी छोड़कर गांव लौटे शिक्षित युवाओं की भूमिका है। इन युवाओं ने आधुनिक कृषि तकनीकों और विदेशी फसलों की खेती से कृषि वैज्ञानिकों तक को चकित कर दिया है, युवाओं ने साबित कर दिया कि कृषि एक लाभदायक और सम्मानजनक कॅरियर विकल्प है। फसल उत्पादन के अलावा, कृषि से जुड़े अन्य क्षेत्रों में भी प्रगति हो रही है। गुजरात की देसी 'गिर' गायों का दुग्ध कारोबार यहां आगे बढ़ रहा है। बरेली की अर्थव्यवस्था कृषि के क्षेत्र में एक नया रूप ले रही है।

अंगूर के साथ अन्य 'सब ट्रॉपिकल' फसलें उगाने की अपार संभावनाएं

प्राचीन काल में पांचाल राज्य का हिस्सा रही वर्तमान बरेली विदेशी प्रजाति के अंगूर व इससे बनने वाले वाइन कारोबार में विदेशी बाजारों का प्रभुत्व तोड़ेगी। यहां अंगूर के उत्पादन साथ अन्य 'सब ट्रॉपिकल' फसलें उगाने की अपार संभावनाएं हैं। प्रगतिशील किसान अनिल कुमार साहनी ने इसे सिद्ध कर दिया है। वर्तमान में महाराष्ट्र के नासिक में अंगूर की खेती होती है, जबकि अमेरिका समेत कई यूरोपीय देशों में अंगूर की खेती होती है। जलवायू अनुकूल होने के कारण एक ओर जहां इन देशों में अंगूर का उत्पादन खूब होता है, वहीं इससे खुशबूदार वाइन भी खूब बनती है। यही वजह है कि वैश्विक बाजार में अंगूर के साथ विदेशी वाइन छायी हुई है। विश्व में 80-90 प्रतिशत अंगूर वाइन, जूस व किशमिश बनाने में इस्तेमाल होता है। अब बरेली में भी विदेशी प्रजाति के अंगूर व वाइन का उत्पादन बढ़ सकेगा और बरेली की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बन सकेगी। सरकारी सहयोग मिला तो यह शहर अंगूर की खेती का 'अन्तर्राष्ट्रीय हब' बन जाएगा। बरेली को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने में 'जिद', 'जज्बा' व 'जुनून' के साथ लगे यहां के टिगरी गांव निवासी प्रगतिशील किसान अनिल कुमार साहनी का कहना है कि आजकल के युवा किसान 'खेती-किसानी' को घाटे का सौदा मानकर इससे मुंह मोड़ रहे हैं। वे अपने पूर्वजों की पुश्तैनी जमीन पर खेती करने के बजाय उसे बेचकर शहरी जीवन के चकाचौंध में जाने को आतुर हैं, पर इसमें उन्हें वास्तविक सफलता नहीं मिलनी वाली है।

विभिन्न किस्में लगा सकते हैं खेत में

किसान अपने खेतों में विभिन्न विदेशी किस्मों की फसलें लगा सकते हैं। प्रगतिशील किसान साहनी ने तो अपने फार्म हाउस में विदेशी अंगूर व अन्य विदेशी पौधे लगाये गए। यहां आम लोगों के खाने में इस्तेमाल होने वाले विदेशी अंगूर के साथ वाइन बनाने वाले विदेशी अंगूर 'वाइन ग्रेप्स' भी लगाये गए हैं। इसमें फ्रांस, इटली, आस्ट्रेलिया, ग्रीस आदि देशों की 35 किस्में शामिल हैं। साहनी ने सिंदूर (कमीला जतन) का पेड़ भी यहां लगाया है जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

सफल खेती के लिए खेतों में उन्नत विदेशी तकनीक जरूरी

साहनी ने अपने फार्म हाउस में खेतों को व्यवस्थित करने के लिए इंग्लैंड से आयातित तार लगाए गए हैं जिसमें अंगूर की लतायें फैली हैं। विदेशी तकनीक से एकीकृत प्रणाली के तहत बागान में सिंचाई की व्यवस्था है। इजराइल की तकनीक के उपकरण से पौधों की मांग के अनुसार सिंचाई होती है, जबकि पारंपरिक तौर पर सिंचाई में मांग के अनुसार सिंचाई की व्यवस्था नहीं होती है।

ये भी है फार्म हाउस में

- 82 प्रजातियों की चिड़ियां
- 38 प्रकार की तितलियां
- तराई में पैदा होने वाला सिंदूर का पौधा
- फालसे का बाग
- अंजीर का बाग
- कचनार के पेड़
- देसी मेंहदी के पेड़ व आंडू का बाग आदि

पौधों को पिलाया जाता है नीम का तेल

विदेशी तकनीक के तहत पौधों में नीम की तेल की सिंचाई होती है, ताकि कीट प्रबंधन हो सके। फार्म हाउस में लगे अंगूर के पौधों को नीम का तेल पिलाया जाता है। किस पौधे को कितनी जरूरत है, इसका भी अध्ययन किया जाता है। इजराइल की सिंचाई तकनीक इस्तेमाल कर पाइप लाइन बिछाई गई है। यहां हर पौधे को नंबर आवंटित किये गए हैं। साथ ही, इंग्लैंड से आयातित तार लगाये गए हैं। यह तकनीक भी बरेली के किसानों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगी।

'ड्रैगन फ्रूट' के उत्पादन से निकले बरेली के किसानों के लिए नये रास्ते

गा हरा गुलाबी-लाल रंग, खाने में मक्खन जैसा मुलायम व मीठा। गजब का स्वाद। हम बात रहे हैं वियतनाम मूल के विदेशी 'ड्रैगन फ्रूट' की। अब यह फल बरेली की धरती पर खूब उग रहा है। यहां के बहगुलपुर गांव के प्रगतिशील किसान यशपाल ने अपने 10 एकड़ खेत में इस 'सुपरफूड' का उत्पादन कर बाकी किसानों के लिए भी नये रास्ते खोल दिये हैं। जिले के किसान अन्य पारंपरिक खेती के साथ इस फल की खेती कर सकते हैं, क्योंकि इस खेती बहुत आसान है। उद्यान विभाग इसकी खेती के लिए किसानों को प्रशिक्षण के साथ निशुल्क पौध भी उपलब्ध करा रहा है। लगभग डेढ़ साल में इसकी फसल तैयार हो जाती है, जबकि तीन साल के बाद भारी मात्रा में फल आते हैं। अगले तीस सालों तक किसान इससे फसल लगातार ले सकते हैं। ऐसे में यह किसानों की आय बढ़ाने का अच्छा सौदा साबित हो सकता है। गुजरात व मुंबई से जाकर इसकी खेती से प्रेरित हुए यशपाल व उनकी टीम के साथी प्रवीण कुमार गुप्ता अपने अनुभव साझा करते हुए कहते हैं कि इसकी खेती पर एक एकड़ चार-पांच लाख रुपये खर्च होते हैं। एक एकड़ में प्रति साल 10-15 लाख का फायदा होता है। इसकी फसल जुलाई से नवंबर तक चलती है। इसकी खेती में जैविक व प्राकृतिक उर्वरक इस्तेमाल होता है। किसान वर्मी कम्पोस्ट खुद बनाकर खेतों में इसका उपयोग कर सकते हैं। यह खाद साल में तीन बार देनी होती है। हर पन्द्रह दिन में सिंचाई ड्रिप तकनीक प्रणाली से की जाती है। सिंचाई के लिए बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है। इसके उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 90 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है।

बाजार में है बहुत संभावनाएं

यशपाल का कहना है कि बरेली समेत अन्य जिलों में इस फल की बहुत मांग है। वजह यह है कि यह स्वादिष्ट होने के साथ ही कीवी फल से 10 गुना पौष्टिक होता है। स्वादिष्ट होने के कारण इसकी मांग निरंतर बढ़ती जा रही है।

जलभराव वाली जमीन पर नहीं पैदा होता यह फल

प्रगतिशील किसान का कहना है कि यह फल जलभराव वाली जगह पर नहीं पैदा होता, क्योंकि इसकी जड़ें गहरी नहीं होती हैं। यह बंजर जमीन पर भी उग सकता है। जमीन तो केवल नीचे सपोर्ट के लिए होती है, जबकि यह फल अलग से जैविक खादयुक्त मिट्टी पर उग जाता है।

डेयरी क्रांति की कहानी, बीएल एग्रो की कामधेनु परियोजना

बीएल एग्रो कामधेनु परियोजना से गांवों और किसानों का समृद्ध करने की दिशा में काम कर रहा है। परियोजना का उद्देश्य डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए यहां गिर और साहिवाल गायों की नस्ल तैयार करना है, जो उच्च गुणवत्ता वाले दूध का उत्पादन करेंगी। बीएल एग्रो ने इस परियोजना के लिए शुरुआत में 1,000 करोड़ का निवेश किया है, जिसके पूरी क्षमता से चालू होने पर कुल 3,000 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

बीएल एग्रो के प्रबंध निदेशक आशीष खंडेलवाल बताते हैं कि वर्तमान में 350 से अधिक साहिवाल, गिर, पुंगुर नस्ल की गाय डेयरी में हैं। ब्राजील से सीमेन और भ्रूण लाकर इस नस्ल की गायों में अनुवांशिक सुधार कर उनकी संख्या बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। ब्राजील ने गिर नस्ल में अनुवांशिक सुधार करके प्रति पशु दूध उत्पादन 30 से 40 किलो प्रतिदिन प्राप्त किया है। भारत में प्रतिपशु दूध का उत्पादन उन देशों के मुकाबले काफी कम है। इसका कारण हमारे पास उच्च गुणवत्ता वाले गायों और सांडों की कमी है। जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता को ध्यान में रखकर बीएल कामधेनु परियोजना में सम्मिलित किया है। योजना के प्रयास से उच्च नस्ल वाली भारतीय साहिवाल और गिर गाय पैदा होने के बाद सीमेन और भ्रूण लाने के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहने की भी आवश्यकता नहीं होगी।

- परियोजना को एक हजार करोड़ का निवेश, पूरी क्षमता से चालू होने पर तीन हजार करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद
- ब्राजील से सीमेन और भ्रूण लाकर गिर और साहिवाल गायों में होगा अनुवांशिक सुधार
- प्रति पशु दूध उत्पादन 30 से 40 लीटर प्रतिदिन लाने का लक्ष्य

साहिवाल नस्ल की 5000 गायों को रखने की योजना

भविष्य में गिर, साहिवाल नस्ल की पांच हजार हजार देसी गायों को रखे जाने की योजना है। जो एक दिन में 30 से 35 लीटर तक दूध दे सके। इन गायों के माध्यम से बीएल एग्रो स्थानीय समुदाय को जहां उच्च दूध देने वाली गायों की उपलब्धता बढ़ाएगा, वहीं बेहतरीन गुणवत्ता वाला चारा-दाना के माध्यम से जुड़कर पशुधन का विकास करेगा। साथ ही किसानों के लिए दूध की मार्केटिंग में भी सहयोग करेंगे। इसके लिए एक फील्ड प्रोसेसिंग यूनिट भी होगी, जो किसानों से दूध जैसे कच्चे माल की प्राप्ति के लिए उनके साथ काम करेगी। आईसीएआर- सीआईआरजी के पूर्व निदेशक एवं बीएल कामधेनु योजना के उपाध्यक्ष डा. एसके अग्रवाल बताते हैं कि भ्रूण प्रत्यारोपण एक ऐसी विधि है, जिसके माध्यम से गाय की किसी भी नस्ल की एक गाय से साल भर में 40 से 50 भ्रूण विकसित करके दूसरी गायों में प्रत्यारोपित कर 15 से 16 बछिया को जन्म दिलाया जा सकता है, जबकि सामान्य तौर पर साल भर में एक गाय से एक ही बछिया प्राप्त की जा सकती है।

उन्नत नस्ल के विकास से किसानों को होगा फायदा

आशीष खंडेलवाल के मुताबिक, अगर किसान या पशुपलाकों के पास उन्नत नस्ल का पशु है तो उसका भ्रूण लैब में तैयार करेंगे। जिसे उनके सेरोगेट मदर में ट्रांसफर करेंगे। वहीं, उनकी मांग पर लैब में संरक्षित भ्रूण को भी प्रत्यारोपित कर देंगे। इससे उन्नत नस्ल के पशु का जन्म होगा। टेस्ट ट्यूब बेबी (आईवीएफ) से जन्मे गाय के बच्चों में ज्यादा दूध देने की क्षमता होगी।

चारा उत्पादन के लिए किसानों के साथ कांट्रेक्ट फार्मिंग

चारा उत्पादन के लिए कांट्रेक्ट फार्मिंग करने का फैसला किया है। इसके तहत, डेयरी आसपास के किसानों के साथ कांट्रेक्ट फार्मिंग करेगी, जिसमें किसानों को चारा उत्पादन के लिए बीज, उर्वरक और अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की जाएगी। डेयरी किसानों से निर्धारित दर पर चारा खरीदेगी, जिससे किसानों को भी लाभ होगा और डेयरी को भी चारा की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

योजना के अंतर्गत कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट (सीबीपी) भी लगाया गया है इसके माध्यम से बायोगैस बनाकर उसी से जेनरेटर के द्वारा बिजली का उत्पादन होगा। जो वेस्ट निकलेगा उसमें पानी उलग करके पैकेजिंग करके पाउडर के रूप में बायो फर्टीलाइजर किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। इससे केमिकल का इस्तेमाल तो कम होगा ही, खेतों की उर्वरकता भी बढेग़ी।

खेत से आसमान तक 'ड्रोन दीदी' की सफलता की उड़ान

नवाबगंज की रहने वाली किरन गंगवार ने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से एक नई ऊंचाई हासिल की है। एमए की पढ़ाई करने वाली किरन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर ड्रोन पायलट बनने का फैसला किया और आज वह 'ड्रोन दीदी' के नाम से जानी जाती हैं। किरन बताती हैं कि उन्होंने नवंबर 2023 में खुद को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने का फैसला लिया। इसके बाद, उन्हें इफको की ओर से फ्री में ड्रोन दिए जाने के साथ चलाने की ट्रेनिंग दी गई। दिसंबर 2023 में प्रयागराज के फूलपुर स्थित इफको कोरडेट में ट्रेनिंग मिली और मार्च 2024 को उन्हें 'नमो ड्रोन दीदी योजना' के तहत कृषि ड्रोन मिला। आज किरन 500 हेक्टेयर में 'स्प्रे'कर चुकी हैं और अच्छी कमाई भी कर रही हैं। वह बताती हैं कि पहली बार जब गांव में ड्रोन उड़ाया, तो लोग देखने के लिए आए। तब लोगों को विश्वास ही नहीं हुआ था कि ड्रोन से फसलों पर कीटनाशक और पानी का छिड़काव भी संभव है। किरन कहती हैं, अगर महिलाएं ठान लें, तो कुछ भी असंभव नहीं है।

अच्छा परिणाम दे रही हैं विदेशी फसलें

बरेली में पारंपरिक फसलों से हटकर विदेशी व उन्नत खेती की अपार संभावनाएं हैं। भले ही यहां की जलवायु इन फसलों के अनुकूल नहीं है, फिर भी यहां की धरती पर जिस तरह से विदेशी फसलें अच्छा परिणाम दे रही हैं। इससे खेती में लगे किसानों का उत्साह बढ़ गया है। इसी तरह, दूसरे राज्यों की देसी गिर गाय भी अनुकूल जलवायु न होने के बाद भी बरेली की जमीन पर बेहतर नतीजे दे रही हैं। बरेली के और किसान भी इससे प्रेरणा लेकर इस क्षेत्र में सफलता की ऊंचाई छू सकते हैं। इन अच्छे नतीजों से कृषि व उद्यान के विशेषज्ञ चकित हैं। कुछ का कहना है कि सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन के कारण अच्छे नतीजे आ रहे हैं, तो कुछ इस पर अनुसंधान किये जाने पर जोर दे रहे हैं।भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के उद्यान विभाग के विषय विशेषज्ञ डॉ रंजीत सिंह का कहना है कि विज्ञान के अनुसार तो विदेशी औद्यानिक फसलें बरेली की जलवायु के अनुकूल नहीं हैं। यहां जाड़े में बहुत ठंड तो गर्मी में बहुत गर्म पड़ती है। यहां सामान्य तौर पर दिन में अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस व रात में 12 डिग्री सेल्सियस रहता है। विदेशी नस्ल के उत्पादन पर उनका कहना है कि कुछ किस्में ही यहां उग पाई हैं। उनका कहना है कि कृषि वैज्ञानिक कई 'राउंड' में जलवायु व फसल उत्पादन का अध्ययन करते हैं। औसतन 10 साल का डाटा लिया जाता है। इसमें सफलता मिलने पर ही उसे सफल कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि विदेशी तकनीक के अंगूर, ड्रैगन फ्रूट आदि पैदा हो रहे हैं।

पहले की खेती और आज की खेती में फर्क समझें: डा. अंजनी

कृषि क्षेत्र में बदलाव की कहानी अब आम हो गई है। पहले खेती भले ही कम की जाती थी, लेकिन फसल की गुणवत्ता और बीजों के चुनाव में पहले की खेती और आज की खेती में बहुत फर्क आ चुका है। आयुर्वेदाचार्य और कृषि विशेषज्ञ डा. अंजनी सिंह उदाहरण के तौर पर बताते हैं कि आज की लौकी खाने के बाद कई बार पेट दर्द की शिकायत रहती है, जबकि पहले की लौकी खाने पर ऐसी दिक्कत नहीं होती थी। क्योंकि आज की लौकी का आकार बड़ा करने के लिए लोग 'इंजेक्शन' का इस्तेमाल करने लगे हैं। डा. अंजनी कहते हैं पहले खेती में गोबर और अन्य प्राकृतिक खाद का इस्तेमाल होता था, जिससे फसल की गुणवत्ता अच्छी होती थी और मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ती थी। लेकिन आज खेती में रसायनों का इस्तेमाल बढ़ गया है, जिससे फसल की गुणवत्ता घट रही है और मिट्टी की उर्वरता भी कम हो रही है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

देसी गाय के दूध का बड़ा बाजार

यूं तो राज्य सरकार की योजनाओं के बल पर गोवंश का संरक्षण करने के लिए हर जिले में गौशालाएं खोली जा रही हैं। विभिन्न योजनाओं के जरिये सरकार खूब रकम सब्सिडी के रूप में लोगों को उपलब्ध करा रही है और योजनाओं से पोषित गौशालाएं खुल भी रही हैं, पर बिना सरकारी सहयोग के ही बरेली में गुजरात की देसी गाय गिर अपने दूध व दुग्ध उत्पाद से नई पहचान बना रही है। इसके दूध की इतनी मांग है कि पूरी नहीं पड़ रही है। इससे संभावना जताई जा रही है कि आने वाले समय में अगर बरेली में और गौशालाएं खुलेंगी, तो दुग्ध व इसके उत्पाद के बाजार में छा जाएंगी।

बरेली के भैरपुरा खजुरिया निवासी ज्ञानेंद्र सिंह ने गिर गाय का गौशाला का संचालन कर यह सिद्ध कर दिया है कि यहां के अन्य लोग खासकर युवा भी इस क्षेत्र में अपना अच्छा कॅरियर बना सकते हैं। मर्चेंट नेवी में चीफ ऑफीसर की 48 लाख सालाना वेतन की नौकरी छोड़कर वर्ष 2023 में गांव में गौशाला संचालन व प्राकृतिक खेती कर रहे ज्ञानेंद्र के पास छोटी-बड़ी मिलाकर कुल 65 गाय हो गई हैं। अपने अनुभव को साझा करते हुए ज्ञानेंद्र कहते हैं कि बरेली में शुद्ध दूध की बहुत मांग है। मांग के अनुसार अभी आपूर्ति पूरी नहीं हो पा रही है। देसी गिर पर ही विशेष जोर देने के सवाल पर उनका कहना है कि वैसे तो साहिवाल समेत अन्य गायों का दूध भी विदेशी गायों से अच्छा रहता है, पर गिर नस्ल की गाय का दूध मां के दूध के समान होता है। इसमें प्रोटीन ए टू होता है, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। गिर गाय मौसम के अनुकूल होती हैं, इसलिए बीमार भी बहुत कम पड़ती हैं। यह गाय 7-8 लीटर प्रतिदिन दूध देती हैं। ऐसे में इस गाय के दूध के बाजार में बहुत संभावनाएं हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में गांव के अन्य किसान व युवा अपना कैरियर बना सकते हैं।

अन्य राज्यों को भा रहा बरेली का दुग्ध उत्पाद

गिर गाय का दुग्ध उत्पाद बरेली के साथ ही अन्य राज्यों महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब के साथ ही राजधानी लखनऊ, रामपुर, पीलीभीत, रुद्रपुर आदि के लोगों को भा रहा है। तीन एकड़ पुश्तैनी जमीन पर में प्राकृतिक खेती व गांव में मकान के सामने गौशाला चला रहे ज्ञानेंद्र का कहना है कि वह 250 परिवारों को दूध व अन्य कृषि उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। इनमें केवल दूध के 50 ग्राहक बरेली के हैं। दूध की आपूर्ति केवल जिले में है, जबकि दुग्ध उत्पाद मुम्बई, पंजाब, दिल्ली, लखनऊ, रामपुर, पीलीभीत, रुद्रपुर आदि में आपूर्ति हो रहा है। मिलावटी दूध से परेशान लोग अब शुद्ध दूध की मांग कर रहे हैं। ऐसे में बरेली में और गौशालाएं खोली जाएं, तो इसका लाभ किसानों के साथ यहां के लोगों को मिल सकेगा।

शुद्ध देसी घी बनाने में प्राचीन ज्ञान जरूरी

दूध से शुद्ध घी बनाने में प्राचीन ज्ञान जरूरी है। घी बनाने में बिलौना विधि का प्रयोग होता है, जो पूरी तरह मैनुअल होता है। ज्ञानेंद्र की गौशाला में इस विधि का ज्ञान रखने वाली उनकी 80 वर्षीय बुजुर्ग मां शकुंतला देवी घी बनाने का कार्य करती हैं। वजह यह है कि इस विधि से बनने वाला घी अधिक स्वादिष्ट होता है। शाहजहांपुर में आबकारी निरीक्षक पद पर तैनात सविता चौधरी भी घर आने के दौरान गौशाला व प्राकृतिक खेती में सहयोग करती हैं। यानी सफलता के लिए खुद के साथ ही अगर पारिवारिक सहयोग मिल जाय, तो यह सोने पर सुहागा साबित होगा।

जवान न बन सके सर्वेश बन गए प्रगतिशील किसान

जब दिल में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो, तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। हाफिजगंज के ग्रेम गांव के सर्वेश की कहानी कुछ इसी तरह की है। सर्वेश का सपना था कि फौज में भर्ती होकर देश की सेवा करना। चार बार फौज की भर्ती में शामिल हुए। शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण की, पर सफल नहीं हुए। निराश होने के बजाय उन्होंने गांव में खेती को रोजगार का जरिया बनाने की ठानी। जैविक खेती का तरीका सीखा। फसल लहलहाई तो उनकी किस्मत चमक गई। 28 साल की आयु में सर्वेश को कृषि विज्ञान केंद्र ने प्रगतिशील किसान का दर्जा प्रदान किया है। सर्वेश गन्ने के साथ मेंथा, सरसों, मेंथा आदि कि वर्तमान में वह करीब 15 बीघे में जैविक खेती कर रहे हैं। सालाना आय करीब पांच लाख रुपये से ज्यादा है। सर्वेश बताते हैं कि उन्होंने एक फर्म भी बनाई है। इसके जरिए वह जैविक खेती को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उनकी फर्म से अब तक एक, दो बीघे वाले 300 से अधिक किसान जुड़ चुके हैं। उनका उद्देश्य खेती को सिंथेटिक रसायन से मुक्त करना है। इसके अलावा वह कृषि कॉलेजों, केंद्र और प्रदेश सरकार के कार्यक्रमों में व्याख्यान देने भी पहुंचते हैं। सर्वेश बताते हैं कि उत्पादित फसलों की गुणवत्ता के आधार पर बिक्री अधिक होने की वजह से अब व्यापारियों की मांग के अनुसार माल की कमी हो जाती है।

अमेरिका-जर्मनी तक बरेली का मेंथा पहुंचा रहे निहाल

जैविक खेती के फायदे जानने हैं तो बरेली के उन्नतशील कृषक निहाल सिंह के बारे में जानिए, जो ऑर्गेनिक मेंथा, सगंध फसलों और जड़ी-बूटियों की खेती करते हैं। वर्तमान में उनसे पांच हजार किसान जुड़े हैं। निहाल का दो एकड़ से शुरू हुआ खेती का सफर आज दस हजार एकड़ में फैल चुका है। वह कहते हैं वर्ष 2002 में बेहद छोटे पैमाने पर ऑर्गेनिक मेंथा की खेती शुरू की थी। आज उनकी कंपनी ऑर्गेनिक सर्टिफाइड मेंथा उत्पादन करती है। यहां उपजा जैविक मेंथा जर्मनी और यूएसए (अमेरिका) तक भेजा जा रहा है। इसकी बहुत मांग है। तुलसी की सूखी पत्ती की भी अमेरिका में खूब मांग है। जैविक खाद से पैदा हुए धान, गेंहू और आलू की सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में मांग होती है। वह अपनी सफलता का सीक्रेट शुद्धता, प्रतिबद्धता और किसानों के साथ मजबूत रिश्ते बताते हैं। वह कहते हैं कि 2003 में कॉलेज के एक 'लेक्चर' में सुना था कि रसायनिक खाद जमीन को कितना नुकसान पहुंचा रही हैं। शरीर में बीमारियां बढ़ रही हैं। इसके बाद जैविक खाद से उड़द की खेती से शुरुआत की थी। पांच साल तक व्यवसायिक फायदा नहीं मिला। इन्हीं चुनौतियों से सीखते हुए 2008 में जैविक उत्पाद के लिए बाजार खड़ा कर लिया। आज पांच हजार किसानों के साथ मिलकर जैविक खेती कर रहे हैं। ऑर्गेनिक मेंथा ही नहीं वह जड़ी-बूटियों और लेमनग्रास व कैमोमाइल जैसी दस से अधिक सगंध फसलें उगाते हैं। राइस मिल और गुड़ बनाने की यूनिट भी लगाई जो किसानों की आय बढ़ाने में मदद करती है। उनका कहना है कि युवा खेती को व्यवसाय के रूप में अपनाएं, क्योंकि यही भारत को अग्रणी बना सकती है।

प्रस्तुति : रमेश चंद्र व महिपाल गंगवार

अमृत विचार

शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

आप खुश होते हैं या दुखी, यह इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आपके पास क्या है, या आप कौन हैं, या आप कहां हैं, या आप क्या कर रहे हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप क्या सोचते हैं।

-डेल कार्नेगी, अमेरिकी लेखक

ऐतिहासिक खेल उपलब्धि

कॉमनवेल्थ गेम्स का बीस बरस बाद भारत लौटना देश के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा। राष्ट्रमंडलीय खेलों के दौरान दुनिया का स्वागत करने के लिए भारत जितना उत्सुक है, उतना ही आत्मविश्वासी भी। बड़ी बात यह कि पूरा आयोजन पहली बार वास्तविक तौर पर किसी एक ही शहर में संपन्न होगा। हाल के वर्षों में भारत में खेलों को लेकर जो अवसंरचनात्मक विकास और जनसमर्थन बढ़ा है, उससे निस्संदेह यह अवसर अत्यंत उल्लेखनीय बनेगा। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दीर्घकालिक विज़न को भी पुष्ट करती है, जिसके तहत भारत को ग्लोबल स्पोर्ट्स हॉटस्पॉट के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

ओलंपिक बोली की तैयारी, खेलों में निजी एवं सार्वजनिक निवेश की वृद्धि, खेल विज्ञान व उच्च-स्तरीय अवसंरचना के विस्तार ने इस क्षेत्र में देश की वैश्विक छवि को उल्लेखनीय मजबूती दी है। कॉमनवेल्थ जैसे विशाल आयोजन की मेजबानी इसी का प्रतिफल है। सवाल है कि क्या अहमदाबाद इतनी स्तरीय, विविध और व्यापक खेल अवसंरचना 2030 तक विकसित कर पाएगा कि सभी राष्ट्रमंडलीय खेल, जिनमें इस बार 17 नए खेल भी जोड़े गए हैं, एक ही शहर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सकेंगे? वर्तमान में अहमदाबाद और उसके आसपास खेल परिसरों, स्टेडियमों, प्रशिक्षण केंद्रों, मेडिकल, स्पोर्ट्स साइंस जैसी सुविधाओं और हाई-स्पीड कनेक्टिविटी का तीव्र विस्तार हो रहा है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम, सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव और आगामी मल्टी-डिसिप्लिन स्पोर्ट्स हब, ये सभी इस बात का संकेत देते हैं कि शहर 2030 तक विश्व-स्तरीय आयोजन की आवश्यकताओं को पूरा करने में अवश्य सक्षम हो जाएगा। इसी मजबूत अवसंरचना और बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता के आधार पर ही अहमदाबाद को 2028 वर्ल्ड अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2031 वर्ल्ड सीनियर एथलेटिक्स और 2033 वर्ल्ड एथलेटिक्स की मेजबानी मिलने की संभावनाएं बनी हैं। भारत को कॉमनवेल्थ की मेजबानी मिलने के पीछे दो महत्वपूर्ण कारण हैं- पहला, तेजी से मजबूत होती अवसंरचना और उसमें बढ़ता सार्वजनिक निवेश, दूसरा, भारत की आर्थिक स्थिरता और 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की संभावनाएं। किसी भी बड़े बहुराष्ट्रीय आयोजन के लिए आर्थिक क्षमता और शहर-स्तरीय आधारभूत विकास निर्णायक होते हैं और भारत ने दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति प्रदर्शित की है।

ठीक है कि कॉमनवेल्थ गेम्स बहुधा आर्थिक लाभ के बजाय व्यय-प्रधान आयोजन सिद्ध हुए हैं। यह आयोजन केवल खर्च का विषय नहीं, बल्कि दीर्घकालिक शहरी-विकास, पर्यटन वृद्धि, रोजगार सृजन और वैश्विक प्रतिष्ठा का मामला है। दिल्ली ने 2010 में परिवहन, सड़कों, एयरपोर्ट, मेट्रो और शहरी ढांचे में बड़ा रूपांतरण देखा था। अहमदाबाद में भी 2030 तक परिवहन, शहरी नियोजन, स्मार्ट-सुविधाएं, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर, रिवरफ्रंट और स्पोर्ट्स-इकोनॉमी के कई क्षेत्र नए स्तर पर विकसित होंगे। घरेलू आयोजन खिलाड़ियों के लिए अवसर और प्रेरणा दोनों बढ़ाता है। आज हमारी खेल व्यवस्थाा अधिक वैज्ञानिक, संगठित और प्रतिस्पर्धात्मक है। घर में खेल होगा तो हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन और पदक संख्या दोनों में वृद्धि दिखेगी।

धर्म ध्वजा की स्थापना के अर्थ व संदेश

गोलेश स्वामी

राजनीतिक विश्लेषक

अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जन्म भूमि मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा की स्थापना ने एक बार फिर से त्रेता युग और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अहसास कराया। श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम-सीता के विवाह पंचमी के शुभ मुहूर्त के मौके पर हुए इस ध्वजारोहण ने देश-दुनिया को जहां गहरे अर्थ दिए हैं, वहीं एक नहीं अनेक अहम संदेश दिए हैं। पहला संदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संतों व राम भक्तों की एकजुटता का है। यह धर्म और सियासत के समन्वय और राम मंदिर की पूर्णता का भी संदेश है। धर्म के पुनर्जागरण और विकसित भारत के संकल्प का भी संदेश है।

दूसरा संदेश गुलामी की भावना को त्यागकर राम राज्य की स्थापना का है, क्योंकि राम राज्य का मतलब होता है, जिसमें कोई दीन-दुखी न रहे। कोई गरीब न रहे। समाज में कोई वर्ग भेद न हो। शबरी की ममता से लेकर निषाद राज की मित्रता और जटायु-गिलहरी के सहयोग का। खासकर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राम मंदिर को राष्ट्र मंदिर घोषित करना और मैकाले की अंग्रेजी शिक्षा पद्धति पर जबर्दस्त प्रहार। साथ ही इसे गुलामी का प्रतीक बताना भर नहीं, बल्कि अगले दस साल में इससे मुक्ति पाकर अपनी संस्कृति की ओर लौटना। इसमें यह भी जोडना कि देश को 1947 में आजादी तो मिली, लेकिन स्वदेशी को दरकिनार कर विदेशी के महत्व को मन मस्तिष्क में भरा गया। कोई शक नहीं कि राम मंदिर के निर्माण के लिए पांच सदियों के संघर्ष और सैकड़ों लोगों के बलिदान के बाद यह अहम दिन था। यह सनातन की बहुत बड़ी विजय है। सनातन की वेदना की समाप्ति और कार्य सिद्धि के महायज्ञ की पूर्णाहुति है।

ध्वजारोहण समारोह का सबसे खास पहलू यह भी रहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन केवल भगवान राम के मंदिर, धर्म ध्वजा, रामत्व, राम राज्य और राष्ट्र मंदिर तक सीमित नहीं रहा। बल्कि उन्होंने एक ओर जहां अपने विरोधियों पर निशाना साधा, तो रामभक्तों को भी नसीहत देना नहीं भूले। इशारों-इशारों में अपने विरोधियों, खासकर कांग्रेस की पूर्व सरकारों को भगवान राम को काल्पनिक मानने के लिए कठघरे में खड़ा किया। यहां तक कि कांग्रेस सहित विरोधी दलों की सरकारों के आर्थिक विकास पर भी यह कहकर सवाल दागे कि 70 साल में देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की 11वीं अर्थव्यवस्था ही बन सकी, जबकि उनके मात्र 11 साल के कार्यकाल में ही देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था बन चुकी है।

इसके साथ ही भविष्य में स्वदेशी के बल पर भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा, लेकिन प्रधानमंत्री देशवासियों खासकर रामभक्तों को यह कहकर नसीहत देना नहीं भूले कि वे अपने अंदर राम के व्यक्तित्व के मूल्यों को अपने जीवन में उतारें, क्योंकि राम अयोध्या से वन जाते समय एक राजामात्र थे, लेकिन 14 साल वन में काटने के बाद अपने आचरण से मर्यादा पुरुषोत्तम बनकर लौटे।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद ध्वजारोहण समारोह में भी प्रधानमंत्री मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, मंत्रियों व भाजपा पदाधिकारियों की उपस्थिति से एकजुटता और समन्वय से निकले इस खास संदेश को नकारा नहीं जा सकता है, क्योंकि बीच में इनके संबंधों को लेकर सियासी गलियारों में तरह-तरह की चर्चाओं ने जन्म ले लिया था। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने, जहां राम मंदिर आंदोलन के अगुवा अशोक सिंघल, डालमिया और राम चंद्रदास परमहंस सहित ऐसी शख्सियतों को याद किया, जिन्होंने यह सपना देखा और आज इस दुनिया में नहीं हैं। ऐसा कहने के पीछे उनका मंतव्य स्पष्ट था कि आजीवन संघर्ष करने वालों को नहीं भूलना चाहिए।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगे बढ़कर यहां तक कह दिया कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं बल्कि एक नए युग की शुरुआत है। यानी भविष्य में अभी बहुत कुछ होना स्वाभाविक है। शायद उनका इशारा राम मंदिर के बाद श्रीकृष्ण जन्म भूमि और काशी विश्वनाथ की पूर्णता की ओर है, क्योंकि अभी दोनों के मामले कोर्ट में लंबित हैं। इस बार सेलेब्रेटी के बजाए ज्यादातर समर्पित पार्टी, संघ और विहिप कार्यकर्ताओं और संतों को बुलाया गया था। इस बार कोई बिलेनियर उद्योगपति या सुपर स्टार नजर नहीं आया।

बिहार की हार से चिंतित विपक्षी दलों के नेताओं के स्वर आज कुछ बदले-बदले नजर आए। ऐसे में इन विपक्षी नेताओं ने किसी न किसी बहाने से सनातन और राम के प्रति अपनी आस्था प्रदर्शित की। जैसे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इटावा के केदारेश्वर मंदिर की स्थापना और भगवान के बुलाने पर आस्था के आधार पर दर्शन की बात कही, तो उनके अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद यहां तक कहने लगे कि यदि न्योता मिलता तो वे नंगे पांव चलकर भगवान राम के दर्शन करने जाते, जबकि प्राण प्रतिष्ठा के समय विपक्षियों ने न्योता मिलने पर भी कार्यक्रम का बहिष्कार किया था।

पूर्व में बाबरी मस्जिद के लिए कोर्ट में मुकदमा लड़ने वाले इकबाल अंसारी ने समारोह में पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के नारे पर मुहर लगाई, वहीं मुस्लिमों को यह भी संदेश दिया कि वे हिंदुस्तान के मुस्लिम हैं और अयोध्या में मंदिर की पूर्णता से खुश हैं। वे यह कहने से भी नहीं चूके कि मुस्लिम धर्म सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाता है। इस समारोह के प्रति मिथिला का जिक्र कैसे छूटता। खासकर मिथिला के लोग अपने दामाद भगवान राम की एक झलक पाने के लिए खासी संख्या में उमड़े।

धर्म ध्वजा, धर्म के पुनर्जागरण और विकसित भारत के संकल्प का भी संदेश है। दूसरा संदेश गुलामी की भावना को त्यागकर राम राज्य की स्थापना का है, क्योंकि राम राज्य का मतलब होता है, जिसमें कोई दीन-दुखी न रहे।

आमने

बीजेपी अपने पन्ना प्रमुखों से चुनाव में शराब और पैसा बंटवाने का काम कराती है, जबकि कांग्रेस में ऐसा कोई प्रचलन नहीं है। बीजेपी के कुछ लोग तो इससे ज्यादा भी कुछ बंटवाते हैं और जनमत को प्रभावित करते हैं।

-हरीश रावत

पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

सामने

हरीश रावत के कार्यकर्ता निचले स्तर पर शराब पिलाकर और पैसे देकर चुनाव लड़ते होंगे। मुझे पता है कि कौन क्या-क्या करता है, लेकिन ये चीज सार्वजनिक नहीं की जा सकती, क्योंकि इससे हरीश रावत का फजीता हो जाएगा।

-विनोद चमोली

विधायक, बीजेपी

विपक्ष का काम कर रहे प्रधान पद के उम्मीदवार

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

यूपी में एसआईआर को लेकर उदासीन व लापरवाह विपक्ष के लिए पंचायत चुनाव की सरगर्मी राहत भरी है। चुनाव आयोग के गाइड लाइन के अनुसार राजनीतिक दलों को भी अपनी तरफ से बीएलओ-2 मनोनीत करने का अधिकार है। यूपी में ज्यादातर विपक्षी दल इसमें फिसड्डी दिख रहे हैं, लेकिन पंचायत चुनाव में प्रधान पद के दावेदार एसआईआर को लेकर खूब सक्रीय हैं। वे एक तरह से विपक्षी दलों का काम आसान कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि बिना किसी तैयारी के मात्र एक महीने में 25 करोड़ आबादी वाले उत्तर प्रदेश में एसआईआर कंप्लीट कर पाना बड़ी चुनौती है। इसमें विसंगतियों की जो भरमार है वह अलग।

खेती किसानी और शादी विवाह के सीजन में सब कुछ भूलकर शहरी लोग हों या ग्रामीण किसान, केवल अपना वोट बचाने के जतन में जुट गए हैं। चुनाव आयोग के इस अभियान में गांव के लोग जो अपेक्षाकृत जागरूक नहीं होते, एसआईआर का हिस्सा बन पाते हैं या नहीं, चुनाव आयोग का इससे कुछ लेना देना नहीं। चुनाव आयोग को यदि सचमुच इमानदारी से एसआईआर करानी होती तो वह समय, सीमा और लोगों की दिक्कतें जरूर ध्यान में रखता।

चुनाव आयोग के इस अभियान में बीएलओ से लेकर मतदाताओं को कितनी दिक्कतें हो रही हैं, यह बस्ती जिले के एक एसडीएम की झुंझलाहट से जाना जा सकता है, जो बीएलओ की लापरवाही पर गुस्सा हो रहे थे। चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर की तय समय सीमा, चंद रोज ही बची है। इस बीच पूरे यूपी में 50 प्रतिशत भी फार्म-6 और 7 लोगों तक नहीं पहुंच पाए हैं। नोएडा जहां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बिटिया डीएम हैं, वहां की स्थिति तो और खराब है। खराब प्रगति से नाराज ज्ञानेश कुमार की डीएम बिटिया ने सख्त कदम उठाते हुए तमाम बीएलओ और अन्य संबंधित जनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का फरमान जारी किया है।

फार्म-7 जो वोट विच्छेदन का जरूरी फार्म है, अधिकांश बीएलओ इसे जानते तक नहीं और न उन्हें ऐसा कोई प्रशिक्षण ही दिया गया। फार्म-7 के माध्यम से आप यदि दो जगह से वोटर हैं, तो इच्छित एक जगह से कटवा सकते हैं। हालत ऐसी हो गई कि हर व्यक्ति अपना वोट बचाने के लिए बीएलओ को ढूंढता फिर रहा है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि बिना किसी प्रशिक्षण के बीएलओ नामित कर उसे एसआईआर फार्म थमा दिया गया है। चुनाव आयोग इस अभियान की जितनी गंभीरता समझता है, बीएलओ उससे एक दम अनजान हैं।

विपक्ष को इस अभियान में सत्ता पक्ष से दो कदम आगे होना चाहिए, क्योंकि वोट काटने या वोट चोरी को लेकर वही सबसे ज्यादा मुखर है। यूपी में इस अभियान में विपक्ष गायब है। ऐसे में वे लोग जिन्हें अपना वोट काटे जाने का डर है, खुद ही अपने वोट की रखवाली करें। सवाल उठता है कि एसआईआर अभियान में गैर भाजपा राजनीतिक दलों की उदासीनता क्यों है? फिलहाल यूपी के लिए इसका जवाब है, 'मैं क्यों और मैं ही क्यों?'

गौरतलब है कि सभी राजनीतिक दलों में विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा चुनाव टिकट और प्रत्याशी दोनों उहापोह में रहते हैं। गैर भाजपा दलों के पास आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित अन्य तमाम हिंदू संगठनों जैसा कोई संगठन नहीं है, जो निस्वार्थ भाव से अपना काम कर सके। भाजपा समर्थक इन तमाम हिंदू संगठनों को न तो चुनाव की चिंता रहती है और न ही टिकट की, सो उन्हें जिस काम की जिम्मेदारी सौंपी जाती है, उसे वे पूरी इमानदारी और निष्ठापूर्वक करते हैं। गैर भाजपा दल चाहे कांग्रेस हो सपा, बसपा या अन्य पार्टियां, उनके पास कहां है ऐसा निष्ठावान व ईमानदार संगठन?

इसके इतर सपा और कांग्रेस खानापूरी में लगे हैं। गठबंधन की राजनीति इसमें सबसे बड़ी बाधा है। चुनाव के दरमियान किस सीट पर गठबंधन का कौन उम्मीदवार टपक पड़ता है कोई ठिकाना नहीं। ऐसे में बड़ा पेंच 'हम क्यों और हम ही क्यों' को लेकर ही फंसा हुआ है। गैर भाजपा राजनीतिक दलों के कई नेताओं से बात हुई, तो यही मसला सामने आया। खासकर सपा और कांग्रेस खेमे से। यूपी में सपा और कांग्रेस अभी गठबंधन में हैं। विधानसभा चुनाव में भी यह रहेगा, इसकी संभावना ज्यादा है। जिन सीटों पर सपा के विधायक हैं वहां तो ठीक है। वे एसआईआर को लेकर सक्रीय हैं, लेकिन जिन सीटों पर सपा नहीं है वहां हालात ठीक नहीं है। ऐसी सीटों पर न तो कांग्रेस सक्रिय है और न ही सपा, इसलिए कि मेहनत हम करें और टिकट फलां को मिल जाए!

लोकसभा की कई सीटों पर सपा हारी है, वहां दूर दराज से उम्मीदवार थोप दिए गए थे, इस अभियान में वे लापता हैं। 2027 में विधानसभा चुनाव है। जिन तमाम सीटों पर सपा या कांग्रेस नहीं है, वहां का हाल बुरा है। एसआईआर को लेकर कांग्रेस के जिला अध्यक्षों पर खासा दबाव है। केंद्रीय कार्यालय से रोज कोई न कोई निर्देश प्राप्त हो रहे हैं। प्रतिदिन कोई न कोई कांग्रेस का पदाधिकारी जिला अध्यक्षों से जूम मीटिंग कर रहा है, लेकिन वे बेचारे करें क्या, उनका संगठन ही कमजोर है। सांगठनिक तौर पर यूपी में कांग्रेस की स्थिति यही है।

विपक्ष को एसआईआर अभियान में सत्ता पक्ष से दो कदम आगे होना चाहिए, क्योंकि वोट काटने या वोट चोरी को लेकर वही सबसे ज्यादा मुखर है। यूपी में इस अभियान में विपक्ष गायब है।

प्रसंगवश

लोग लावारिस छोड़ जाते हैं मासूम जिंदगियां

हाल ही में राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक नवजात बालिका सड़क किनारे कपड़े में लिपटी हुई लावारिस हालत में मिली। चांदपोल श्मशान घाट के बाहर रोती हुई इस बच्ची की आवाज सुनकर स्थानीय लोग वहां पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। बच्ची महज आठ से दस दिन की थी। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रदेश के भीलवाड़ा जिले से भी दिल दहला देने वाली घटनाएं सामने आईं। गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के दौलतपुरा गांव में जन्म के कुछ ही देर बाद एक नवजात बालिका को झाड़ियों में फेंक दिया गया था। ग्रामीणों ने समय रहते उसे देखा, जिसके बाद बच्ची को अस्पताल ले जाकर बचाया गया। ठीक इसी तरह बिजौलिया उपखंड के सीताकुंड जंगल में एक दस से बारह दिन की नवजात को फेवीक्विक से होठ चिपकाकर पत्थरों के नीचे दबा दिया गया। यह दृश्य इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला था।

देवेंद्र सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

इसी तरह बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में भी एक दिन की बच्ची कूड़ेदान में पड़ी मिली। उसकी चीख सुनकर वहां से गुजर रही महिला ने पुलिस को सूचना दी और बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं जालोर जिले में भी एक मकान की छत पर गुलाबी चुनरी में लिपटी एक नवजात बच्ची मिली, जिसका जन्म फेंके जाने से मात्र 30 मिनट पहले हुआ था। हर घटना एक नए दर्द, एक नई पीड़ा और एक नए सवाल को जन्म देती है कि आखिर क्यों मासूम बेटियों को इस तरह से दुनिया में आने के तुरंत बाद मौत के हवाले किया जा रहा है?

समाज में बदलाव की बातें होती हैं, योजनाएं बनती हैं, जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, पर हालिया घटनाएं बताती हैं कि इन सबका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंच पा रहा। सड़क किनारे, कूड़ेदानों और जंगलों में लावारिस हालत में बच्चियों के मिलने की बढ़ती घटनाएं बताती हैं कि समाज की सोच अब भी वहीं अटकी हुई है, जहां बेटी का जन्म लेना बोझ समझा जाता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में हर महीने औसतन 20 मासूम बेटियों को या तो अस्पतालों और पालनागृहों में छोड़ दिया जाता है या फिर सुनसान स्थानों पर मरने के लिए फेंक दिया जाता है। चिंता की बात यह है कि इन परित्यक्त बच्चों में 90 प्रतिशत बेटियां होती हैं। पिछले पांच वर्षों में 1,332 बच्चों को फेंकने के मामले सामने आए, जिनमें से 376 में माता-पिता की पहचान हुई। इनमें से 200 मामलों में किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत कार्रवाई की गई। चाइल्ड लाइन इंडिया और यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने आश्रय पालना योजना के तहत 67 पालना केंद्र स्थापित किए, लेकिन इनमें से सिर्फ 20 प्रतिशत ही प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं। इससे साफ है कि सरकारी प्रयास कमजोर हैं और समाज में जागरूकता का स्तर बेहद कम।

रिपोर्ट बताती है कि 90 प्रतिशत मामलों के पीछे या तो अवैध संबंधों का भय होता है या फिर लिंग आधारित भेदभाव। अविवाहित माताएं, विधवाएं, परित्यक्ता महिलाएं और आर्थिक तंगी से जूझ रही महिलाएं बदनामी से बचने के लिए बच्चियों को जन्म के तुरंत बाद फेंक देती हैं। थार के रेगिस्तान और आदिवासी अंचलों में ऐसे प्रकरण अधिक हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की कमी इस समस्या को और गंभीर बनाती है, जबकि शहरी क्षेत्रों में अवैध संबंध और पारिवारिक दबाव प्रमुख कारण हैं। खास बात यह है कि परित्यक्त बच्चों में 90 प्रतिशत यानी 1,199 बच्चियां हैं। पिछले पांच वर्ष में परित्यक्त लड़कियां कोई कमी नहीं आई है, बल्कि 2021 और 2024 में इनमें वृद्धि हुई है।

सोशल फोरम

देने वाले ने देने में कुछ कमी न की

अरब में एक औरत रहती थी, जिसका नाम उम्मे जाफ़र था। वह बेहद सख़ी (बड़े दिल वाली) और दानवीर थी। वह जरूरतमंद लोगों की मदद दिल खोलकर करती थी। अपनी दानवीरता की वजह से वह पूरे इलाके में जानी जाती थी। लोग उससे मदद मांगने के लिए आया करते। वह खुद भी राह चलते लोगों को दान दिया करती। वह इस तरह दान करती थी कि दाहिना हाथ भी नहीं जान पाता था कि बायां हाथ क्या दे रहा है।

कश्मीरा शाह चतुर्वेदी

ब्लॉगर

कुछ दिनों से वह एक ख़ास रास्ते से गुज़रने लगी थी। उस रास्ते पर दो अंधे बैठे रहते थे। दोनों आवाज़ें लगाते थे।

एक की आवाज़ होती, "ऐ अल्लाह! मुझे अपने फ़ज़्ल करम से रोज़ी अता फ़रमा।"

दूसरा अंधा कहता, "ऐ रब! मुझे उम्मे जाफ़र का बचा-खुचा अता कर दे।"

उम्मे जाफ़र दोनों की आवाज़ें सुनतीं और दोनों को ही कुछ न कुछ दे देतीं।

जो अल्लाह का फ़ज़्ल मांगता था, उसे दो दरहम देतीं और जो 'उम्मे जाफ़र का फ़ज़्ल' मांगता था, उसे एक भुनी हुई मुर्ग़ी दे देतीं।

मज़े की बात यह थी कि जिसे मुर्ग़ी मिलती थी, वह अपनी मुर्ग़ी दूसरे अंधे को सिर्फ़ दो दरहम में बेच देता था। यह सिलसिला कई दिनों तक चलता रहा।

एक दिन उम्मे जाफ़र उस अंधे के पास आईं जो 'उम्मे जाफ़र का फ़ज़्ल' मांगा करता था और उससे पूछा, "क्या तुम्हें सौ दीनार मिले हैं?"

अंधा हैरान रह गया। बोला, "नहीं! मुझे तो बस एक भुनी हुई मुर्ग़ी मिलती थी, जिसे मैं दो दरहम में बेच देता था।"

उम्मे जाफ़र ने कहा, "जिसने अल्लाह का फ़ज़्ल मांगा, मैं उसे दो दरहम देती थी, और तुम्हें जो भुनी हुई मुर्ग़ी देती थी, उसके पेट में दस दीनार छिपाकर देती थी।"

यह सुनते ही अंधा अपना सिर पीटने लगा। वह चीखने-चिल्लाने लगा, "हाय मेरी बदक़िस्मती! काश मैंने ऐसा न किया होता। मैं बर्बाद हो गया!"

उम्मे जाफ़र ने कहा, "बेशक जो ईश्वर का फ़ज़्ल मांगता है, वही कामयाब होता है और जो सिर्फ इंसानों का फ़ज़्ल मांगता है, वह हमेशा महरूम ही रह जाता है।" **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

सड़क हादसे: सबसे अधिक मौतों वाले देशों में भारत

सड़क सुरक्षा पर जारी हाल ही में एक रिपोर्ट कहती है कि दुनिया में भारत सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतों वाले देशों में शामिल है। यहां हर वर्ष लाखों लोग घायल होते हैं और लगभग डेढ़ लाख लोग जान गंवा देते हैं। ये आंकड़े किसी सूखे तथ्य की तरह नहीं, बल्कि उन परिवारों की टूटती दुनिया का बयान हैं, जिन्हें एक पल की गलती उम्र भर का दर्द दे जाती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में 70 फीसदी से अधिक मौतें 18 से 45 वर्ष की उम्र के युवाओं की होती है। यानी समाज की सबसे उत्पादक, सपनों से भरी और भविष्य गढ़ने वाली पीढ़ी सड़क पर अपनी ही गलतियों के कारण मर रही है। यह एक ऐसी राष्ट्रीय त्रासदी है, जिसकी जड़ कहीं बाहर नहीं बल्कि हमारे बीच ही है।

डॉ. नीलू तिवारी

शिक्षिका

देश में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति 2024–2025 में और गंभीर हो गई है। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में देशभर में लगभग 4.73 लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं और करीब 1.70 लाख लोगों की मौत दर्ज की गई। वहीं 2025 की पहली छमाही में ही राष्ट्रीय राजमार्गों पर 29,018 लोगों की जान गई और 67,933 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। यह इस तथ्य की ओर इशारा करता है कि मात्र 2 प्रतिशत लंबाई वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पूरे देश में सड़क मौतों का अत्यधिक बड़ा हिस्सा वहन करते हैं। 2024 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर कुल 1,25,873 दुर्घटनाएं और 53,090 मौतें हुई थीं, जो बताती हैं कि हाई-स्पीड कॉरिडोर देश के लिए सबसे बड़ा जोखिम क्षेत्र बने हुए हैं। कई शहरों में रैश ड्राइविंग सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बना है।

इन सभी आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि भारत में सड़क हादसों के पीछे सड़क इंजीनियरिंग की समस्याएं, कानूनों का कमजोर प्रवर्तन और सबसे अधिक लोगों का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार- जैसे तेज रफ्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना, ओवरटेकिंग, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी, नशे में ड्राइविंग और मोबाइल फोन का इस्तेमाल दुर्घटनाओं की जड़ में हैं। 2024–2025 के ये डाटा सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि यह चेतावनी हैं कि सड़कें तभी सुरक्षित होंगी, जब लोग स्वयं नियमों का पालन करेंगे। सरकार सड़क सुधार और प्रवर्तन को प्रभावी बनाएगी और समाज मिलकर इस राष्ट्रीय संकट को कम करने की दिशा में कदम उठाएगा।

देश में सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों के पीछे सबसे बड़ा कारण लोगों की लापरवाही और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति है, जो हमारी सड़क संस्कृति का एक दुखद हिस्सा बन चुकी है। आज भी तेज रफ्तार सड़क दुर्घटनाओं की जड़ों में छिपा एक मौन हत्यारा मोबाइल फोन का बढ़ता उपयोग है। यह ड्राइविंग के दौरान ध्यान को विभाजित कर देता है, जिससे डिस्ट्रेक्टेड ड्राइविंग एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रहा है। एक पल की अनदेखी न केवल चालक, बल्कि सड़क पर मौजूद हर अन्य व्यक्ति के लिए खतरा बन जाती है। वहीं नशे में वाहन चलाना भी दुर्घटनाओं का एक अत्यंत चिंताजनक कारण है। इसके अतिरिक्त ट्रैफिक नियमों के प्रति लोगों की उदासीनता भी सड़क हादसों के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार है।

दुर्घटनाओं में इजाफे का बड़ा कारण ट्रैफिक पुलिस की सीमित क्षमता और नियमों के ढीला पालन भी है। जब लोग यह महसूस करते हैं कि उन पर नजर रखने वाला कोई नहीं है, तो वे नियम तोड़ने में संकोच नहीं करते। इसके अलावा लाइसेंस प्रक्रिया में कमियों के कारण कई लोग पर्याप्त ड्राइविंग कौशल के बिना वाहन सड़क पर ले आते हैं, जिससे वे स्वयं और दूसरों दोनों के लिए जोखिम पैदा करते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खतरनाक है अमेजन टिपिंग पॉइंट

हम जानते हैं कि धरती और इसके पर्यावरण से ही हमारा अस्तित्व जुड़ा है। आज बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरण असंतुलन से पृथ्वी का जो हिस्सा सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है वह है दुनिया का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय वर्षावन अमेजन। अमेजन के जंगल खतरे में हैं और यह खतरा एक और बड़े खतरे को जन्म दे रहा है, वह है कार्बन उत्सर्जन के विस्फोट का खतरा। हो सकता है कि तब धरती का तापमान इतना बढ़ जाए कि धरती पर हमारा या अन्य जीव-जंतुओं का रहना ही मुश्किल हो जाए। अमेजन का जंगल वैश्विक जलवायु को नियंत्रित करने, जैव विविधता को बनाए रखने और कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन आज वहां वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन, अवैध खनन और आग जैसी समस्याओं से यह गंभीर संकट का सामना कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, अमेजन अब टिपिंग पॉइंट अर्थात वह बिंदु जहां से वापसी असंभव हो जाए, के बहुत करीब पहुंच चुका है, जहां सत्तर प्रतिशत तक जंगल खोने का खतरा है।

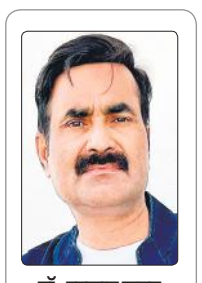

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

1985 से 2022 तक 11 प्रतिशत जंगल, फ्रांस के आकार के बराबर, नष्ट हो चुका है। 2025 में, जबकि आग में कमी आई है, लेकिन कटाई बढ़ रही है, विशेषकर मवेशी पालन, कृषि, खनन और सड़कों के लिए। यहां अवैध गतिविधियों की चर्चा की जाना जरूरी है, जहां भूमि हड़पना, सोने की अवैध खदानों और अपराधियों द्वारा लगाई जाने वाली आग है। इस कारण वर्षा में कमी और सूखा, जो जंगल को और कमजोर कर रहा है। कुछ हिस्सों में अब जंगल कार्बन उत्सर्जन अधिक कर रहे हैं, जितना अवशोषित, यह पर्यावरणविदों के लिए चिंता का विषय है। हालांकि ब्राजील में कुछ प्रगति हुई है, अगस्त 2024 से जुलाई 2025 तक वनों की कटाई 11 प्रतिशत घटी, जो 11 साल के न्यूनतम स्तर पर है। यह कॉप 30 से पहले एक सकारात्मक संकेत है, जहां अमेजन की सुरक्षा पर फोकस होगा। फिर भी, समग्र खतरा बना हुआ है और वैश्विक सहयोग की ज़रूरत है। कॉप 30, वास्तव में अमेज़न के जंगलों को बचाने की उम्मीद की एक किरण है। कॉप 30 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन की 30 वीं सम्मेलन ऑफ द पार्टिज है, जो दुनिया के प्रमुख वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन के रूप में जाना जाता है।

टिपिंग पॉइंट

अमेजन वर्षावन का टिपिंग पॉइंट एक ऐसा महत्वपूर्ण बिंदु है, जहां जंगल अपनी प्राकृतिक पुनरुत्पादन क्षमता खो देगा और अपरिवर्तनीय रूप से सूखी सवाना (घासभूमि) में बदल जाएगा। यह बिंदु पार होने पर जंगल का बड़ा हिस्सा नष्ट हो सकता है, जो वैश्विक जलवायु, जैव विविधता और मानव जीवन को गंभीर खतरे में डाल देगा। वैज्ञानिकों के अनुसार हम इस बिंदु के बहुत करीब पहुंच चुके हैं, वर्तमान में अमेजन का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा कट चुका है और वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। यदि वनों की कटाई 20-25 प्रतिशत तक पहुंच जाती है या तापमान 2-2.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है (जो 2050 तक संभव है), तो यह टिपिंग पॉइंट पार हो सकता है। अब सवाल है कि इसका जोखिम क्या है? तो इसका जवाब हमें चिंता में डाल सकता है, क्योंकि यह टिपिंग पॉइंट न केवल अमेजन के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए विनाशकारी होगा। सबसे पहले बात करेंगे जंगल के अपूर्णीय नुकसान की। यदि टिपिंग पॉइंट पार होता है, तो 50-70 प्रतिशत जंगल, जो लगभग 3-4 लाख वर्ग किमी है, खो सकता है, जो इसे कम आर्द्र, आग-संवेदनशील सवाना में बदल देगा। दक्षिण-पूर्वी अमेजन पहले ही कार्बन स्रोत बन चुका है, जहां पेड़ों की मृत्यु बढ़ रही है और अगले 100 वर्षों में पूरा जंगल गायब हो सकता है।

कार्बन उत्सर्जन विस्फोट

कार्बन उत्सर्जन का विस्फोट से तात्पर्य वैश्विक स्तर पर कार्बन डाईऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों के रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ने से है, जो जलवायु परिवर्तन को तेज कर रहा है। 2023-2024 के बीच कार्बन डाईऑक्साइड स्तर में रिकॉर्ड 4.7 भाग प्रति मिलियन (पीपीएम) की वृद्धि हुई, जो मानव इतिहास में सबसे अधिक है। 2024 में जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) का उपयोग बढ़ने से उत्सर्जन चरम पर पहुंच गया और 2025 में जंगलों की आगों से कार्बन डाईऑक्साइड 9 प्रतिशत अधिक निकली। यह क्लाइमेट कैओस की ओर ले जा रहा है, जहां 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान सीमा पार होने पर अपरिवर्तनीय क्षति हो सकती है। अमेजन जैसे टिपिंग पॉइंट्स पार होने पर यह विस्फोट और भयावह हो जाएगा, जो 200-250 अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड रिलीज कर सकता है, जो वैश्विक उत्सर्जन का 26 प्रतिशत के बराबर है। यह मानव जाति के लिए अस्तित्वगत खतरा है, क्योंकि यह जीवन के हर पहलू को प्रभावित करेगा, जैसे स्वास्थ्य, भोजन, पानी, आवास और शांति। वैज्ञानिकों के अनुसार, 2025 में हम 'डूम्सडे क्लॉक' (मानव-निर्मित आपदाओं का संकेतक) के करीब हैं, जहां जलवायु संकट परमाणु युद्ध जितना खतरनाक है।

कार्बन स्रोत

2025 तक अमेजन का दक्षिण-पूर्वी हिस्सा (ब्राजील का मुख्य भाग) पूरी तरह नेट कार्बन स्रोत बन चुका है, जहां सूखा मौसम लंबा हो गया है। एक अध्ययन के अनुसार पिछले 40 वर्षों में यहां की वनभूमि अब कुल कार्बन फ्लक्स (अवशोषण माइनस उत्सर्जन) से अधिक कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जित कर रही है। समग्र अमेजन में सिंग की भूमिका घट रही है, 2001-2024 के बीच स्वदेशी क्षेत्रों में कार्बन अवशोषण फ्रांस के वार्षिक जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन के बराबर था, लेकिन 2025 में आगे और कटाई से यह संतुलन बिगड़ गया। इसका कारण वनों की कटाई है। इसके अलावा 2025 में ब्राजील के अमेजन में 1.1 मिलियन हेक्टेयर जला, जो 2024 से 70 प्रतिशत कम है, लेकिन फिर भी दक्षिणी क्षेत्रों में कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। जंगलों की आग अब फीडबैक लूप बना रही है, गर्मी से आग बढ़ती है, जो और गर्मी पैदा करती है।

जूनोटिक रोग

जूनोटिक रोग वे बीमारियां हैं, जो जानवरों से इंसानों में फैलती हैं (या कभी-कभी उल्टा भी होता है)। ये विषाणु यानी वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी या कवक के कारण होती हैं और अक्सर जंगली जानवरों (जैसे चमगादड़, कृंतक या कीट) से शुरू होकर इंसानों तक पहुंचती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, सभी मानव संक्रामक रोगों में से 60 प्रतिशत से अधिक जूनोटिक हैं, और ये महामारियों (जैसे कोविड-19, एबोला या सार्स) का प्रमुख कारण बनते हैं। अमेजन जैसे वर्षावनों में जैव विविधता अधिक होने से ज़ूनोटिक रोगों का खतरा स्वाभाविक रूप से ज्यादा है, लेकिन वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और मानवीय हस्तक्षेप (जैसे खनन, कृषि विस्तार) से ये खतरे और गंभीर हो जाते हैं। जानवरों का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, जिससे संक्रामक जीव इंसानों के करीब पहुंचते हैं। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, 2001-2019 के बीच अमेजन में आग, वेक्टर-जनित और ज़ूनोटिक रोगों से लगभग 3 करोड़ मामले सामने आए। स्वदेशी भूमियों पर जंगलों की रक्षा से इनमें से 27 रोगों (जैसे चागास, मलेरिया आदि) के फैलाव को 15 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। आज अमेजन के जंगलों को बचाने के लिए ज़ीरो डिफॉरेस्टेशन, पुनर्वनीकरण और जैव-आधारित अर्थव्यवस्था की ज़रूरी है। ये अवधारणाएं एक-दूसरे को पूरक बनाती हैं, जीरो डिफॉरेस्टेशन रोकथाम है, पुनर्वनीकरण बहाली है और जैव-आधारित अर्थव्यवस्था टिकाऊ उपयोग प्रदान करती हैं। कॉप 30 जैसे मंचों पर इन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन वैश्विक फेफड़े कहलाने वाले अमेजन के जंगलों पर अभी खतरा मंडरा रहा है।

क्या है डूम्सडे क्लॉक

डूम्सडे क्लॉक एक प्रतीकात्मक घड़ी है, जो मानवता को वैश्विक आपदा, जैसे परमाणु युद्ध, जलवायु परिवर्तन या अन्य विनाशकारी घटनाओं, से कितनी निकटता पर दर्शाती है। डूम्सडे क्लॉक के खतरों के अंतर्गत सबसे पहले पहले चरम मौसम घटनाओं की चर्चा करते हैं। इसके चलते तूफान, बाढ़, सूखा और गर्मी की लहरें तेज हो रही हैं। 2024 में 1.5 डिग्री सेल्सियस सीमा पार हो चुकी है, जो हरिकेन और बाढ़ की तीव्रता बढ़ा रही है। इसके प्रभाव से दक्षिणी यूरोप और एशिया में 2025 की गर्मी की लहरों से हजारों मौतें और वैश्विक आपदाओं से 10 करोड़ लोग विस्थापित हुए हैं। इसके चलते समुद्र स्तर वृद्धि पर नजर डालें तो पाएंगे कि ग्लेशियर पिघलने से 2100 तक 1 मीटर तक समुद्र ऊंचा हो सकता है, लेकिन विस्फोट से यह और तेज होगा। इसके प्रभाव से तटीय शहर (जैसे मुंबई, न्यूयॉर्क) डूबने का खतरा है, इससे 10 करोड़ लोग प्रभावित होने के साथ, कृषि भूमि खराब होने का अनुमान है।

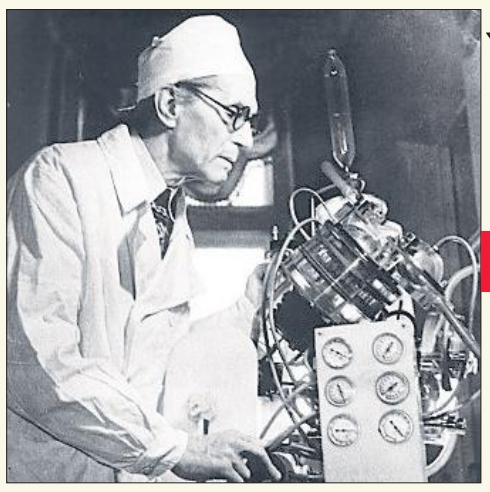

सर्गेई ब्रुखोनेंको

रोचक किस्सा

सोवियत वैज्ञानिक सर्गेई ब्रुखोनेंको को रूसी ओपन-हार्ट सर्जरी में महत्वपूर्ण प्रगति लाने में मदद करने का श्रेय दिया जाता है, लेकिन जानवरों पर उनके भयानक प्रयोग कहीं अधिक परेशान करने वाले थे। ब्रुखोनेंको इंतजार करने वालों में से नहीं थे, वे मरने के बाद जानवरों को काटने से संतुष्ट नहीं थे। अधिक सटीक रूप से, न केवल उन्हें इंतजार करना पसंद था, बल्कि वे जानवरों को मरते हुए भी नहीं देखना चाहते थे, उनके सिर काटने के बाद भी नहीं। 1930 के दशक के उत्तरार्ध में, ब्रुखोनेंको और उनकी टीम ने प्रयोगों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसके एक भाग के रूप में उन्होंने एक कुत्ते का सिर काट दिया और उसे हवा और रक्त की आपूर्ति करने वाले उपकरण से जोड़कर उसके शरीर से दूर जीवित रखा। ब्रुखोनेंको द्वारा रची गई यही एकमात्र भयावहता नहीं थी। एक अन्य शिकारी कुत्ते के शरीर से सारा खून निकाल लिया गया, जिसे बाद में इस सोवियत फ्रेंकस्टीन द्वारा वापस जीवित कर दिया गया। ब्रुखोनेंको के भीषण काम को 1940 की फिल्म ' एक्सपेरिमेंट्स इन द रिवाइवल ऑफ ऑर्गेनिज्म्स' में कैमरे में कैद किया गया था।

टेक जानकारी

वोटर-लिस्ट अपडेट का नया दौर

ऑनलाइन सुविधाओं से प्रक्रिया हुई सरल

भारतीय निर्वाचन आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का अगला चरण शुरू किया है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य वोटर-लिस्ट को अपडेट करना, डुप्लीकेट और दिवंगत मतदाताओं के नाम हटाना है। आयोग ने सुविधा बढ़ाने के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी दी है, जिससे घर बैठे जानकारी में सुधार, नई एंट्री, वोटर-आईडी डाउनलोड और वोटर-लिस्ट में नाम की जांच आसानी से की जा सकती है।

ऐसे डाउन लोड करें वोटर लिस्ट

इसके लिए आप चुनाव आयोग की वेबसाइट (www.eci.gov.in) पर जाना होगा। साइट पर PDF E-Roll का ऑप्शन चुने। फिर अपने राज्य, जिला व निर्वाचन क्षेत्र चुनें और मतदान केंद्र के पास Final Roll ऑप्शन पर क्लिक करें। इसी से आप पूरी वोटर-लिस्ट डाउनलोड कर सकते हैं।

ऐसे चेक करें वोटर लिस्ट में अपना नाम

यदि आप सीधे अपना नाम देखना चाहें, तो वेबसाइट पर Search your name in E-roll ऑप्शन पर क्लिक करें। यहां आपको अपना वोटर-कार्ड पर लिखा संख्या या अन्य जानकारी भरनी होगी। इसके बाद Search पर क्लिक करके पता कर लें कि आपका नाम सूची में शामिल है या नहीं।

ऐसे करें वोटर-आईडी डाउनलोड

NVSP या वोटर सर्विसेज पोर्टल पर मोबाइल नंबर, पासवर्ड और कैप्चा दर्ज करके लॉग-इन करें और OTP वेरिफाई करें। लॉगइन के बाद E-EPIC Download विकल्प चुनें और EPIC नंबर या फॉर्म रेफरेंस नंबर से खोजें। विवरण दिखने पर OTP वेरिफिकेशन पूरा करें और अपना डिजिटल वोटर-आईडी (e-EPIC) डाउनलोड कर लें।

जंगल की दुनिया

लायन-टेल्ड मैकाक

लायन-टेल्ड मैकाक, जिसे हिंदी में सिंह पूंछ बंदर भी कहा जाता है, भारत के पश्चिमी घाटों की जैव-विविधता का अनमोल हिस्सा है। लगभग 60-65 सेंटीमीटर लंबे इन बंदरों का शरीर चमकीले काले फर से ढका होता है, जबकि गर्दन के चारों ओर फैला सिल्वर-व्हाइट अयाल इन्हें एक विशिष्ट और राजसी रूप देता है। पूंछ के सिरे पर मौजूद बाल इन्हें शेर जैसी छवि प्रदान करते हैं, इसी कारण इनका यह नाम पड़ा। ये प्रजाति अत्यंत आर्बोरियल है अर्थात् यह अपना जीवन लगभग पूरी तरह पेड़ों पर बिताती है। वर्षावन की ऊंची छतरी में छलांग लगाते हुए ये बंदर अपने समूह के साथ भोजन की तलाश में घूमते हैं। इनके भोजन में मुख्य रूप से फल, बीज, पत्ते, फूल और छोटे-मोटे कीड़े शामिल होते हैं। इनके सामाजिक समूह आमतौर पर छोटे होते हैं, जिसमें एक प्रमुख नर, कई मादाएं और उनके शावक शामिल होते हैं।

इनका व्यवहार अत्यंत शांत और सतर्क होता है। मानव गतिविधियों से ये दूरी बनाए रखते हैं, इसलिए जंगलों में भी इनका देख जाना बहुत दुर्लभ माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ दशकों में तेजी से हो रही वनों की कटाई, सड़क निर्माण और मानव बस्तियों के विस्तार ने इनके प्राकृतिक आवास को गहराई से प्रभावित किया है। International Union for Conservation of Nature (IUCN) ने इन्हें लुप्तप्राय श्रेणी में रखा है, जो बताता है कि इनका अस्तित्व गंभीर खतरे में है। पश्चिमी घाट- दुनिया के आठ "हॉटस्पॉट्स ऑफ बायोडायवर्सिटी" में से एक इनका अंतिम सुरक्षित आश्रय बन चुका है। केरल के साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान, कर्नाटक के कुद्रेमुख और तमिलनाडु के अनामलाई क्षेत्रों में इनके संरक्षण के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। स्थानीय जनजातियों, वन विभाग और शोध संस्थानों के संयुक्त प्रयासों से इस प्रजाति को बचाने की कोशिश जारी है। लायन-टेल्ड मैकाक केवल एक बंदर नहीं, बल्कि पश्चिमी घाट की समृद्ध प्राकृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह एक ऐसी प्रजाति, जिसे बचाना हमारे पारिस्थितिक संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

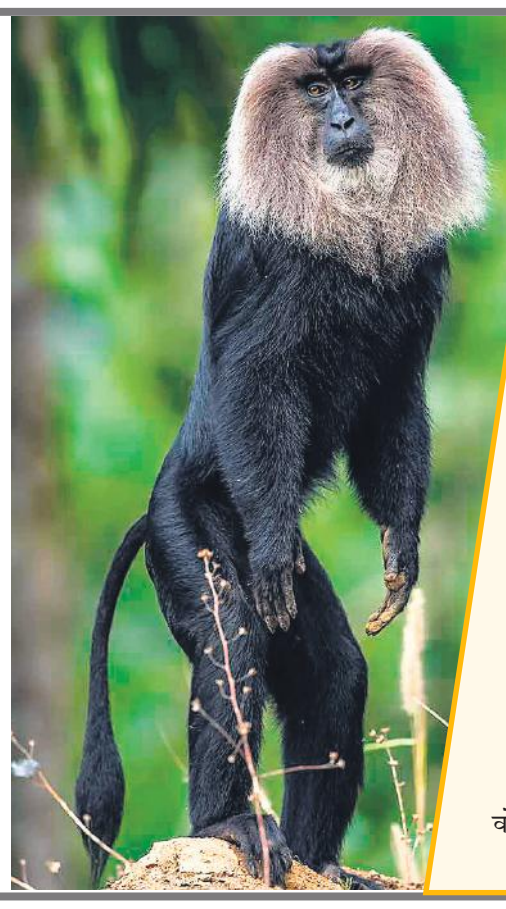

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,720.38	26,215.55
बढ़त	110.88	10.25
प्रतिशत में	0.13	0.39

सोना 1,29,460 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,68,200 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13केजी 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 केजी 1885, क्लासिक (केजी) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505 निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4300, द्वारकेश 4280

जीएसटी युक्तिसंगत बनाने से खपत में तेजी

वित्त मंत्रालय ने कहा- आर्थिक वृद्धि की गति रहेगी बरकरार, खुदरा मुद्रास्फीति अब तक के सबसे निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी की दरों को युक्तिसंगत बनाने से खपत को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है और भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान जोखिमों से निपटने तथा वृद्धि की गति बनाए रखने के लिए मजबूत स्थिति में है। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

वित्त मंत्रालय की अक्टूबर माह की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया कि मुद्रास्फीति के दबाव में कमी आने तथा हाल के कर सुधारों से खर्च योग्य घरेलू आय में वृद्धि से निकट भविष्य में उपभोग का परिदृश्य सकारात्मक लग रहा है। खुदरा मुद्रास्फीति अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह अक्टूबर 2025 में 0.25 प्रतिशत रह गई है जबकि सितंबर 2025 में यह 1.44 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने कहा कि इस गिरावट का मुख्य कारण जीएसटी दरों में कमी, अनुकूल तुलनात्मक आधार प्रभाव और खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट है। अक्टूबर की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया, जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से उपभोग को उल्लेखनीय बढ़ावा मिला है। यह उच्च आवृत्ति संकेतकों (पीएमआई, जीएसटी सग्रह, ई-वे बिल आदि) में मजबूती से पता चलता है।

बिना दावे वाली संपत्तियों के लिए एकीकृत पोर्टल जल्द

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय बैंक जमा, पेंशन, शेयर, लाभांश और अन्य वित्तीय साधनों में फंसी बिना दावे वाली संपत्तियों के लिए दावा प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए आरबीआई के साथ मिलकर एक एकीकृत पोर्टल लाने की प्रक्रिया में है। वित्तीय सेवाओं के सचिव एन. नागराजू ने गुरुवार को पंजाब नेशनल बैंक के एक निवेशक जागरूकता कार्यक्रम में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल्द ही पेश किए जाने वाले इस पोर्टल के जरिये सभी नियामकों के डेटा को आरबीआई द्वारा समन्वित किया जाएगा।

मुद्रा योजना के तहत 55 करोड़ लोगों को 34 लाख करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत : चौधरी

नई दिल्ली। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को कहा कि बैंकों ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 55 करोड़ लाभार्थियों को बिना किसी गारंटी के 34 लाख करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अप्रैल 2015 में की थी। इसका उद्देश्य वंचितों को वित्तपोषित करना है। शुरुआत में इस योजना के तहत अधिकतम ऋण सीमा 10 लाख रुपये थी जिसे 2024-25 के बजट में बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया। चौधरी ने यहां पंजाब नेशनल बैंक द्वारा 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' विषय पर आयोजित शिविर में कहा कि पीएमएमवाई ने अब तक 55 करोड़ लाभार्थियों को बिना किसी गारंटी के ऋण उपलब्ध कराया है। उन्होंने 'आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान' के बारे में बात करते हुए कहा कि सरकार ने निष्क्रिय संपत्तियों पर दावा करने से जुड़े कुछ मुद्दों के समाधान के लिए पहले ही पहल की है, जिसमें दावे की बेहतर संभावना के लिए प्रति बैंक खाते में नामांकित लोगों की संख्या बढ़ाकर चार करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इन उपायों के बावजूद अभी और काम किया जाना बाकी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय क्षेत्र में बिना दावे वाली संपत्तियों पर तीन महीने का राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चार अक्टूबर को शुरू किया था। अभियान का शीर्षक 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' है।

भारत व यूएई ने बाजार पहुंच एफटीए प्रगति पर की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

- व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता के तहत की बैठक

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए बाजार पहुंच, डेटा साझाकरण, डंपिंग रोधी मामलों एवं सेवाओं आदि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की है। वाणिज्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भारत-यूएई ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) के तहत संयुक्त समिति की बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई।

सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। मंत्रालय ने कहा, दोनों पक्षों ने सीईपीए के तहत प्रगति की व्यापक समीक्षा की। साथ ही बाजार पहुंच के मुद्दों, डेटा साझाकरण, स्वर्ण टीआरक्यू (निश्चित मात्रा तक कम शुल्क पर) आवंटन, डंपिंग रोधी मामलों, सेवाओं, उत्पत्ति के नियमों, बीआईएस लाइसेंसिंग पर विस्तृत चर्चा की। भारतीय पक्ष ने यूएई को पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से स्वर्ण टीआरक्यू आवंटन पर अपने हालिया निर्णय के बारे में भी जानकारी दी। दोनों पक्षों ने औषधि क्षेत्र में विनियामक सहयोग बढ़ाने, उत्पत्ति प्रमाण पत्र से संबंधित मुद्दों के समाधान पर चर्चा की। साथ ही कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), भारत तथा संयुक्त अरब अमीरात के जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण मंत्रालय के बीच खाद्य सुरक्षा तथा तकनीकी आवश्यकताओं पर समझौता ज्ञापन पर शीघ्र हस्ताक्षर करने पर भी विचार-विमर्श किया।

एसबीआई को पांच-छह साल तक इक्विटी पूंजी की जरूरत नहीं : शेट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसबीआई के चेयरमैन बोले- क्यूआईपी के जरिये जुटाई पूंजी से ऋण वृद्धि को मिलेगा समर्थन

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि इस साल की शुरुआत में पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये जुटाई गई 25,000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी से 12 लाख करोड़ रुपये की ऋण वृद्धि को समर्थन मिलेगा। साथ ही पांच से छह साल तक पूंजी पर्याप्तता अनुपात 15 प्रतिशत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि ऋण पूंजी के संबंध में बैंक आवधिक प्रक्रिया के तहत बॉन्ड के माध्यम से 12,500 करोड़ रुपये जुटाएगा।

शेट्टी ने कहा, इस क्यूआईपी के शुरू होने से पहले भी, ऋण वृद्धि को वित्तपोषित करने की हमारी क्षमता कभी समस्या नहीं रही। हम पूंजी अनुपात को मजबूत करना चाहते थे, इसलिए हमने ऐसा किया। हमारी दीर्घकालिक रणनीति सीआरएआर को 15 प्रतिशत और 'कॉमन इक्विट टियर-1' को 12 प्रतिशत पर बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि इस तरह का पूंजी-जोखिम परिसंपत्ति अनुपात (सीआरएआर) बैंक को 12000 अरब रुपये से अधिक के अग्रिमों को वित्तपोषित करने की क्षमता प्रदान करता है।

एसबीआई के चेयरमैन ने कहा, आज की लाभ दर के साथ, अगर यही लाभप्रदता अगले पांच से छह वर्ष तक बनी रहती है, तो हमें कम से कम सीईटी-1 पर कोई भी पूंजी जुटाने की आवश्यकता नहीं होगी। एसबीआई ने इस साल जुलाई में अपने इक्विटी शेयर के पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 25,000 करोड़ रुपये जुटाए। इससे यह भारतीय पूंजी बाजारों में अब तक का सबसे बड़ा क्यूआईपी बन गया। इससे पहले बैंक ने जून 2017 में क्यूआईपी के जरिये 15,000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाई थी।

सड़क निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करें, वरना कार्रवाई होगी : गडकरी

अहमदाबाद। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गांधीनगर में एनएचएआई के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और ठेकेदारों को चेतावनी दी कि सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता बनाए रखें, अन्यथा कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।

- गडकरी ने ठेकेदारों को चेताया

बुधवार को हुई समीक्षा बैठक के दौरान सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने ठेकेदारों से राजमार्गों के निर्माण के साथ-साथ पुनर्निर्माण में लोगों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को भी कहा। राज्य सरकार की एक विज्ञप्ति में बृहस्पतिवार को कहा गया कि गडकरी ने आश्वासन दिया कि केंद्र गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, पुनर्निर्माण तथा संबंधित परियोजनाओं के लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित करेगा। गडकरी ने बुधवार को गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग -48 के निर्माणाधीन खंड का निरीक्षण किया और मोतीपुर फ्लाईओवर तथा राजमार्ग पर एक अंडरपास पर किए जा रहे काम की प्रगति की समीक्षा की। गुजरात के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित समीक्षा बैठक में गडकरी ने अधिकारियों और ठेकेदारों से कहा, सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करें, अन्यथा कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।

विदेशी संपत्तियों का खुलासा नहीं करने वालों को संदेश भेजेगा आयकर विभाग

नई दिल्ली, एजेंसी

- 28 नवंबर से एसएमएस एवं ईमेल भेजना करेगा शुरू, 31 दिसंबर तक आईटीआर दाखिल करने की सलाह

आयकर विभाग ने गुरुवार को कहा कि लगभग 25,000 करदाताओं के अधिक-जोखिम वाले मामलों को चिन्हित किया गया है जिनमें उन्होंने अपने आयकर रिटर्न में विदेशी परिसंपत्तियों का विवरण नहीं दिया है।

विभाग ने कहा कि इन चिह्नित लोगों को 28 नवंबर से एसएमएस एवं ईमेल भेजना शुरू किया जाएगा और उन्हें दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए 31 दिसंबर, 2025 तक संशोधित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की सलाह दी जाएगी। दिसंबर मध्य से शुरू होने वाले अभियान के दूसरे चरण में दूसरे मामलों को भी शामिल करने के लिए इसका दायरा बढ़ाया जाएगा। पिछले साल भी आयकर विभाग ने स्वचालित सूचना आदान-प्रदान (एईओआई) व्यवस्था के तहत विदेशी क्षेत्राधिकारों द्वारा सूचित ऐसे करदाताओं को संदेश भेजे थे, जिन्होंने अपने विदेशी निवेश और खातों का विवरण आईटीआर में नहीं दिया था। इस पहल का परिणाम यह हुआ था कि कुल 24,678 करदाताओं ने अपने रिटर्न में संशोधन किया और 29,208 करोड़ की विदेशी परिसंपत्तियों एवं 1,089.88 करोड़ रुपये की विदेशी आय की जानकारी भी दी।

सूत्रों ने कहा कि बड़ी कंपनियों, जिनके कर्मचारियों के पास विदेशी संपत्ति है और उन्होंने इसका खुलासा नहीं किया है, को भी इस पहल का हिस्सा बनाया गया है।

राष्ट्रीय

ऑनलाइन अश्लीलता से निपटने को बने तटस्थ नियामक

सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया तथा ओटीटी संस्थाओं द्वारा अपनाए गए मौजूदा स्व-नियमन ढांचे पर किया असंतोष व्यक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मीडिया तथा ओटीटी संस्थाओं द्वारा अपनाए गए मौजूदा स्व-नियमन ढांचे पर असंतोष व्यक्त किया है और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अश्लील, आपत्तिजनक या अवैध सामग्री की निगरानी के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त नियामक निकाय की आवश्यकता पर बल दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ गुरुवार को पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं में ऑनलाइन शो इंडियाज गॉट लैटेंट से संबंधित कथित अश्लील सामग्री को लेकर दर्ज प्राथमिकी को एक साथ करने की मांग की गयी है।

इससे पहले न्यायालय ने ऑनलाइन अश्लीलता पर व्यापक दिशानिर्देश तैयार करने के लिए मामले के दायरे को बढ़ाया था। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को बताया कि केंद्र सरकार नए दिशानिर्देश तैयार कर रही है और हितधारकों से परामर्श कर रही है। मेहता ने कहा कि यह मामला केवल अश्लीलता से नहीं, बल्कि यूट्यूब और समान प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित उपयोगकर्ता-जनित सामग्री में मौजूद विकृति से भी संबंधित है। मुख्य न्यायाधीश ने स्वतंत्र कंटेंट क्रिएटर्स के लिए किसी भी नियामक ढांचे की अनुपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए टिप्पणी करते हुए कहा, तो मैं अपना चैनल बनाता हूं, मैं किसी के प्रति जवाबदेह नहीं हूं... किसी को तो जवाबदेह होना चाहिए! उन्होंने कहा कि बोलने की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे विकृति को सही ठहराने के लिए नहीं बढ़ाया जा सकता।

इंडियन ब्रॉडकास्ट एंड डिजिटल फाउंडेशन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अमित सिब्बल ने कहा कि आईटी नियम, 2021 पहले से ही एक नियामक ढांचा प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) गीता मित्तल की अध्यक्षता वाले निकाय के माध्यम से स्वेच्छा से कंटेंट लेबलिंग, आयु वर्गीकरण और शिकायत निवारण लागू करते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने हालांकि इस मॉडल पर गहरी आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा, स्व-घोषित निकाय मदद नहीं करेंगे। एक तटस्थ स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है। उन्होंने सवाल किया कि अगर स्व-नियमन प्रभावी है, तो उल्लंघन क्यों जारी हैं। न्यायमूर्ति बागची ने भी चिंता को दोहराते हुए हानिकारक कंटेंट के तेजी से फैलने की चेतावनी दी। उन्होंने पूछा, एक बार निंदनीय सामग्री अपलोड हो जाने के बाद, जब तक अधिकारी प्रतिक्रिया करते हैं, तब तक वह लाखों लोगों तक वायरल हो चुकी होती है। आप उसे कैसे नियंत्रित करेंगे? मुख्य न्यायाधीश ने हाशिए पर रहनेवाले समुदायों पर आपत्तिजनक सामग्री के प्रभाव पर भी प्रकाश डाला।

प्रदूषण पर कहा- एक न्यायिक मंच कौन-सी जादुई छड़ी घुमा सकता है

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगातार खराब होती वायु गुणवत्ता से संबंधित एक याचिका पर तीन दिसंबर को सुनवाई करने पर गुरुवार को सहमति जताई। न्यायालय ने कहा कि इस मुद्दे की नियमित रूप से निगरानी की आवश्यकता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह के उस अभ्यावेदन पर गौर किया कि दिल्ली-एनसीआर में चिंताजनक स्थिति है और यह एक स्वास्थ्य आपातकाल है। अधिवक्ता अपराजिता सिंह वायु प्रदूषण मामले में पीठ के लिए न्यायमित्र की भूमिका निभा रही हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, एक न्यायिक मंच कौन-सी जादुई छड़ी घुमा सकता है? मुझे पता है कि यह दिल्ली-एनसीआर के लिए खतरनाक स्थिति है। हम सब समस्या जानते हैं। मुद्दा यह है कि समाधान क्या है? हमें कारणों की पहचान करनी होगी और समाधान तो केवल विशेषज्ञ ही दे सकते हैं। हमें उम्मीद है और अपेक्षा भी कि दीर्घकालिक समाधान खोजे जाएंगे। उन्होंने कहा, मुझे बताइए कि हम क्या निर्देश दे सकते हैं? हम कुछ दिशानिर्देश जारी करें और तुरंत साफ हवा में सांस लेने लगें। हमें यह भी देखना होगा कि प्रत्येक क्षेत्र में क्या समाधान हो सकते हैं। आइए देखें कि सरकार ने क्या समिति गठित की है। न्यायालय ने 19 नवंबर को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से कहा था कि वह दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को नवंबर-दिसंबर में निर्धारित, खुले में होने वाले खेल आयोजनों को जहरीली हवा को देखते हुए स्थगित करने का निर्देश देने पर विचार करे। न्यायालय ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत सालभर पाबंदियां लगाने से इनकार कर दिया था। ग्रैप एक आपातकालीन ढांचा है जिसके तहत प्रदूषण के गंभीर स्तर पर कुछ गतिविधियों पर रोक लगाई जाती है।

कांग्रेस ने आंतरिक कलह और सीट बंटवारे में देरी को बताया हार का कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

- खरगे और राहुल ने प्रत्याशियों को दिल्ली बुलाकर जानी हार के पीछे की कहानी
- सरकार द्वारा महिलाओं को 10 हजार रुपये दिए जाने को भी बताया वजह

कांग्रेस नेतृत्व ने बृहस्पतिवार को बिहार विधानसभा में निर्वाचित अपने विधायकों तथा हारे उम्मीदवारों के साथ चुनाव नतीजों पर समीक्षा बैठक की, जिसमें कई नेताओं यह कहा कि महागठबंधन में समय पर सीट बंटवारा नहीं होने, 'आंतरिक कलह' और नीतीश कुमार सरकार द्वारा महिलाओं को 10-10 हजार रुपये दिया जाना करारी हार के मुख्य कारण रहे।

कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में हुई इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नेताओं के साथ 10-10 के समूह में बातचीत की तथा उनसे हार के कारणों के बारे में जाना। इस बैठक में कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम भी थे। बैठक के दौरान कांग्रेस के एक उम्मीदवार और सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के एक समर्थक नेता के बीच पर कहासुनी की भी खबर है। बैठक के बाद अररिया से कांग्रेस के विधायक आबिदुर रहमान ने बताया कि हार के कई कारण थे। पहला कारण है कि आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए 10-10 हजार रुपये दिए गए। गठबंधन में सीट बंटवारा सही समय पर नहीं हो सका। 10-11 सीटों पर दोस्ताना मुकाबला हुआ, जिससे जनता में अलग संदेश गया।

आतंकी मुजम्मिल के फरीदाबाद में दो और ठिकानों का खुलासा

फरीदाबाद। दिल्ली में 10 नवंबर को हुए विस्फोट की जांच में पता चला है कि आतंकवादी घटना से जुड़े सफेदपोश मॉड्यूल के प्रमुख संदिग्धों में से एक डॉ. मुजम्मिल गनई के अल-फलाह विश्वविद्यालय के पास फरीदाबाद में दो और ठिकाने थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, फतेहपुर तगा और धौज में जगहें किराए पर लेने के अलावा, मुजम्मिल ने खोरी जमालपुर गांव के पूर्व सरपंच से कश्मीरी फलों का व्यवसाय शुरू करने के बहाने एक घर और एक किसान की जमीन पर एक छोटा कमरा किराए पर लिया था। जुम्मा खान के इस आवास में तीन शयनकक्ष, एक हॉल और रसोईघर है। यह अल-फलाह विश्वविद्यालय से लगभग चार किलोमीटर दूर है।

खेती के नए तरीके अपनाने के लिए 7 किसानों को पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

इन किसानों को किया गया सम्मानित

पुरस्कार पाने वालों में जैविक-प्राकृतिक खेती के लिए नरेंद्र सिंह मेहरा, संरक्षित खेती के लिए खेमा राम चौधरी, कृषि स्टार्ट-अप के लिए गुरप्रीत सिंह शेरगिल, रवींद्र मानिकराव मेटकर, डेयरी फार्मिंग के लिए सुरेंद्र अवाना, मत्स्यपालन के लिए शिव प्रसाद साहनी और कृषि में नई प्रौद्योगिकी के लिए अभिषेक धामा हैं।

खेती में नवाचार और उद्यमशीलता के लिए सात किसानों को पुरस्कार दिया गया है। किसान ऑफ इंडिया सम्मान के अंतर्गत जैविक/प्राकृतिक खेती, संरक्षित खेती, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि स्टार्ट-अप, डेयरी फार्मिंग, मत्स्यपालन और खेती में नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया।

राजस्थान के जोधपुर के एक उद्यमी, अमित सोनी ने बताया कि कैसे संसद में उनके बाजरे से बने चॉकलेट ट्रफल केक को काटा गया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसकी तारीफ की। सना खान को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'मन की बात' प्रोग्राम में वर्मीकम्पोस्ट में उनके प्रयासों की तारीफ किए जाने के बाद ख्याति मिली। उन्हें युवाओं से खेती अपनाने की अपील की।

बंगाल में अवैध सुनवाई के दौरान टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या

बंगाल। मालदा जिले में कंगारू कोर्ट (अवैध अदालत) में हिंसा हो जाने के बाद बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की कथित तौर पर हत्या कर दी गई और पांच अन्य घायल हो गए। कालियाचक थाना क्षेत्र के राजनगर में खेत में ट्रैक्टर चलाने को लेकर विवाद को सुलझाने के लिए हो रही कंगारू कोर्ट के दौरान यह घटना हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान इकरामुल शेख (45) के रूप में हुई है। इकरामुल और टीएमसी बूथ अध्यक्ष समसुल शेख के बीच कई दिनों से विवाद था तथा दोनों ने पहले पुलिस से संपर्क किया था, लेकिन उनके परिवारों का दावा है कि कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई।

निर्णायक क्षण था ऑपरेशन सिंदूर की सफलता

- चाणक्य डिफेंस डायलॉग के तीसरे संस्करण सत्र को राष्ट्रपति मुर्मू ने किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता देश की आतंकवाद निरोधक और रोकथाम रणनीति के लिए निर्णायक क्षण थी। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया ने न सिर्फ भारत की सैन्य क्षमता पर, बल्कि शांति की तलाश में मजबूती से, लेकिन जिम्मेदारी से काम करने की उसकी नैतिक स्पष्टता पर भी ध्यान दिया।

यहां सेना की मेजबानी में आयोजित 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग' के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र में अपने भाषण में मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सभ्यतागत लोकाचारों से निर्देशित होकर हमने दिखाया है कि वैश्विक जिम्मेदारी के साथ रणनीतिक स्वायत्तता अस्तित्व में रह सकती है। मुर्मू ने कहा, 'हमारी कूटनीति, हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे सशस्त्र बल मिलकर ऐसा भारत प्रस्तुत करते हैं जो शांति चाहता है, लेकिन अपनी सीमाओं और अपने नागरिकों की मजबूती और दृढ़संकल्प के साथ रक्षा करने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने भारत की संप्रभुता की रक्षा में पेशेवर तरीके और देशभक्ति की मिसाल पेश की है। मुर्मू ने कहा, हर सुरक्षा चुनौती के दौरान, चाहे वह परंपरागत हो, उग्रवाद रोधी हो या मानवीयता से जुड़ी हो, हमारी सेनाओं ने उल्लेखनीय तरीके से अनुकूलनशीलता और संकल्प प्रदर्शित किया है। मंचासीन सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी इस मौके पर संबोधन दिया।

राहुल विदेशी सोशल मीडिया से भारत विरोधी विमर्श गढ़ रहे : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, सिंगापुर और अन्य देशों में स्थित 'सोशल मीडिया अकाउंट' राहुल गांधी और वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र के इशारे पर भारत विरोधी माहौल बना रहे हैं। भाजपा ने दावा किया कि कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा का 'एक्स' अकाउंट भी अमेरिका में स्थित है। राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने विभिन्न 'एक्स' खाते दिखाए, जिन्हें विदेश में बनाया गया उन्होंने इन खातों के माध्यम से निर्वाचन आयोग, भाजपा-आरएसएस, पीएम मोदी के खिलाफ विभिन्न मुद्दों पर सोशल मीडिया अभियान चलाए जाने का उल्लेख किया, जिसमें वोट चोरी के आरोप भी शामिल हैं।

नेपाल ने 100 रुपये के नए नोट में भारतीय क्षेत्रों को अपना बताया

- भारत ने जताया विरोध, मानचित्र में विवादास्पद कालापानी, लिपुलेख व लिंपियाधुरा क्षेत्र शामिल

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को 100 रुपये के नए नोट जारी किए, जिन पर देश का संशोधित मानचित्र छपा है, जिसमें विवादास्पद कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा क्षेत्र भी शामिल हैं। भारत ने इस कदम को कृत्रिम विस्तार बता विरोध जताया है।

नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) के नए नोट पर पूर्व गवर्नर महाप्रसाद अधिकारी के हस्ताक्षर हैं। बैंक नोट पर जारी करने की तिथि 2081 बीएस अंकित है, जो गत वर्ष 2024 को दर्शाती है। तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान, नेपाल ने मई 2020 में संसद के अनुमोदन के माध्यम से कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा क्षेत्रों को शामिल करते हुए मानचित्र को अद्यतन किया था।

एनआरबी के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह मानचित्र पुराने 100 रुपये के बैंक नोट में पहले से ही मौजूद है और सरकार के निर्णय के अनुसार इसे संशोधित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 10 रुपये, 50 रुपये, 500 रुपये और 1,000 रुपये जैसे विभिन्न नोटों में से केवल 100 रुपये के बैंक नोट पर ही नेपाल का मानचित्र अंकित है। भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा उसके क्षेत्र हैं। नेपाल पांच भारतीय राज्यों - सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1850 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा साझा करता है।

नेपाल, भारत और चीन के बीच त्रिकोणीय सीमा विवाद

नेपाल और चीन के साथ भारत का सीमा विवाद एक जटिल मुद्दा है, जिसमें कई क्षेत्र शामिल हैं। तीनों देशों के बीच त्रिकोणीय विवाद कभी भी सुलग उठता है। नेपाल के साथ विवाद में लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी जैसे क्षेत्र शामिल हैं। सीमा विवाद में चीन हमेशा से नेपाल को समर्थन देता आया है, जबकि भारत इन दावों को खारिज करता रहा है। कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा जो नेपाल के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में भारत-नेपाल-चीन त्रि-जंक्शन के निकट स्थित हैं। ये क्षेत्र वर्तमान में भारत के अधीन हैं और नेपाल का दावा है कि ये उसके क्षेत्र हैं। तनाव तब और बढ़ गया जब नेपाल ने 2020 में एक नया राजनीतिक मानचित्र जारी किया जिसमें ऐसे विवादित क्षेत्रों को अपने क्षेत्र का हिस्सा बताया था, इसके बाद कई बार नेपाल इन क्षेत्रों को अपना बताता रहा है।

नेपाल के साथ सीमा विवाद

नेपाल और भारत के बीच 1850 किलोमीटर लंबी सीमा है, जो पांच भारतीय राज्यों सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से जुड़ी हुई है। विवादित क्षेत्रों में कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा शामिल हैं, जो भारत के उत्तराखंड राज्य में स्थित हैं। नेपाल इन क्षेत्रों को अपना हिस्सा मानता है, जबकि भारत इन्हें अपना क्षेत्र मानता है।

चीन से सीमा विवाद

चीन और भारत के बीच भी सीमा विवाद है, जिसमें अक्साई चिन और अरुणाचल प्रदेश जैसे क्षेत्र शामिल हैं। चीन ने 1962 में भारत पर हमला किया था, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच सीमा विवाद जारी है। हाल ही में, चीन ने भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य के कुछ हिस्सों पर दावा किया है, जिसे भारत ने खारिज कर दिया है।

मानचित्रों में अरुणाचल भारत का

भारत और चीन के बीच 3,500 किलोमीटर लंबी सीमा है, जिसे लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) कहते हैं। सीमा पर मौजूद कुछ इलाकों को लेकर विवाद है, जिसकी वजह से कई बार दोनों देशों के बीच तनाव भी देखा गया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अरुणाचल प्रदेश को भारत के हिस्से के तौर पर मान्यता प्राप्त है, मानचित्रों में इसे भारत के हिस्से के तौर पर दर्शाया गया है, लेकिन चीन ऐसा मानने को तैयार नहीं है। चीन इसे दक्षिणी तिब्बत बताता है और वो कहता है कि तिब्बत का बड़ा हिस्सा भारत के पास है।

नेपाल से तीन विवादित क्षेत्र जो भारत के लिए महत्वपूर्ण

1. कालापानी : भारत के उत्तराखंड राज्य के पिथौरागढ़ ज़िले में लगभग 3,600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह सामरिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह चीन सीमा के पास स्थित है और भारत द्वारा सैन्य निगरानी के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

2. **लिपुलेख दर्रा** : लिपुलेख एक ऊंचा पहाड़ी दर्रा है जो तिब्बत के लिए व्यापार और तीर्थयात्रा मार्ग के रूप में कार्य करता है। यह हिंदू तीर्थयात्रियों द्वारा की जाने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत के लिए यह मार्ग आर्थिक व सुरक्षा उद्देश्यों के लिए महत्वपूर्ण है, विशेषकर तिब्बत से संपर्क बनाए रखने के लिए।

3. **लिंपियाधुरा** : नेपाल के अनुसार यह पहाड़ी क्षेत्र है और काली नदी का उद्गम स्थल है। तर्क है कि काली नदी का वास्तविक उद्गम स्थल लिंपियाधुरा है, जिससे सम्पूर्ण सीमा पश्चिम की ओर स्थानांतरित हो जाएगी, तथा कालापानी और लिपुलेख दोनों नेपाल में आ जाएंगे। भारत का तर्क है कि लिम्पियाधुरा नदी का वास्तविक स्रोत नहीं है।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन में ट्रेन दुर्घटना में 11 की मौत, दो घायल

बीजिंग। चीन के दक्षिण-पश्चिमी शहर कुनमिंग में बृहस्पतिवार तड़के रेल पटरी पर काम कर रहे कर्मचारी एक ट्रेन की चपेट में आ गए जिससे 11 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चीन रेलवे कुनमिंग ग्रुप कंपनी लिमिटेड के अनुसार, यह दुर्घटना युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग के लुयांगझेन स्टेशन पर हुई। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और रेलवे स्टेशन पर परिचालन बहाल हो गया है।

बारिश, भूस्खलन से श्रीलंका में 31 की मौत

कोलंबो। श्रीलंका में बीते 11 दिन में मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 31 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 4,000 लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि अकेले मध्य पर्वतीय जिलों में 18 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। डेली मिरर ऑनलाइन की खबर के अनुसार एक भयावह घटना में, कुंबुक्कना में बढ़ते जलस्तर के बीच एक यात्री बस फंस गई, जिसके बाद आपात दलों ने 23 यात्रियों को सफलतापूर्वक बचा लिया।

अमेरिका में छह तीव्रता का भूकंप आया

सुसित्ना। अमेरिका में एंकोरेज महानगरीय क्षेत्र में गुरुवार सुबह 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएमजीएस) ने यह जानकारी दी। भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8:11 बजे 69 किलोमीटर की गहराई पर आया।

भारत-इंडोनेशिया मुक्त, शांतिपूर्ण व समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए प्रतिबद्ध

रक्षा मंत्री राजनाथ ने इंडोनेशिया के समकक्ष संग की बैठक, दोनों देशों ने रक्षा संबंधों पर सहमति जताई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और इंडोनेशिया ने अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के अधिकार पर आधारित मुक्त, खुले, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द प्रशांत के महत्व को दोहराते हुए इसके लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है। दोनों देशों ने रक्षा संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने पर भी सहमति व्यक्त की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को यहां इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री सजाफरी सजामसोएद्दीन के साथ तीसरे भारत-इंडोनेशिया रक्षा मंत्री संवाद की सह-अध्यक्षता की। बैठक में दोनों देशों ने दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की पुष्टि की।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत में शांति और सुरक्षा पर रणनीतिक दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत और इंडोनेशिया ऐसे मुक्त, खुले, शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत के पक्षधर हैं जो अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के सम्मान पर आधारित हो। इंडोनेशिया ने 'हिन्द प्रशांत पर आसियान के दृष्टिकोण' और भारत के 'हिन्द प्रशांत महासागर पहल' के साझा सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए क्षेत्र में शांति और सहयोग को बढ़ावा देने में भारत को एक प्रमुख भागीदार बताया। दोनों पक्षों ने 'इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन' सहित बहुपक्षीय ढांचों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने समुद्री क्षेत्र जागरूकता, साइबर और संयुक्त संचालन तैयारी में व्यवहारिक सहयोग बढ़ाने का संकल्प जताया। दोनों देशों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की मजबूत नींव, रक्षा सहयोग समझौता और संयुक्त रक्षा सहयोग समिति के प्रति वचनबद्धता को दोहराया। इंडोनेशिया ने रक्षा उद्योग सहयोग समिति बनाने के भारत के प्रस्ताव का स्वागत किया, जिसका उद्देश्य तकनीक हस्तांतरण, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, समन्वयन और आपूर्ति श्रृंखला संबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने सुपर गरुड़ शील्ड, गरुड़ शक्ति, समुद्र शक्ति, मिलन और एयर मैन्यूवर जैसे अभ्यासों की सराहना की।

नई दिल्ली में इंडोनेशिया के समकक्ष के साथ बैठक करते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। एजेंसी

दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

दोनों पक्षों ने अधिकारी आदान-प्रदान, संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों और रक्षा शिक्षा संस्थानों के दौरे जारी रखने पर भी सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने हिंद महासागर में समन्वय सहित समुद्री सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने फिलिस्तीन में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और मानवीय सहायता, संघर्षोत्तर पुनर्निर्माण और बहुपक्षीय शांति प्रयासों में सहयोग की संभावनाओं पर विचार किया। इंडोनेशिया ने संयुक्त राष्ट्र के कानूनों के तहत गाजा में शांति सैनिक भेजने की अपनी तत्परता व्यक्त की। भारत ने सेना की रिमाउंट वेटरनरी कोर द्वारा इंडोनेशिया को घोड़े और एक पारंपरिक बग्गी भी भेंट करने की घोषणा की। दोनों मंत्रियों ने कहा कि उनके बीच उच्च स्तरीय संवाद से हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति, स्थिरता और समृद्धि में योगदान मिलेगा।

भ्रष्टाचार के 3 मामलों में हसीना को 21 साल सजा

- बांग्लादेश की एक अदालत ने भूमि आवंटन में गड़बड़ी से जुड़े मामले में सुनाई सजा
- हसीना के बेटे जॉय और बेटी साइमा को भी पांच-पांच साल कैद की सजा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को एक सरकारी आवास परियोजना के लिए भूमि आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के तीन मामलों में गुरुवार को 21 साल की जेल की सजा सुनाई। ढाका विशेष न्यायाधीश न्यायालय-5 के न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने हसीना (78) को पूर्वाचल स्थित राजुक न्यू टाउन परियोजना में भ्रष्टाचार के तीन मामलों में सात-सात साल की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने कहा कि हसीना को ये सजाएं एक के बाद एक काटनी होंगी और कुल सजा 21 साल की होगी। न्यायाधीश ने हसीना पर प्रत्येक मामले में एक लाख टका का जुर्माना भी लगाया और राशि जमा न करने पर 18 महीने अतिरिक्त जेल में रहने की सजा सुनाई। न्यायाधीश मामून ने हसीना के बेटे साजिब वाजेद जॉय और बेटी साइमा वाजेद पुतुल को भी राजधानी के पास स्थित आवासीय परियोजना में उनके खिलाफ दर्ज मामलों में पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाई। जॉय और पुतुल पर एक-एक लाख टका का जुर्माना लगाया गया और इसका भुगतान न करने पर एक महीने अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई गई। न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा, भूखंड शेख हसीना को बिना किसी आवेदन के और गैरकानूनी तरीके से आवंटित किया गया था। दस दिन पहले एक विशेष न्यायाधिकरण ने पिछले वर्ष छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों पर हसीना सरकार की क्रूर कार्रवाई को लेकर 'मानवता के विरुद्ध अपराध' के लिए पूर्व प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। हसीना ने आरोपों को पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया था। हसीना पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों के चलते अपनी पार्टी की सरकार गिरने के बाद अगस्त में भारत चली गई थीं।

वहीं, भारत ने कहा था कि वह हसीना के प्रत्यर्पण के अंतरिम सरकार के अनुरोध पर गौर कर रहा है। वह बांग्लादेश के लोगों के सर्वोत्तम हितों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

19 अन्य को भी सुनाई सजा

हसीना परिवार के अलावा, पूर्व आवास राज्य मंत्री शरीफ अहमद तथा आवास मंत्रालय और राजधानी उन्नयन कर्त्रीपक्का के अधिकारियों सहित कुल 20 अन्य लोगों के खिलाफ भी मुकदमा चलाया गया। इनमें से एक को छोड़कर सभी को विभिन्न अवधि के कारावास की सजा सुनाई गई। इस मामले में मंत्रालय के एक कनिष्ठ अधिकारी को बरी किया गया। केवल एक आरोपी ने अदालत में व्यक्तिगत रूप से मुकदमे का सामना किया और उसे तीन वर्ष की सजा सुनाई गई।

हांगकांग : बहुमंजिला इमारत में आग से मरने वालों की संख्या 83 हुई

- 279 अब भी लापता, शहर के आधुनिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक

हांगकांग, एजेंसी

हांगकांग के एक बहुमंजिला आवासीय परिसर में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 83 हो गई है। दमकलकर्मी दूसरे दिन भी बहुमंजिला आवासीय परिसर लगी आग को बुझाने में जुटे रहे। इस अग्निकांड को शहर के आधुनिक इतिहास की सबसे भयानक आग की घटनाओं में से एक बताया जा रहा है।

ताई पो जिले में हांगकांग की सीमा से सटे उत्तरी उपनगर में स्थित वांग फुक कोर्ट परिसर के कुछ फ्लैट से गुरुवार शाम तक घना धुआं उठता देखा गया। इमारतों के अंदर आग की लपटें भी दिखाई दे रही थीं। इस परिसर में कई बहुमंजिला इमारतें हैं जहां हजारों लोग रहते हैं। हांगकांग के नेता जॉन ली ने बताया कि गुरुवार सुबह तक 279 लोगों के लापता होने की सूचना थी। कुछ इमारतों में बचाव कार्य जारी है, लेकिन अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि कितने लोग अभी भी लापता हैं या कितने अंदर फंसे हुए हैं। दमकलकर्मी बुधवार दोपहर से ही आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। आग सबसे पहले बांस की मचान और निर्माण जालियों में लगी जिसके बाद परिसर की आठ में से सात इमारतों में तेजी से फैल गई। चार इमारतों में आग लगभग बुझाई जा चुकी है।

कमजोर प्रवासन नीति बड़ा खतरा

नेशनल गार्ड के दो कर्मियों पर हमले के बाद बोले ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो कर्मियों पर हुआ जघन्य हमला यह साबित करता है कि कमजोर प्रवासन नीतियां हमारे राष्ट्र के समक्ष सबसे बड़ा राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा हैं। ट्रंप ने कहा कि कोई भी देश अपनी अस्तित्व के लिए ऐसे खतरे को बर्दाश्त नहीं कर सकता। एक वीडियो में ट्रंप ने यह बात कही।

अमेरिका में पहले ही आक्रामक निर्वासन कार्रवाइयां जारी हैं और गोलीबारी की घटना पर उनकी इस कड़ी प्रतिक्रिया से माना जा रहा है कि इस मुद्दे से उनका ध्यान नहीं हटेगा। गोलीबारी का संदिग्ध अफगान नागरिक है। वह 2021 में ऑपरेशन अलाइज वेलकम बाइडन प्रशासन का कार्यक्रम के तहत अमेरिका पहुंचा था।

जी20 में द. अफ्रीका को नहीं करेंगे आमंत्रित

न्यूयॉर्क। ट्रंप ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष फ्लोरिडा में उनके देश की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण नहीं मिलेगा। दक्षिण अफ्रीका कहीं भी सदस्यता के लिए योग्य नहीं है। अमेरिका ने अफ्रीका से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है और वह एक दिसंबर, 2025 से 30 नवंबर, 2026 तक इस समूह का नेतृत्व करेगा।

रूस से भ्रामक झंडों वाले 30 जहाजों के जरिये भारत को 2.1 अरब यूरो का तेल हुआ निर्यात

- यूरोपीय शोध संस्थान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयरने दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में रूस से 54 लाख टन कच्चे तेल का आयात किया, जिसका मूल्य 2.1 अरब यूरो रहा। यह तेल पहचान छुपाने के मकसद से भ्रामक झंडों के तहत संचालित 30 जहाजों के जरिये भेजा गया था। यूरोपीय शोध संस्थान 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) ने बृहस्पतिवार को अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

भ्रामक झंडे का मतलब है कि जहाज अपने असली देश का झंडा न लगाकर किसी दूसरे देश का झंडा लगाकर चलता है, ताकि उसकी पहचान एवं स्वामित्व का पता न चल सके। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस का लगातार बढ़ता हुआ 'छद्म जहाजी बेड़ा' अब उसके तेल निर्यात का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। हेलसिंकी स्थित सीआरईए ने कहा कि जनवरी-सितंबर, 2025 के दौरान 113 रूसी जहाजों ने इन गलत झंडों का इस्तेमाल किया।

सितंबर में 90 रूसी छद्म जहाज नकली झंडों के तहत हुए संचालित

सितंबर 2025 के अंत में 90 रूसी छद्म जहाज नकली झंडों के तहत संचालित हो रहे थे। यह संख्या दिसंबर 2024 के मुकाबले छह गुना है। सीआरईए ने कच्चा तेल लेकर भारत आने वाले जहाजों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इनमें से 30 जहाज भारत तेल लेकर आए। भारत को 2.1 अरब यूरो मूल्य का तेल भेजा गया, जो इस श्रेणी में सबसे बड़ा आयात है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस पर लगे प्रतिबंधों और यूरोपीय मांग कम होने से भारतीय कंपनियों को तेल काफी रियायती दरों पर मिलने लगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 28 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 29 नवंबर 00.15 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

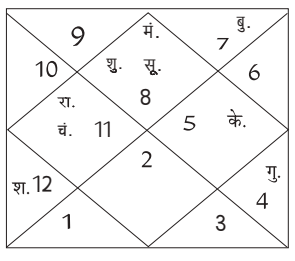

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-शतभिषा 29 नवंबर 02.49 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष – आज धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दांपत्य संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आप महत्वपूर्ण मीटिंग में सम्मिलित हो सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे।

वृष – आज कारोबार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ मिलेगा। आय के नए स्रोत विकसित होंगे। युवा जातक अपने करियर को लेकर अत्यंत सक्रिय रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

मिथुन – आज बड़े बुजुर्ग लोगों की सलाह आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगी। नई उपलब्धियां मिलने से आप उत्साहित रहेंगे। जीवनसाथी को कार्यक्षेत्र में उत्तम परिणाम मिलेंगे। आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं।

कर्क – आज आपके काम समय पर पूरे न होने से नुकसान होगा। रुका हुआ धन आपको वापस मिलने में परेशानी होगी। नया कार्य आरंभ करने में जल्दबाजी न करें। मन में नकारात्मक विचार उत्पन्न होंगे। बच्चे पढ़ाई को लेकर लापरवाही कर सकते हैं।

सिंह – आज विदेश में रहने वाले लोगों को अच्छी जॉब मिल सकती है। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलने की संभावना है। दांपत्य संबंधों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। रिश्तेदारों के माध्यम से आपको धन लाभ हो सकता है।

कन्या – आज काम की अधिकता के बावजूद आप परिवार को समय देंगे। उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। घर की मरम्मत की योजना बना सकते हैं। आपकी प्रतिभा की कार्यक्षेत्र में प्रशंसा होगी।

तुला – आज पैतृक धन-संपदा में वृद्धि होगी। धर्म-कर्म में आपका विश्वास बढ़ेगा। कानूनी मामलों में आपको विजय मिलने की संभावना है। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी। संतान की उन्नति से आपका मन प्रसन्न होगा।

वृश्चिक – आज अपना व्यवहार किसी के प्रति खराब न करें। अपनी कार्यक्षमता पर विश्वास रखें। माता की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है। आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए। छात्र पढ़ाई को लेकर थोड़ी लापरवाही कर सकते हैं।

धनु – आज जॉब कर रहे लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। आपकी कोई महत्वाकांक्षा पूर्ण हो सकती है। आप काफी मेहनत करेंगे। धार्मिक विषयों पर आप विशेष रुचि लेंगे। आप अपने काम को लेकर समर्पित रहेंगे। ऑनलाइन शॉपिंग में धन खर्च कर सकते हैं।

मकर – आज खर्चीली वृत्ति के कारण आपकी बचत पर बुरा असर पड़ेगा। मित्रों के साथ छोटी सी बात पर झगड़ा हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ पर्यटन की योजना बनाएंगे। रिश्तेदारों के ऊपर आपको धन खर्च करना पड़ सकता है।

कुंभ – आज नौकरीपेशा लोगों को यात्रा करनी पड़ेगी। मनोरंजन में आप काफी समय बिताएंगे। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा। पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद कम होंगे। रुकी हुई धनराशि आपको वापस मिल सकती है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मीन – आज बेरोजगारों के ऊपर परिवार का दबाव बढ़ेगा। अति-आत्मविश्वास के कारण आप परिस्थितियों का आकलन करने में चूक कर सकते हैं। सरकारी जॉब करने वाले लोगों को परेशानी होगी। सहकर्मी आपको नीचा दिखाने का प्रयास करेंगे।

सुडोकू -174

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			2					
							5	
3								
		7		3				
				1				
					5			
								4
	2				8			

सुडोकू - 173 का हल

1	2	3	9	8	7	6	4	5
8	6	7	4	5	1	3	2	9
5	9	4	6	3	2	1	7	8
2	3	5	8	1	4	7	9	6
9	8	6	3	7	5	2	1	4
4	7	1	2	9	6	5	8	3
7	1	8	5	6	9	4	3	2
6	4	9	1	2	3	8	5	7
3	5	2	7	4	8	9	6	1

मुख्य कोच केवल टीम को तैयार कर सकता है। कोच टीम को तैयार कर सकता है और वह अपने अनुभव से खिलाड़ियों को बता सकता है। लेकिन मैदान में जाकर प्रदर्शन करना खिलाड़ियों का ही काम है।
–सुनील गावस्कर

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गौतम गंभीर के बचाव में उतरे अश्विन

नई दिल्ली : पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 0-2 से मिली हार के बाद आलोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि ऐसे समय में उन्हें बर्खास्त करने की मांग करना सही नहीं है, जब खिलाड़ियों ने पर्याप्त जिम्मेदारी नहीं उठाई है। भारत को मंगलवार को गुवाहाटी में समाप्त हुए दूसरे टेस्ट मैच में रिकॉर्ड 408 रन से हार का सामना करना पड़ा। गंभीर की आलोचना टीम में अधिक से अधिक ऑलराउंडर को शामिल करने को लेकर हो रही है जिससे टीम का संतुलन प्रभावित हो रहा है।

भव्या ने तैराकी में जीता सातवां स्वर्ण पदक

जयपुर : जैन यूनिवर्सिटी की भव्या सचदेवा ने बृहस्पतिवार को यहां खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों (केआईयूजी) में व्यक्तिगत तैराकी स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीतने के बाद महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर मेडले रिले में एक और सोने का तमगा जीता जिससे उनके कुल पदकों की संख्या सात हो गई। भव्या ने पहले दो दिनों में एक व्यक्तिगत व एक रिले स्वर्ण पदक जीता था।

संतोष ट्रॉफी का फाइनल राउंड असम में होगा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बताया कि संतोष ट्रॉफी का फाइनल राउंड अगले साल जनवरी में असम में होगा। जबकि ग्रुप चरण 15-26 दिसंबर के बीच नौ अलग-अलग जगहों पर होंगे। कुल 35 टीम को नौ ग्रुप में बांटा जाएगा। इसमें आठ ग्रुप में चार चार टीमें होंगी और एक ग्रुप में तीन टीमें होंगी। एआईएफएफ ने कहा कि ग्रुप विजेता फिर मेजबान असम, पिछले सत्र के विजेता बंगाल और उप विजेता केरल के साथ 12 टीमों के फाइनल राउंड में शामिल होंगे जो ढकुआखाना और धेमाजी में होगा।

घरेलू स्तर के सीनियर खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में मिल सकती है जगह

दक्षिण अफ्रीका से दोनों मैचों में करारी हार के बाद चल रहा मंथन, तीसरे क्रम की बल्लेबाजी पर सबसे ज्यादा चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दोनों मैच में करारी पराजय झेलने के बाद घरेलू स्तर के कुछ विशेषज्ञ खिलाड़ियों को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है क्योंकि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर जैसे महत्वपूर्ण स्थान के प्रति अपने रवैये में बदलाव करने के लिए तैयार है। पिछले तीन दशक में राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाजों ने नंबर तीन पर अपनी भूमिका बखूबी निभाई थी लेकिन अब यह स्थान दांव पर लगा है।

करुण नायर इंग्लैंड में चार टेस्ट मैच खेलने के बावजूद प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे जबकि बी साई सुदर्शन ने 11 पारियों में 27 की औसत से यह दिखा दिया है कि वह अभी भी प्रगति की राह पर हैं। सुदर्शन के साथ तकनीक से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं विशेष कर उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी खुलकर उजागर हो गई है। उन्हें टेस्ट मैचों के लिए तैयार होने के लिए घरेलू क्रिकेट और भारत ए के साथ समय बिताने की जरूरत है। टेस्ट क्रिकेट ऐसी जगह नहीं है जहां प्राथमिक स्तर की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारा जाए और यह खिलाड़ी लगातार गलतियों को दोहरा रहे हैं जिसके कारण बदलाव जरूरी हो गया है।

इस बात की प्रबल संभावना है कि चयन समिति अब बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए घरेलू स्तर के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के नाम पर गंभीरता से विचार करेगी। सरफराज खान और अभिमन्यु ईश्वरन के लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में अनुभवी तीन खिलाड़ी रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और रिंकू सिंह टीम प्रबंधन का ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं। लाल गेंद के नए खिलाड़ियों में स्मरण रविचंद्रन (प्रथम श्रेणी औसत 78) और यश राठौड़ (पिछले रणजी सत्र में 960 रन) ने मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले गुरुवार को भारतीय टीम रांची पहुंच गई। यहां के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर बस में सवार रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव। एजेंसी

पंत ने दक्षिण अफ्रीका से हार के लिए माफी मांगी

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के लिए माफी मांगी और वादा किया कि टीम मजबूत वापसी के लिए फिर से संगठित होगी, अपना ध्यान केंद्रित करेगी और खुद को फिर से व्यवस्थित करेगी। भारत को मंगलवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट के साथ समाप्त हुई सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में पंत ने भारतीय टीम की अगुवाई की क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए थे। भारत यह मैच रिकॉर्ड 408 रन से हार गया था जिससे उसकी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की संभावना को भी करारा झटका लगा है। पंत को इस सीरीज के दौरान शॉट चयन में लापरवाही बरतने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। पंत ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले दो सप्ताह में हमने अच्छी क्रिकेट नहीं खेली। एक टीम और व्यक्तिगत खिलाड़ी के रूप में हम हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और करोड़ों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा माफी चाहता हूं कि हम इस बार उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके, लेकिन खेल आपको एक टीम और खिलाड़ी के तौर पर सीख देता है, परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाना और आगे बढ़ना सिखाता है। हम जानते हैं कि यह टीम क्या करने में सक्षम है। हम एक टीम और एक खिलाड़ी के रूप में मजबूत और बेहतर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, फिर से संगठित होंगे, फिर से ध्यान केंद्रित करेंगे और फिर से तैयार होंगे।

पीटीआई ने इसके बारे में जानकारी रखने वाले एक पूर्व चयनकर्ता से जब इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा लोग अभिमन्यु और सरफराज को नहीं चुनने के लिए अजीत और उनकी समिति को दोषी ठहरा सकते हैं, लेकिन क्या मुख्य कोच (गौतम गंभीर) और नए कप्तान (शुभमन गिल) को उनकी क्षमता पर भरोसा है। अगर नहीं, तो अकेले अजीत क्या करेंगे। लेकिन संभवतः अब समय आ गया है कि एक बार फिर से रणनीति बनाई जाए और ऑलराउंडरों के बजाय विशेषज्ञ खिलाड़ियों पर भरोसा किया जाए। उन्होंने कहा 'एक बात स्पष्ट कर दूं कि कपिल देव अंतिम विश्वस्तरीय ऑलराउंडर थे और टेस्ट स्तर पर अंतिम सक्षम ऑलराउंडर मनोज प्रभाकर थे जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में आगाज कर सकते थे। जहां तक हार्दिक पांड्या का सवाल है तो उनका शरीर उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने की अनुमति नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा लेकिन नितीश रेड्डी टुकड़ों में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह ज़्यादा से ज़्यादा टी20 खेल सकते हैं, वनडे नहीं और गौतम को यह बात समझने की ज़रूरत है। रेड्डी का 10 टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी औसत 26 है, जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए शतक के कारण है।

उन्होंने 15 पारियों में केवल 86 ओवर गेंदबाजी की है, जो औसतन छह ओवर प्रति पारी भी नहीं है। वर्तमान में भारत को नंबर तीन पर एक मजबूत बल्लेबाज की जरूरत है। इसके अलावा उसे नंबर पांच पर भी एक अच्छे रिजर्व बल्लेबाज की जरूरत है। जहां तक नंबर तीन का सवाल है तो रुतुराज गायकवाड इस स्थान के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने अभी तक 43 प्रथम श्रेणी मैच में 45 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। वह इस सत्र में पहले ही दो शतक और रणजी ट्रॉफी में 90 से अधिक की औसत से रन बना चुके हैं। वह तीसरे स्थान के लिए सही मानसिकता वाले खिलाड़ी नजर आते हैं। दूसरा नाम रजत पाटीदार का है, जिनका टेस्ट मैचों में पहला प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका औसत भी 45 से अधिक है और वह भारतीय मध्य क्रम को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। एक और खिलाड़ी रिंकू सिंह है जिन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगभग 60 की औसत से रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद भारतीय टेस्ट टीम में काफी बदलाव की संभावना है और यह देखना दिलचस्प होगा की टीम प्रबंधन किन खिलाड़ियों पर अपना भरोसा जताता है।

रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एकदिवसीय सीरीज़ से पहले मैच के लिए अभ्यास करते विराट कोहली। एजेंसी

श्रीकांत और उन्नति अंतिम आठ में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

- तन्वी शर्मा और मनराज सिंह ने किया बड़ा उलटफेर
- प्रियांशु ने भी क्वार्टर फाइनल में स्थान किया पक्का

किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स में सनीथ दयानंद से मुकाबला करते हुए। अमृत विचार

अमृत विचार : सैयद मोदी बैडमिंटन चैंपियनशिप में गुरुवार भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पूर्व चैंपियन के. श्रीकांत, प्रियांशु राजावत और शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा जहां क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए वहीं तन्वी शर्मा और मनराज सिंह ने बड़ा उलटफेर कर दिया। तन्वी ने जापान की नोजोमी ओकुहारा और मनराज ने हमवतन एचएस प्रणय पराजित कर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

पांचवीं वरीयता प्राप्त के. श्रीकांत ने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हमवतन सनीथ दयानंद को एकतरफा मुकाबले में 21-6, 21-16 से हराया। 2016 के चैंपियन श्रीकांत ने नेट पर बेहतरीन नियंत्रण और आक्रामक खेल दिखाया। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला प्रियांशु राजावत से होगा। प्रियांशु ने कड़े संघर्ष में बीएम राहुल भारद्वाज को 21-16, 10-21, 21-12 से मात दी। दिन का सबसे बड़ा उलटफेर उभरते भारतीय खिलाड़ी मनराज सिंह ने किया। युगांडा इंटरनेशनल चैलेंज के विजेता मनराज ने तीसरी वरीयता प्राप्त 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय को 21-15, 21-18 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

इसी तरह भारतीय युवा स्टार तन्वी शर्मा ने रोमांचक मुकाबले में 2023 की चैंपियन दूसरी वरीयता प्राप्त जापान की नोजोमी ओकुहारा को 13-21, 21-16, 21-19 से शिकस्त दी। जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2025 और यूएस ओपन की उपविजेता तन्वी ने आक्रामक सर्विस और सटीक शॉट्स से ओकुहारा को लगातार दबाव में रखा। शीर्ष वरीय भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने भारत की तस्नीम मीर को आसानी से 21-15, 21-10 से हराकर अंतिम आठ में जगह पक्की की।

उन्नति हुड्डा। अमृत विचार

महिला युगल में जॉली-गायत्री की शानदार जीत

पिछली विजेता और शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी त्रिशा जॉली व गायत्री गोपीचंद पी. ने हमवतन जेनिथ अबेगिल व लिखिता श्रीवास्तव को 21-17, 21-12 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। उत्तर प्रदेश की श्रुति मिश्रा और उनकी साथी प्रिया कोंज़ेंगबम ने चौथी वरीय यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा और येल्हेनिया कांतमिर को कड़े मुकाबले में 21-17, 24-22 से हराकर बड़ी जीत हासिल की।

मिश्रित युगल में भी हुआ उलटफेर

पुरुष एकल में हांगकांग के जेसन गुनावान ने चौथी वरीय भारतीय खिलाड़ी किरन जार्ज को 21-19, 21-16 से हराया। मिश्रित युगल में भारतीय जोड़ी हरिहरन अम्साकरुनन-त्रिशा जॉली और नितिन एचवी-श्रीनिधि नारायणन, और महिला एकल में इशारानी बरुआ ने भी उलटफेर कर जीत दर्ज की।

दीप्ति शर्मा तीन करोड़ 20 लाख रुपये में यूपी वारियर्स में लौटीं

नई दिल्ली, एजेंसी

डब्ल्यूपीएल नीलामी

- मंधाना के बाद सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी बनीं दीप्ति
- चरणी, एमेलिया केर और लैनिंग को भी अच्छे दाम मिले

भारत की स्टार हरफनमौला दीप्ति शर्मा बृहस्पतिवार को 2026 महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में सबसे महंगी खिलाड़ी बनीं, जबकि वनडे विश्व कप स्टार श्री चरणी और लौरा वोल्वार्ट को भी अच्छे दाम मिले।

यूपी वारियर्स ने 'राइट टू मैच' कार्ड का इस्तेमाल करके तीन करोड़ 20 लाख रुपये में खरीदा। अब वह डब्ल्यूपीएल के इतिहास में स्मृति मंधाना के बाद सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी हैं। मंधाना को उनसे 20 लाख रुपये अधिक मिले थे। यूपी वारियर्स के क्रिकेट संचालन निदेशक क्षेमल वैंगनकर ने कहा हमें इसी के आसपास बोली लगने की उम्मीद थी। इसमे कोई शक नहीं था कि हम दीप्ति को वापिस चाहते थे। मुंबई इंडियंस ने पिछले साल संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की हरफनमौला एमेलिया केर को तीन करोड़ रूपये में खरीदा। केर 2023 और 2025 में खिताब जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा थी।

यूपी वारियर्स ने अनुभवी हरफनमौला शिखा पांडे को दो करोड़ 40 लाख रुपये में खरीदा जिन्होंने आखिरी बार भारत के लिये 2023 में खेला था। विश्व कप में भारत की खिताबी जीत की सूत्रधारों में रही लेग स्पिनर श्री चरणी को दिल्ली कैपिटल्स ने 30 लाख रूपये के उनके बेसप्राइज से कई गुना अधिक एक करोड़ 30 लाख रुपये में खरीदा। विश्व कप उपविजेता दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लॉरा वोल्वार्ट को दिल्ली कैपिटल्स ने एक करोड़ 10 लाख रूपये में खरीदा। दिल्ली ने वेस्टइंडीज की बल्लेबाज चिनेले हेनरी को एक करोड़ 30 लाख रुपये में और भारतीय हरफनमौला स्नेह राणा को 50 लाख रुपये में खरीदा। ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग को यूपी वारियर्स ने एक करोड़ 90 लाख रुपये में खरीदा जबकि गुजरात टाइटंस ने न्यूजीलैंड की सोफी डेवाइन को गुजरात टाइटंस ने दो करोड़ रुपये में खरीदा। वारियर्स के पास नीलामी के लिए 14 करोड़ 50 लाख रुपये का पर्स था।

एमबाप्पे के चार गोलों से रियल मैड्रिड जीता

पेरिस, एजेंसी

चैंपियंस लीग

काइलियन एमबाप्पे ने अपने जादुई खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में दूसरी सबसे तेज हैट्रिक सहित चार गोल दागकर अपनी टीम रियाल मैड्रिड को जीत दिलाई। जबकि पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) और आर्सेनल भी जीत हासिल करने में सफल रहे।

एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड की ओलंपियाकोस पर 4-3 की जीत में 22वें और 29वें मिनट के बीच तीन गोल किए। उन्होंने 60वें मिनट में अपना चौथा गोल किया। एमबाप्पे ने छह मिनट 42 सेकंड के अंतराल में तीन गोल किए लेकिन वह मामूली अंतर से चैंपियंस लीग की सबसे तेज हैट्रिक बनाने से चूक गए। रिकॉर्ड लिवरपूल के मोहम्मद सलाह के नाम है जिन्होंने अक्टूबर 2022 में रेंजर्स के खिलाफ छह मिनट 12 सेकंड में तीन गोल किए थे। एमबाप्पे की मौजूदा सत्र में चैंपियंस लीग में यह दूसरी हैट्रिक है।

वह वर्तमान सत्र में इस प्रतियोगिता में नौ गोल कर चुके हैं जो सर्वाधिक हैं। आर्सेनल ने बायर्न म्यूनिख को 3-1 से हराकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन ने विटिना की हैट्रिक की मदद से टॉटेनहैम को 5-3 से हराया लेकिन लिवरपूल को एनफील्ड में पीएसवी आइंडहोवन के हाथों 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। इंटर मिलान को भी एटलेटिको मैड्रिड के हाथों 2-1 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद केवल आर्सेनल ऐसी टीम रह गई है जिसने चैंपियंस लीग में अभी तक अपने सभी पांच मैच जीते हैं।

डब्ल्यूबीबीएल के बचे सत्र में नहीं खेलेंगी जेमिमा

ब्रिसबेन। भारत की महिला विश्व कप विजेता स्टार जेमिमा रोड्रिग्स ने अपनी साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ रहने के लिए ऑस्ट्रेलिया में चल रही डब्ल्यूबीबीएल (महिला बिग बैश लीग) के बचे हुए सत्र में नहीं खेलने का फैसला किया है। मंधाना की शादी टल गई है।

जेमिमा कुछ दिन पहले मंधाना की शादी में शामिल होने के लिए भारत लौटी थीं। उन्हें शादी में शामिल होने के बाद ब्रिसबेन हीट के साथ अपना सत्र पूरा करने के लिए वापस जाना था। लेकिन शादी से ठीक पहले मंधाना के पिता की तबीयत खराब हो गई जिसके कारण शादी को टालना पड़ा। इसके बाद जेमिमा ने उनके साथ रुकने का फैसला किया। ब्रिसबेन हीट ने एक बयान में कहा ब्रिसबेन हीट ने जेमिमा रोड्रिग्स के डब्ल्यूबीबीएल के बचे हुए सत्र से रिलीज करने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

जूनियर हॉकी विश्व कप | दो बार की चैंपियन भारतीय टीम पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ आज बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगी

नौ साल बाद घरेलू धरती पर खिताब जीतने उतरेगा भारत

चेन्नई, एजेंसी

टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल टीम मेजबान भारत शुक्रवार को यहां पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के अपने पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके नौ साल बाद घरेलू धरती पर खिताब हासिल करने के अपने अभियान का शानदार आगाज करने की कोशिश करेगा। दो बार के चैंपियन भारत ने पिछली बार 2016 में लखनऊ में वर्तमान में सीनियर महिला टीम के कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में यह टूर्नामेंट जीता था। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत को पूल बी में रखा गया है और वह इस ग्रुप से आगे बढ़ने का प्रबल दावेदार है।

भारत और चिली के अलावा, ओमान और स्विट्जरलैंड पूल बी में शामिल अन्य टीमें हैं। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत का दौरा करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उसकी जगह पर ओमान को शामिल किया गया था।

भारत ने 2001 में होबार्ट में और 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। 46 साल पहले 1979 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में जर्मनी सबसे सफल टीम है, जिसने सात खिताब जीते हैं। भारत के अलावा अर्जेंटीना ने भी दो बार 2005 और 2021 में जूनियर विश्व कप जीता था। पाकिस्तान ने 1979 में वर्सेल्स (फ्रांस) में खेला गया पहला विश्व कप अपने नाम किया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 1997 में मिल्टन कीन्स में भारत को हराकर यह खिताब जीता था। भारत 2023 में कुआलालंपुर में खेले गए पिछले जूनियर विश्व कप में चौथे स्थान पर रहा था। वह कांस्य पदक के मैच में स्पेन से 1-3 से हार गया था। जर्मनी तब चैंपियन बना था।

इस बार विश्व कप चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा जिसमें रिकॉर्ड 24 टीम खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। टीमों को छह ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में चार टीमों को रखा गया है जो राउंड रोबिन आधार पर एक दूसरे का सामना करेंगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम तथा दूसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारत खिताब का प्रबल दावेदार है। जर्मनी अंडर-21 वर्ग में दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम है। श्रीजेश टीम की इस कमजोरी से वाकिफ हैं और उन्होंने इसके लिए उचित कदम भी उठाए हैं। श्रीजेश ने मलेशिया से लौटने पर कहा था मलेशिया में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना चिंता का विषय था, लेकिन हमने इस समस्या का समाधान कर लिया है। हमने पेनल्टी कॉर्नर और पेनल्टी कॉर्नर डिफेंस, दोनों पर विशेष ध्यान दिया है। हमारे पास अच्छे ड्रैग-फ्लिकर हैं, जो दिन में 200-300 बार फ़्लिक करते हैं। उन्होंने टूर्नामेंट से अनुभव हासिल किया है और अब बेहतर तरीके से तैयार हैं।

हमें अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा : श्रीजेश

चेन्नई : भारत के मुख्य कोच पी आर श्रीजेश ने एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप से पहले अपनी टीम की कमियों को स्वीकार किया, लेकिन कहा कि नौ साल बाद अपनी धरती पर खिताब जीतने के लिये टीम को अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा। अर्जेंटीना के साथ टूर्नामेंट की दूसरी सबसे कामयाब टीम भारत ने होबर्ट में 2001 के बाद लखनऊ में 2016 में खिताब जीता था। भारत को पूल बी के पहले मैच में शुक्रवार को चिली से खेलना है। अंडर 21 वर्ग में भारत दूसरी रैंकिंग वाली टीम है जबकि सात बार की और पिछली चैम्पियन जर्मनी शीर्ष पर है। चिली विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर है। उन्होंने कहा रैंकिंग से कुछ पता नहीं चलता और मैच के दिन प्रदर्शन ही मायने रखता है।

भारत के कप्तान रोहित और मुख्य कोच पीआर श्रीजेश। एजेंसी